रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार... । जनपक्षीय पत्रकारिता ।
देसी अंदाज नया मिजाज
रांची एक्सप्रेस
1963 से लगातार आपकी सेवा में
epaper.theranchiexpress.com | वर्ष-02 | अंक-59 | कोलकाता, गुरुवार 25 अप्रैल 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12 | मूल्य 3 रु.

आ गई खुशखबरी! रेल मंत्री ने बताया-कब से मिलेगा कंफर्म टिकट

ट्रेनों में अब जल्द खत्म होगा वेटिंग का झंझट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में यात्रियों की भीड़ होना तो आम बात थी मगर अब एसी कोच में भी लोगों की धक्का-मुक्की बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर आए दिनों कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रही हैं, जिनमें लोग एसी कंपार्टमेंट में भी भेड़-बकरियों की तरह भरे हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच वर्षों में लगभग सभी रेल यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकता है। अश्विनी वैष्णव की बातों पर भरोसा करें तो अगले पांच साल में वेटिंग के झंझट से छुटकारा मिलने वाला है। आईएएनएस से बातचीत में अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगले पांच वर्षों में, पीएम मोदी गारंटी देते हैं कि रेलवे की क्षमता इतनी बढ़ा दी जाएगी कि यात्रा करने वाले लगभग किसी भी यात्री को आसानी से कन्फर्म टिकट मिल सके। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी के जरिए रेलवे को और मजबूत किया जाएगा और खासकर यात्रियों के लिए सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जाएगा। वैष्णव ने पिछले दशक में भारतीय रेलवे के बदलाव पर भी जोर दिया और कहा, 2014 से 2024 तक 31,000 किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए। अश्विनी वैष्णव ने कहा, 2004 से 2014 तक के 10 वर्षों में, केवल लगभग 5,000 किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ, जबकि पिछले 10 वर्षों में आश्चर्यजनक रूप से 44,000 किलोमीटर का रेलवे विद्युतीकरण हुआ। मनमोहन सिंह की सरकार से तुलना करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2004-2014 तक केवल 32,000 कोच बनाए गए थे। जबकि 2014 से 2024 तक 54,000 कोच बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि समर्पित माल गलियारे के लिए 2014 से पहले एक किलोमीटर भी लाइन चालू नहीं की गई थी। वहीं अब, 2,734 किलोमीटर के दो समर्पित माल गलियारे चालू हो गए हैं।

यूपी चुनाव में अब तालिबान हनुमान और शरिया की एंट्री

सीएम योगी आदित्यनाथ भर रहे हुंकार,सपा और कांग्रेस निशाने पर

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 का पहला चरण बीत चुका है। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग के लिए चुनाव प्रचार शाम पांच बजे थम गया है। सात चरणों में होने वाले चुनाव के प्रचार ने तेजी पकड़ ली है। बीजेपी, कांग्रेस, सपा और बसपा के सभी कद्दावर नेता मैदान में उतर चुके हैं। इन सभी दलों के स्टार प्रचारक एक दूसरे पर वार-पलटवार करते जा रहे हैं। सभी तरह के मुद्दों के बीच मुसलमान, हनुमान, शरिया जैसे शब्द भी नेताओं के बयान में शामिल हो चुके हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी चुनावी रैलियों में कहते नजर आते हैं-कांग्रेस का घोषणापत्र देखिए। इसमें वे कहते हैं कि शरिया कानून लागू कर देंगे। भारत संविधान से चलेगा। कांग्रेस के लोग अपने घोषणापत्र में कहते हैं कि व्यक्तिगत कानून यानी शरिया कानून को लागू करेंगे। कांग्रेस को देश की कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए।

कांग्रेस को अब बीच चुनाव में बैकफुट पर लाए सैम पित्रोदा

- पार्टी ने बयान से झाड़ा पल्ला, खुद भी दे रहे सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले राउंड की वोटिंग हो चुकी है और दो दिन बाद दूसरे चरण का मतदान होना है। इस बीच कांग्रेस के सीनियर नेता सैम पित्रोदा के बयान पर विवाद खड़ा हो गया है और इसे भाजपा ने लपक लिया है। सैम पित्रोदा ने अमेरिका का हवाला देते हुए कहा था कि वहां पर विरासत टैक्स है और किसी के भी मरने पर 55 फीसदी दौलत सरकार की हो जाती है। उसके परिजनों और बच्चों को 45

फीसदी संपत्ति ही मिलती है। यह अच्छा नियम है और भारत में भी इस पर बहस की जरूरत है। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया तो अब कांग्रेस पार्टी ने उनके बयान से ही पल्ला झाड़ लिया है। इसके अलावा सैम पित्रोदा ने भी सफाई देते हुए कहा है कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर सैम पित्रोदा के बयान को उनकी निजी राय बताया है। जयराम रमेश ने कहा, सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर में कई लोगों के लिए गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के समान रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में कई महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पित्रोदा जी उन मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं जिनके बारे में वह बोलना जरूरी समझते हैं।

वे आपकी संपत्ति लूटना चाहते हैं जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी

छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी बोले-कांग्रेस अब विरासत पर भी टैक्स लगाएगी

रायपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ये मंत्र आपकी संपत्ति छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें। उन्होंने कहा, जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वे भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लालच में देश को तबाह करने का रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भाजपा ने मुझे 2014 में उम्मीदवार बनाया था, तब आपने ही अंबिकापुर में लाल किला बनाया था। उस दौरान कांग्रेस की पूरी टोली ने मुझ पर हमला बोल दिया था। आपके आशीर्वाद से वही मोदी, लाल किला पहुंचा और राष्ट्र के नाम संदेश दिया। आज सरगुजा वही फिर आशीर्वाद दे रहा है।

भारत आत्मनिर्भर बना तो कईयों की दुकानें बंद हो जाएंगी

जब मैं विकसित भारत कहता हूं तो कांग्रेस और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वे भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता के लालच में कांग्रेस देश को तबाह करने में लगी रही।

चुनाव कंट्रोल नहीं कर सकते ईसी पर भरोसा करना होगा

- वीवीपैट वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के जरिए से डाले गए वोटों का पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के साथ पूर्ण सत्यापन करने को लेकर दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया। इस दौरान कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए साफ किया कि वह चुनावों के लिए कंट्रोलिंग अथॉरिटी नहीं है और संवैधानिक अथॉरिटी भारत के चुनाव आयोग के कामकाज को निर्देशित नहीं कर सकता है।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा, हम उन चुनावों को कंट्रोल नहीं कर सकते, जो किसी अन्य संवैधानिक प्राधिकरण मशीन की कार्यप्रणाली के कुछ खास पहलुओं पर बुधवार को चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा था, साथ ही निर्वाचन आयोग के एक शीर्ष अधिकारी को दोपहर दो बजे तलब किया था। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अदालती सवालों का जवाब देने के लिए आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि उसे कुछ पहलुओं पर स्पष्टीकरण की जरूरत है, क्योंकि ईवीएम पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के बारे में निर्वाचन आयोग ने जो उत्तर दिए हैं उनमें कुछ भ्रम है। बेंच ने

(चुनाव आयोग) द्वारा आयोजित किए जाने हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव निकाय (चुनाव आयोग) ने संदेह को दूर कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि वह महज संदेह के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती। इस याचिका को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। एडीआर की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण के सवालों का जवाब देते हुए कोर्ट ने कहा कि यदि आप किसी विचार-प्रक्रिया के बारे में पूर्वनिर्धारित हैं, तो हम आपकी मदद नहीं कर सकते। हम यहां आपके विचार को बदलने के लिए नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग निर्वाचन आयोग की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एश्वर्या भाटी से कहा, हम गलत साबित नहीं होना चाहते, बल्कि अपने निष्कर्षों को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहते हैं और इसलिए हमने स्पष्टीकरण मांगने का सोचा। बेंच ने भाटी को वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त नितेश कुमार व्यास को दोपहर दो बजे बुलाने के लिए कहा। व्यास ने इससे पहले ईवीएम की कार्यप्रणाली पर अदालत में एक प्रस्तुति दी थी। इसमें ईवीएम के भंडारण, ईवीएम की नियंत्रण इकाई में माइक्रोचिप और अन्य पहलुओं से संबंधित कुछ बिंदुओं पर बात की गई थी जिनके संबंध में अदालत ने स्पष्टीकरण मांगा था।

बीच लोकसभा चुनाव देश के 4 शहरों में ईडी का छापा

- तुलसियानी ग्रुप के लखनऊ, प्रयागराज और गुड़गांव ठिकानों पर छापेमारी

प्रयागराज (एजेंसी)। रीयल एस्टेट से जुड़े तुलसियानी ग्रुप के कई ठिकानों पर ईडी अफसरों ने बुधवार को छापा मारा। लखनऊ, प्रयागराज, नोएडा और गुरुग्राम में ईडी की कई टीमें जांच कर रही हैं। तुलसियानी ग्रुप पर बैंक और निवेशकों के 30 करोड़ से ज्यादा की रकम हड़पने का आरोप है। तुलसियानी ग्रुप द्वारा पंजाब नेशनल बैंक की कर्ज की रकम हड़पने और तमाम निवेशकों की तरफ से दर्ज कराए गए मुकदमों के आधार पर ईडी ने अपनी जांच शुरू की थी। अभिनेता शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी इस ग्रुप की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं। गौरतलब है कि

दिसंबर, 2023 में तुलसियानी ग्रुप के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि कंपनी ने जाली दस्तावेज जमाकर पंजाब नैशनल बैंक से 4.63 करोड़ रुपये कर्ज लिया था। जब कर्ज ने वसूली के लिए पत्राचार शुरू किया तो कंपनी की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद बैंक मैनेजर ने तुलसियानी ग्रुप के निदेशक महेश तुलसियानी, अनिल कुमार तुलसियानी और पूर्व निदेशकों पर हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। बैंक की 30 करोड़ से अधिक रकम हड़पने की पुष्टि होने के बाद बुधवार को ग्रुप के ठिकानों पर ईडी ने मारा छापा। शिकायत में कहा गया है कि तुलसियानी ग्रुप की तरफ से लुभावनी स्कीम के जरिये लोगों को फ्लैट देने का वादा कर रकम जमा करा रहा था, जबकि उसके पास फ्लैट तो दूर की बात जमीन तक नहीं थी। कंपनी के निदेशक लखनऊ में अंसल सुशांत गोल्फ सिटी में फ्लैट बनाने का झांसी देकर रकम जमा कराते थे।

पीएम मोदी की स्पीच के खिलाफ ईसी ने शुरू की जांच

बांसवाड़ा में कहा था-कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति मुस्लिमों में बांट देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्शन कमीशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा में दिए गए बयान की जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों में बांट देगी। साथ ही पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर

पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। पीएम के इस बयान के खिलाफ कांग्रेस और सीपीएम-एम ने चुनाव आयोग में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। कांग्रेस ने ईसी से अपील की थी कि पीएम मोदी के 'संपत्ति का बंटवारा' वाले बयान पर ऐक्शन लें। कांग्रेस ने इस बयान को विभाजनकारी, दुर्भावना से भरा और समुदाय विशेष को टारगेट करने वाला बताया था।

कर्नाटक में अब मुस्लिमों को 'ओबीसी' आरक्षण पर संग्राम

- केंद्र सरकार ने उठा दिया सवाल, मुश्किल में फंसी कांग्रेस सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में आरक्षण एक बड़ा मुद्दा बन गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह एससी, एसटी और ओबीसी का हक मारकर मुसलमानों को देना चाहती है। इस बीच राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का बयान आया है, जिसमें उसने बताया है कि कर्नाटक में शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण मिल रहा है। आयोग ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया है कि कर्नाटक में मुस्लिमों की सभी जातियों और समुदायों को सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में आरक्षण दिया जा रहा है। हंसराज अहीर ने कहा कि हमने इसे लेकर कर्नाटक सरकार से पूछा था कि आखिर किस आधार पर यह कोटा दिया जा रहा है। इस पर हमें कोई सही स्पष्टीकरण नहीं मिला है।

बीकानेर में डेढ़ बीघा जमीन धंसने का रहस्य और गहराया

राज जानने के लिए लग रहा लोगों का मेला, अब जियोलॉजिकल विभाग करेगा जांच

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर जिले में 9 दिन पहले डेढ़ बीघा जमीन अचानक 100 फीट नीचे धंस गई। इसका रहस्य अभी भी बरकरार है। यह घटना अब सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में है। इस घटना ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। लोग इस जगह पर रिल्स बनाने के लिए उमड़ रहे हैं। इसके बाद हादसे की आशंका के चलते अब प्रशासन ने यहां पर लोगों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी है। जमीन धंसने की घटना से ऐसा लग रहा है कि कोई खगोलीय पिंड जमीन से टकराया हो, जिसके बाद यह गहरा गड्ढा हो गया। हैरत कर देने वाली यह घटना बीकानेर जिले के लूणकरणसर तहसील के सहजरासर गांव की है। जहां डेढ़ बीघा जमीन धीरे-धीरे 100 फुट नीचे धंस गई है। यह घटना अब लोगों में आश्चर्य का विषय बन गई है। आसपास के लोगों के अनुसार इस क्षेत्र में कई वर्षों पहले बिजली गिरी। इसके चलते ग्रामीणों का मानना है कि हर साल मिट्टी धंसती गई। इसके चलते लोगों ने इस स्थान को 'बिजलगढ़' का नाम दे दिया।

ममता बनर्जी ने बढ़ती सांप्रदायिक टिप्पणियों को लेकर नरेंद्र मोदी की आलोचना

कोलकाता,एजेन्सी। ममता बनर्जी ने मंगलवार को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बढ़ती सांप्रदायिक टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना की और उन्हें खतरनाक करार दिया। ममता ने भाजपा पर मौजूदा आम चुनाव के नतीजों को लेकर चिंतित और अनिश्चित होने का भी आरोप लगाया।

राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रधान मंत्री मोदी के बयान के दो दिन बाद और उत्तरी दिनाजपुर के रायगंज में केंद्रीय गृह मंत्री शाह की टिप्पणियों के तुरंत बाद, बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जो कहा वह वह दोहराना भी नहीं चाहती थीं, लेकिन बयानों ने उन्हें दुखी किया।

बीजेपी इन मौजूदा चुनावों के नतीजों को लेकर इतनी चिंतित, इतनी अनिश्चित है कि वे खतरनाक बयान जारी कर रही हैं। वे जो कह रहे हैं, मैं उसे दोहराना नहीं चाहती और विभाजन को बढ़ाना नहीं चाहती, ममता ने मंगलवार दोपहर बीरभूम के हांसन में कहा।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा कहे गए शब्द मुझे दुखी करते हैं। आने वाले दिनों में उन्हें इन चीजों की महंगी कीमत चुकानी पड़ेगी. विभाजन के बीज बोकर कोई चुनाव नहीं करा सकता, या मानवता की रक्षा नहीं कर सकता, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, जिन्होंने मोदी पर देश के प्रधान मंत्री होने के बजाय प्रोचर बाबू (प्रचार के लिए उनकी कथित लालसा) की भूमिका को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। रविवार को, मोदी ने विवादास्पद रूप से कहा था कि कांग्रेस के घोषणापत्र में माताओं और बहनों के मंगलसूत्र सहित नागरिकों की संपत्ति जब्त करने और उन्हें मुसलमानों के बीच वितरित करने का वादा किया गया था। कांग्रेस ने इससे इनकार किया है. मोदी ने यह भी दावा किया था कि उनके पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, और इसका तात्पर्य यह था कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं और घुसपैठिए हैं। मंगलवार को, शाह ने संशोधित नागरिकता कानून के कार्यान्वयन की बात करते हुए कहा कि अगर पार्टी राज्य से 30 से अधिक लोकसभा सीटें जीतती है तो भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र (अपने लगातार तीसरे कार्यकाल में) बंगाल में घुसपैठ को स्थायी रूप से रोक देगा। उन्होंने लगभग 50 प्रतिशत अल्पसंख्यक आबादी वाले जिलों मालदा और उत्तरी दिनाजपुर में वोटों के ध्रुवीकरण के लिए हनुमान जयंती और राम मंदिर कार्ड भी खेला। वे केवल हर किसी के अधिकारों को जब्त करना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि हर किसी को अपनी इच्छा के अनुसार पहनना, खाना और करना पड़ता है। वे हमारे असंख्य समुदायों के समृद्ध विविध लोकाचार की पहचान को नष्ट कर देंगे, ममता ने कहा। हम अपने लोगों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान चाहते हैं। विज्ञापनों पर करोड़ों-करोड़ों खर्च करके या देश को बांटकर कोई सच्चा नेता नहीं बन सकता। अगर प्रोचर बाबू दोबारा सत्ता में आये तो फिर चुनाव नहीं होंगे. वे हर किसी के अधिकार छीन लेंगे, ममता ने कहा। जनता इन परेशान करने वाले घटनाक्रमों से चिंतित है। वे ज़ोर से कुछ नहीं कह रहे हैं, लेकिन वोटों की ताकत का इस्तेमाल करके चुपचाप मामले को अपने हाथ में ले रहे हैं। हमारे देश की जनता अब भाजपा को विदाई देने के लिए तैयार है।

ममता ने एक बार फिर सीपीएम और कांग्रेस पर तृणमूल की हार के लिए बीजेपी के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया

सीपीएम और कांग्रेस तृणमूल के खिलाफ लड़ रहे हैं और बंगाल में भाजपा की आंखों के रूप में काम कर रहे हैं। भाजपा ने यहां वोटों को विभाजित करने, तृणमूल की हार सुनिश्चित करने के लिए उनसे हाथ मिलाया है।

बंगाल में, हमारा सीपीएम से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि हमने 34 वर्षों से उनकी क्रूरता देखी है। कांग्रेस की राज्य इकाई हमें भाजपा के मित्र के रूप में यहां रोजाना गाली देती है। जब हम जीतेंगे, तो हम केंद्र में भारतीय गुट को सत्ता में लाएंगे।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में नौकरी में कथित भ्रष्टाचार पर सवाल उठाए

कोलकाता,एजेन्सी। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 25,753 नौकरियों को रद्द करने के एक दिन बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में एक सार्वजनिक बैठक और एक रोड शो में भाग लेते हुए आश्चर्य जताया कि कैसे राज्य के गरीब युवाओं पर नौकरी पाने के लिए शक्तिशाली लोगों को रिश्वत देने का दबाव डाला गया।उच्च न्यायालय ने सोमवार को कई नौकरियों को निलंबित कर दिया था। युवाओं द्वारा सत्ता में बैठे लोगों को खरीद के लिए 10 से 15 लाख रुपये के बीच कुछ भी दिया गया। टीएमसी के एक मंत्री के घर से 51 करोड़ रुपये मिले लेकिन सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें (पार्थ चटर्जी) निलंबित नहीं किया, जो फिलहाल जेल में हैं। इस तरह के भ्रष्टाचार को केवल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ही रोक सकते हैं, शाह ने कहा। सीएम बनर्जी पर और अधिक प्रहार करते हुए, शाह ने कहा कि वह केंद्र की योजनाओं को पश्चिम बंगाल के जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचने देती हैं क्योंकि उन्हें डर है कि बंगाल के लोग मोदी का समर्थन करना शुरू कर देंगे। अगर बंगाल के लोग हिंसा, घुसपैठ और संदेशखाली जैसी घटनाओं को रोकना चाहते हैं, तो सभी को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करना चाहिए क्योंकि वह सुशासन प्रदान करने में सक्षम हैं। दीदी को यह समझना चाहिए कि बंगाल के लोग वास्तविकता से अवगत हैं और भाजपा बंगाल में 30 से 35 सीटों के बीच कुछ भी हासिल करने के लिए तैयार है। 2019 में, बंगाल की 18 सीटों ने बीजेपी को 300 का आंकड़ा पार करने में मदद की, शाह ने आगे कहा। शाह ने पार्टी के मालदा (उत्तर) और (दक्षिण) उम्मीदवारों खगेन मुर्मू और श्रीरूपा मित्रा चौधरी के लिए एक रोड शो में भाग लिया। एक तरफ ममता दीदी शरणार्थियों को नागरिकता देने से इनकार कर रही हैं और दूसरी तरफ, वह घुसपैठियों को नहीं रोक रही हैं। शरणार्थियों को नागरिकता देने में उन्हें क्या परेशानी है? शाह से पूछा.

ममता बनर्जी ने केंद्र में सत्ता हासिल करने के लिए इंडिया ब्लॉक को टीएमसी का समर्थन देने का वादा किया

कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इंडिया ब्लॉक को केंद्र में सत्ता में आने में मदद करेगी। दो चुनाव अभियानों को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा कि टीएमसी राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय गुट को सत्ता में लाएगी।किसी का नाम लिए बिना, ममता ने कहा कि एक गद्दार ने उनके भतीजे और टीएमसी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक बनर्जी को मारने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने भी बिना किसी का नाम लिए बीजेपी के बीरभूम उम्मीदवार पर हमला बोला था और कहा था कि 2021 राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान सीतलकुची गोलीबारी के लिए वह जिम्मेदार थे. एक गद्दार ने बम विस्फोट की बात कही है। यदि तुम्हें मुझसे द्वेष है तो तुम मुझे मार सकते हो। आपने अभिषेक को मारने की भी कोशिश की, भगवान का शुक्र है कि हमें पहले ही पता चल गया।

कांग्रेस ने राज्य यूनिट महासचिव को छह साल के लिए पार्टी से किया निष्कासित

कोलकाता,एजेन्सी। लोकसभा चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल कांग्रेस में बड़ा सियासी घटनाक्रम देखने को मिला. कारण, पार्टी ने पश्चिम बंगाल में राज्य यूनिट के महासचिव बिनॉय तमांग को छह साल के लिए सस्पेंड कर दिया है. पार्टी ने ये कार्रवाई इसलिए की है क्योंकि तमांग ने दार्जिलिंग लोकसभा सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार के बजाय बीजेपी प्रत्याशी राजू बिस्ता के लिए वोटिंग की अपील कर डाली थी. बिनॉय तमांग ने कहा था कि वह लोकसभा चुनाव में दार्जिलिंग से बीजेपी उम्मीदवार राजू बिस्ता को समर्थन देंगे. प्रमुख गोरखा नेता बिनॉय तमांग कुछ महीने पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए थे.

बिनॉय तमांग ने दार्जिलिंग सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मुनीश तमांग के नाम पर आपत्ति जताई थी. उन्होंने कहा था कि पार्टी हाईकमान ने प्रत्याशी के लिए उनसे राय नहीं ली. इसके बाद अब उन्होंने कहा कि मैं दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी राजू बिस्ता को पूर्ण रूप से समर्थन देना चाहता हूं क्योंकि इससे दार्जिलिंग के पहाड़ी क्षेत्रों के को लोगों को सुरक्षा और न्याय मिल सकेगा. मैं दार्जिलिंग के लोगों, अपने समर्थकों, दोस्तों और रिश्तेदारों से कहना चाहता हूं कि अपना कीमती वोट भाजपा उम्मीवार राजू बिस्ता को दें. क्षेत्र में मतदान से ठीक 72 घंटे पहले बिनॉय तमांग ने एक वीडियो संदेश में कहा, दार्जिलिंग में गोरखाओं के न्याय के लिए, मैं बीजेपी उम्मीदवार राजू बिस्ता का समर्थन कर रहा हूं. 26 अप्रैल को भाजपा और उसके उम्मीदवार राजू बिस्ता को वोट दें. केंद्र में फिर से बीजेपी की सरकार आ रही है. ऐसी संभावना है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी सरकार सत्ता में आएगी. मैंने सिलीगुड़ी, डुआर्स और पहाड़ की राजनीतिक और संवैधानिक समस्याओं को न्याय देने के लिए अगली सरकार का समर्थन करने का फैसला किया है. पहाड़ों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को भी खत्म करना होगा. दरअसल, एक समय गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के नेता और बिमल गुरुंग के अनुयायी रहे बिनॉय तमांग 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे. उन्होंने 2022 में तृणमूल छोड़ दी. नवंबर 2023 में वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के साथ दिल्ली गए और कांग्रेस में शामिल हो गए।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का आरोप, बीजेपी हमें मारने की कोशिश कर रही

कोलकाता,एजेन्सी। मंगलवार को एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने के लिए 50 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी वाले जिले मालदा पहुंचे अभिषेक ने कहा- भाजपा केवल तृणमूल से डरती है। पार्टी ने हमें विफल करने के प्रयास किए हैं और यहां तक कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों को भी इसमें शामिल किया है। अब, वे हमें मारने की योजना बना रहे हैं। मुझे डर नहीं लगता क्योंकि लोग हमारे साथ हैं...

सोमवार को कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के अधिकारियों ने राजाराम रेगे की मुंबई से गिरफ्तारी की जानकारी दी. उन्होंने कहा, रेगे ने अभिषेक के आवास और कार्यालयों की रेकी की थी और उन्हें और उनके निजी सहायक को उनके सेल फोन पर कॉल करने की कोशिश की थी।

रेगे को 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य आरोपी डेविड हेडली के साथ संबंधों के लिए जाना जाता है।

इससे पहले दिन में, सिलीगुड़ी के गोसाईंपुर में अभिषेक ने भाजपा के प्रमुख प्रचारकों को प्रवासी पक्षी करार दिया। ये लोग प्रवासी पक्षी हैं जो झूठे वादे करने के लिए चुनाव से पहले बंगाल आते हैं। ऐसे बाहरी लोगों के दौरे से राज्य के हर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के वोटों में गिरावट आयेगी. भाजपा के जाने के बाद ही भारत में अच्छे दिन आएंगे।

दार्जिलिंग सीट के लिए, जिसे तृणमूल ने कभी नहीं जीता है, और 2009 के बाद से भाजपा ने तीन बार, अभिषेक ने मिट्टी का बेटा कार्ड खेला। हमने गोपाल लामा को मैदान में उतारा है, जो इसी क्षेत्र से हैं। भाजपा ने हमेशा बाहरी लोगों को मैदान में उतारा है जिन्होंने आपके लिए कुछ नहीं किया। मैंने अपने दावे का खंडन करने के लिए प्रधान मंत्री को एक श्वेत पत्र प्रकाशित करने की चुनौती दी थी कि 2021 के बाद से आवास योजना के लिए कोई धन उपलब्ध नहीं कराया गया है। एक महीने से अधिक समय बीत चुका है लेकिन भाजपा कोई दस्तावेज लेकर नहीं आई है।

ममता की तरह, उन्होंने कहा कि तृणमूल कूच बिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में जीतेगी जहां 19 अप्रैल को मतदान हुआ था।

लोगों ने सर्जिकल स्ट्राइक किया है। भाजपा को 4 जून को इसका एहसास होगा, सांसद ने कहा। मालदा में, जहां अभिषेक ने मालदा दक्षिण के उम्मीदवार शाहनवाज अली रैहान के लिए प्रचार किया, उन्होंने दावा किया कि 2021 के विधानसभा चुनाव परिणामों के अनुसार, उनकी पार्टी भारी अंतर से जीतेगी।

मंगलवार को सिलीगुड़ी में भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने दावों का मजाक उड़ाया। बुआ और भतीजा दोनों परेशान हैं। इसलिए वे आधारहीन टिप्पणी कर रहे हैं, अधिकारी ने कहा।

हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को स्कूल भर्ती जांच मंजूरी पर 10 दिन का अल्टीमेटम दिया

कोलकाता,एजेन्सी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुख्य सचिव को आखिरी मौका के रूप में 10 दिन का अल्टीमेटम दिया, ताकि कैश-फॉर-नौकरी मामले में आरोपी राज्य के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी देने के अनुरोध का जवाब दिया जा सके। . न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और गौरांग कंठ की खंडपीठ ने सीएस को 2 मई तक मंजूरी अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया, जिसमें विफल रहने पर अदालत ने कहा कि वह उचित कदम उठाएगी। खंडपीठ ने 9 अप्रैल को मुख्य सचिव बीपी गोपालिका को निर्देश दिया था कि 23 अप्रैल तक सीबीआई द्वारा मांगी गई मंजूरी पर अपना दिमाग स्वतंत्र रूप से लगाएं। सीएस ने मंगलवार को अदालत में अपने हलफनामे में पीएमएलए धारा 19 के तहत मंजूरी देने पर निर्णय लेने से पहले बड़े दस्तावेजों और समन्वय पीठ के संबंधित आदेश को पढ़ने के लिए और समय मांगा। न्यायमूर्ति बागची मुख्य सचिव की टालमटोल करने वाली रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं थे। न्यायाधीश ने कहा कि मंजूरी देना 2022 से लंबित है। शीघ्र सुनवाई के लिए मंजूरी देना एक आवश्यकता है। राज्य के अधिकारियों के विरुद्ध निरर्थक अभियोजन को समाप्त करना भी आवश्यक है। मुख्य सचिव अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, उन्होंने कहा। डिप्टी सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने बताया कि न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने सोमवार को स्कूल नियुक्ति मामले में फैसला सुनाते हुए मंजूरी देने पर मुख्य सचिव के अड़ियल रवैये का उल्लेख किया था। न्यायमूर्ति बागची ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि पूर्व एसएससी सलाहकार एसपी सिन्हा सहित दो आरोपियों ने - जो लगभग दो साल से हिरासत में हैं - इस आधार पर जमानत याचिका दायर की थी कि जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, यह मुख्य सचिव के कार्यालय से मंजूरी मिलने में देरी के कारण है।

झारखंड में परिवार के चार लोगों पर एसिड अटैक, बुरी तरह झुलसने पर मची चीख-पुकार

रांची, एजेंसी। झारखंड में छत पर सो रहे परिवार के चार लोगों पर एसिड अटैक हुआ है। यह 22-23 अप्रैल की रात ढाई बजे की घटना है। चारों को बेहतर इलाज के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। उधर, पुलिस ने महज सात घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य युवकों से भी गहन पूछताछ चल रही है। यह राजमहल शहर के गुदारा घाट मुख्य बाजार की घटना है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पुराने अनुमंडल अस्पताल के सामने बनी दुकान में चलने वालली हसीना होटल के मलिक हसीन बीवी (35), उनके भाई आलम शेख (26), बेटी शबनम खातुन (15) और मां गोलवानू वेबा (60) एक साथ छत पर सो रहे थे। बीती रात 2:30 बजे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा एसिड फेंक देने से चारों झुलस गए। पीड़ित सदस्यों के अनुसार, घटना के बाद कुछ लोगों को उनलोगों ने सीढ़ी से भागते हुए देखा। इधर, चीखने-चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के लोग नींद से जग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

आनन-फानन में चारों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। घायलों का प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इधर,घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, एसडीओ कपिल कुमार, पुलिस निरीक्षक श्याम लाल हांसदा, थाना प्रभारी गुलाम सरवर, एसआई बिट्टू कुमार साहा आदि मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी।

मुख्य आरोपी यूपी का- एसपी : एसपी कुमार गौरव ने बताया कि इस मामले के लिए सुलझाने के लिए एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी की अगुवाई में टास्क फोर्स का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने पेशेवर तरीके से जांच करते हुए तकनीकी मदद से इस मामले में मुख्य आरोपी मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मनीष यूपी का रहने वाला है।

बीते कुछ महीने से राजमहल में रहकर काम कर रहा था। जिस परिवार के सदस्यों पर एसिड अटैक हुआ है,

गोड्डा के बाद चतरा में भी बदल सकता है महागठबंधन के प्रत्याशी का चेहरा

रांची, एजेंसी। गोड्डा के बाद चतरा में भी महागठबंधन के प्रत्याशी का चेहरा बदल सकता है। गोड्डा में महागठबंधन ने पहले विधायक दीपिका पांडेय सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया था, एक दिन पहले ही दीपिका पांडेय सिंह का नाम कट गया और गोड्डा के नए प्रत्याशी के रूप में विधायक प्रदीप यादव को उतार दिया गया। इसी तरह चतरा में महागठबंधन के प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी को चुनाव मैदान में उतारा गया है, जिसका राजद चतरा जिला के नेता विरोध कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के भी कुछ नेता केएन त्रिपाठी को चतरा लोकसभा सीट के प्रत्याशी के रूप में पचा नहीं पा रहे हैं। महागठबंधन में राजद झारखंड की दो लोकसभा सीटों पर अपनी दावेदारी करता रहा। एक सीट पलामू है, जो राजद के पाले में आई और इस पार्टी ने वहां से अपने प्रत्याशी के रूप में ममता भुइयां को उतारा।

चतरा सीट पर राजद अड़ा रहा, लेकिन अंतिम समय में कांग्रेस ने इस सीट पर केएन त्रिपाठी को उतारकर राजद की दावेदारी समाप्त कर दी। एक दिन पहले रांची में उलगुलान रैली में राजद के कार्यकर्ताओं के गुस्से और राजद तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हुई मारपीट की एक वजह यह भी थी।

उलगुलान महारैली में राजद-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच खूनी संघर्ष के पीछे चतरा सीट के प्रत्याशी का मुद्दा ही रहा। राजद के कार्यकर्ता पहले तो चतरा सीट खोने से गुस्साए थे, अब उस सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में केएन त्रिपाठी को उतारे जाने से से भी खफा हैं। वे महारैली में बाहरी भगाओ, चतरा बचाओ का बैनर लेकर पहुंचे थे। उन्होंने महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से यह मांग कर रखी है कि चतरा से किसी भी प्रत्याशी को उतारें, वह उस क्षेत्र का स्थानीय हो ओर पिछड़ी जाति से हो। चतरा राजद के नेताओं ने अपनी इस इच्छा को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा दिया है।

तीन दशकों में बंगाल की खाड़ी का उदय 30% अधिकः विश्व मौसम विज्ञान संगठन

कोलकाता,एजेन्सी। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें दिखाया गया कि पिछले तीन दशकों में वैश्विक औसत की तुलना में बंगाल की खाड़ी का समुद्र स्तर लगभग 30 प्रतिशत अधिक बढ़ गया है। द स्टेट ऑफ द क्लाइमेट इन एशिया 2023 शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ उत्तरी राज्यों के साथ-साथ बंगाल और आसपास के क्षेत्रों में तापमान में वृद्धि देश में सबसे अधिक थी।

निष्कर्षों के अनुसार, 2023 में एशिया दुनिया का सबसे अधिक आपदा-प्रवण क्षेत्र था, जिसमें बाढ़ के कारण सबसे अधिक जनहानि और आर्थिक नुकसान हुआ और गर्मी की लहरों का प्रभाव और अधिक गंभीर हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) में मौसम विज्ञान के महानिदेशक और डब्लूएमओ के उपाध्यक्ष मृत्युंजय महापात्र ने बंगाल की जलवायु भेद्यता के बारे में पूछे जाने पर द टेलीग्राफ को बताया, डब्ल्यूएमओ के निष्कर्ष सब कुछ कहते हैं, मेरे पास जोड़ने के लिए कुछ भी नहीं है। विशेष रूप से और सामान्य रूप से भारत के।

भारत में, अप्रैल और जून में भीषण गर्मी की वजह से हीटस्ट्रोक के कारण लगभग 110 मौतें हुईं। अप्रैल और मई में एक बड़ी और लंबे समय तक चलने वाली गर्मी की लहर ने दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्से को प्रभावित किया, जो पश्चिम में बांग्लादेश और पूर्वी भारत तक फैल गया... रिकॉर्ड तोड़ तापमान के साथ, रिपोर्ट पढ़ें।

रिपोर्ट को करीब से देखने पर पता चलता है कि 1991-2020 के औसत की तुलना में 2023 में औसत तापमान पूर्वी भारत में 0.5 से 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, खासकर पूरे बंगाल और झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में; और उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और पंजाब जैसे उत्तरी राज्यों में; इस अवधि के दौरान वैश्विक तापमान वृद्धि के लगभग अनुरूप।

वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है, 2023 में एशिया में सतह के निकट का वार्षिक औसत तापमान रिकॉर्ड में दूसरा सबसे अधिक, 0.91 डिग्री सेल्सियस था... जो 1991-2020 के औसत से ऊपर था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित नवीनतम आकलन रिपोर्ट 6 से पता चलता है कि यदि वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को जल्द से जल्द नियंत्रित नहीं किया गया तो दक्षिण बंगाल के अधिकांश शहरों में 2081-2100 तक अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब होने की संभावना है।

जनवरी 1993 से मई 2023 की अवधि के दौरान उपग्रह माप के माध्यम से गणना की गई कि बंगाल की खाड़ी में समुद्र के स्तर में प्रति वर्ष 4.44 मिमी की वृद्धि हुई - इस अवधि के दौरान 3.4 मिमी के वैश्विक औसत से लगभग 30 प्रतिशत अधिक - और पश्चिमी के बाद केवल दूसरा उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में प्रति वर्ष 4.53 मिमी की वृद्धि हुई।

केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद को सूचित किया था कि डायमंड हार्बर के पास सुंदरबन तट पर देश में समुद्र के स्तर में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। समुद्र विज्ञानी और सुगाता हाजरा ने कहा, आंकड़े मोटे तौर पर हमारी खोज से मेल खाते हैं, लेकिन कई कारक अक्सर समुद्र के स्तर में सापेक्ष वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करते हैं - घटती भूमि की तुलना में जल स्तर में वृद्धि - अक्सर सुंदरबन में लगभग 12 मिमी तक। एक सुंदरबन विशेषज्ञ. वैश्विक जलवायु विशेषज्ञ हरजीत सिंह ने पूछा, अगर दुबई, एक अद्भुत ढांचागत शहर, आपदाओं से निपटने के लिए संघर्ष करता है, जैसा कि हमने हाल ही में पाया है, तो हम सुंदरबन में गरीबों और अल्प-तैयार लोगों से जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का सामना करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। सिंह ने कहा कि डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट को असहाय सुंदरबन समुदाय को पहले ही हो चुके नुकसान और क्षति की भरपाई के लिए वित्तीय और अन्य सहायता आयोजित करने के लिए एक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पिता के साथ अभिनेत्री नेहा शर्मा ने किया रोड़ शो

भागलपुर//बिहपुर, एजेंसी। बिहपुर विधानसभा क्षेत्र में अभिनेत्री नेहा शर्मा ने महागठबंधन प्रत्याशी पिता अजीत शर्मा के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो मड़वा ब्रजलेश्वर धाम से बिहपुर बाजार, सोनवर्षा बभनगामा, अमरपुर, गौरीपुर, तेलगी से तेतरी दुर्गा मंदिर पहुंचा। यहां पूजा पाठ किया। इस दौरान महागंठबंधन के भारी संख्या में महागठबंधन के कार्यकर्ता भी शामिल थे। वहीं नेहा शर्मा सभी का अभिनंदन कर रही थीं।

गुहाल बनाने के विवाद में वृद्धा से मारपीट, मौत

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। रंगरा थाने के प्यारे लाल दास टोला में जमीन विवाद के दौरान गुहाल बनाने को लेकर महिला से मारपीट के बाद उसकी मौत हो गयी। परिजनों ने महिला की पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक महिला 65 वर्षीय उषा देवी पति स्व. विद्यानन्द यादव के छाती के मुक्के से मारने के दौरान सास नली टूटने से मृत्यु होने की बात बताई जा रही है। घटना की सूचना पर रंगरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शाम को अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मृतक महिला के पौत्र ने बताया कि घर की जमीन पर मेरे बड़े पापा शशिभूषण यादव गुहाल बना रहे थे। इसी दौरान आर्मी जवान सोनू यादव पिता अखिलेश यादव और ललन यादव पिता स्व. सचिदानंद यादव गुहाल बनाने से रोकने लगा। विवाद होने पर वे दोनों मारपीट करने लगे। दादी बचाने आयी तो दोनों ने दादी के सीने में मुक्का से मारने लगे, जिससे वह जमीन पर गिर गयी और उसकी मौत हो गयी। ललन यादव रंगरा थाने में चौकीदार है। घटना शाम की बतायी गयी है। मृतक महिला को तीन पुत्र शशिभूषण यादव, फुदो यादव व पवन यादव है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। रंगरा थानाध्यक्ष राजाराम सिंह ने बताया कि दोनों के बीच जमीन का विवाद चल रहा है। शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। एसपी पूरण झा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उषा देवी की मृत्यु सीने में दर्द के कारण हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में मृतका और पड़ोसी के बीच विवाद में झड़प हुई और उसके कुछ घंटे बाद उषा देवी की मृत्यु हो गयी।

सड़क दुर्घटना में खलासी की मौत, चालक रेफर

भागलपुर/बिहपुर, एजेंसी। मंगलवार को तड़के करीब तीन बजे बिहपुर प्रखंड के झंडापुर थाना क्षेत्र के दयालपुर चौक के पास एनएच-31 पर ट्रक और तेल टैंकर की आमने-सामने टक्कर हो गयी। इसमें टैंकर के खलासी की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल है। उसकी स्थिति गंभीर देख बिहपुर सीएचसी के डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। तेल टैंकर के मृतक खलासी की पहचान बेगूसराय जिले के देवना निवासी मोनू खान और घायल चालक की पहचान बेगूसराय जिले के बरौनी थाना क्षेत्र के पपरौल वार्ड नंबर 11 के मौलानाबाद निवासी अनवर के रूप में हुई है। झंडापुर पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दी। खलासी के परिजन झंडापुर और चालक के परिजन मायागंज पहुंचें। खलासी के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार टाइल्स लदा ट्रक राजस्थान से भागलपुर जा रहा था। वहीं टैंकलारी खगड़िया की ओर जा रहा था। भिड़ंत के बाद ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के चालक और खलासी को हल्की चोट लगी है।

नीतीश जी मुझे चाशनी में भरे शब्द आये न आये गरीबों के दर्द को अच्छे से समझती हूं- बीमा भारती

पूर्णिया , एजेंसी। पूर्णिया में जेडीयू प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के समर्थन में रैली करने पहुंचे सीएम नीतीश के आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती पर की गई टिप्पणी पर खुद बीमा ने पहला रिएक्शन दिया है। बीमा ने सीएम नीतीश पर राजनीतिक तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। और कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे आपने ठगा नहीं।

बीमा भारती ने ट्वीट करते हुए कहा नीतीश जी मुझे चाशनी में भरे शब्द आये न आये। गरीबों के दर्द को अच्छे से समझती हूं, और उसी दर्द को लालू जी भी जानते हैं। प्रथम बार निर्दलीय जीती थी। उसके बाद राजद से विधायक रहीं। आपने अतिपिछड़ा वोट के लिए मेरा और मेरे पति का राजनीतिक रूप से प्रयोग किया। बीमा ने आगे कहा कि लालूजी ने मुझे सांसदी का मौका दिया। 5 बार के स्रुसे आपको क्या जलन है? आपने अपने एक स्थानीय खास के चलते मुझे और मेरे परिवार को प्रताड़ित करवाया। हमको राजनीति आप क्या सीखाइएगा? हम पहली बार एमएलए निर्दलीय बने। आपको जरूरत थी इसीलिए आपने मुझे जोड़ा। ऐसा कोई सगा नहीं जिसको आपने ठगा नहीं आपको बाद दें सीएम नीतीश ने पूर्णिया से राजद प्रत्याशी बीमा भारती के बारे में कहा था कि चली गई, अच्छा हुआ। कहती थीं फिर से मंत्री बनाइए, नहीं बनाये तो चलीं गईं। हमने उन्हें विधायक बनाया, कैबिनेट में भी शामिल किया। वह जिद पर अड़ी थी कि मुझे मंत्री बना दीजिये। मना कर दिए तो सबकुछ भूलकर इधर से उधर चली गयी। पूर्णिया लोकसभा सीट पर पप्पू यादव के चुनाव लड़ने से त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। जेडीयू से संतोष कुशवाहा, आरजेडी से बीमा भरती और पप्पू यादव निर्दलीय प्रत्याशी को तौर पर चुनावी मैदान में हैं।

लोकसभा चुनाव को लेकर 17 सभाओं की अनुमतिन्दरभंगा में राजद 12, भाजपा 3, लोजपा 2 सभा करेगी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले में अलग अलग राजनीतिक दलों ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपने प्रमुख नेता व स्थानीय नेताओं के चुनावी सभा आयोजन को लेकर अनुमति ले रहे हैं। सभा कोषांग की रिपोर्ट के अनुसार अभी तक 17 सभाओं की अनुमति ली गई है। जिसमें राजद की ओर से 12, भाजपा की ओर से तीन और लोजपा की ओर से दो सभा करने की अनुमति मांगी गई है। जिन्हें मंजूरी दे दी गई है। कोषांग में कार्य करने वाले कर्मी ने बताया कि सभा के लिए आवेदन के साथ जिस जगह पर करना होता है। अगर वह जगह किसी निजी व्यक्ति का है तो उनसे सहमति पत्र लेना अनिवार्य है। इसी प्रकार सभा किसी स्कूल या महाविद्यालय परिसर में करनी है तो उस स्कूल व महाविद्यालय के प्रधानाध्यापक की अनुमित अनिवार्य है। उसके बाद जिला प्रशासन की ओर से सभा में पुलिस बल, बिजली और सीओ की स्वीकृति पत्र दिया जाता है। सभा की अनुमति आवेदन मिलने के 48 घंटे में दे दी जाती है।

पुलिस लिखी वाहन से कुचल कर बच्ची की मौत, समस्तीपुर के उजियापुर एनएच 28 पर हादसा

लोगों ने सड़क किया जाम

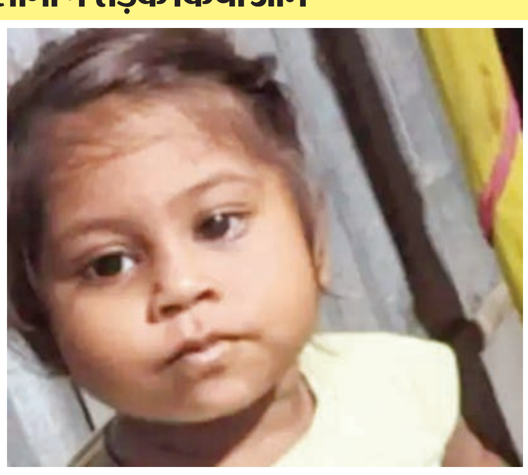

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के उजियारपुर थाने के एनएच28 पर चांदचौर गांव के पास मंगलवार रात सड़क किनारे मां के साथ खड़ी बच्ची को पुलिस लिखी वाहन ने कुचल डाला। जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस लिखी वाहन दलसिंहसराय की ओर फरार हो गई। उधर, घटना की सूचना पर उजियारपुर पुलिस ने शव को जब्त कर देर रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतक बच्ची की पहचान इसी थाने के चांदचौर नया टोल वार्ड एक मोहल्ला के राकेश कुमार सिंह की पुत्री सोनाक्षी कुमारी (4वर्ष) के रूप में की गई। घटना के संबंध में राकेश सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी रानी कुमारी के साथ उनकी चार साल की पुत्री सोनाक्षी सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान मुसरीघरारी की ओर से एक पुलिस लिखी वाहन स्कार्पियों को ओवर टेक करने के प्रयास में सड़क किनारे खड़ी उनकी बच्ची को अपने चपेट में ले लिया। जिससे कुचल कर उसकी मौत हो गई। हालांकि इस घटना में उसकी मां बाल-बाल बच गई।

कुछ देर के लिए लोगों ने किया सड़क जाम

उधर इस घटना के विरोध में कुछ देर के लिए लोगों ने एनएच 28 को जाम कर दिया। जिससे रात में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में मौके पर पहुंची उजियारपुर पुलिस ने लोगों को समझा बूझा कर मामला शांत कराया। पुलिस पदाधिकारी ने चांदचौर चौक पर लगी सीसीटीबी कैमरा को खंगाला तो देखा की पुलिस लिखी वाहन से ही हादसा हुआ है। हालांकि पुलिस वाहन कहां का है इसके बारे में पता नहीं चल सका है। चुकी नंबर कैमरा में स्पष्ट नहीं आ पा रहा था।

क्या कहती है पुलिस

उजियारपुर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि घटना को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौतन्मकई का खेत में पानी पटाने गए थे, टूटे तार के चपेट में आने से हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव में मंगलवार को विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव निवासी स्व.नागर पासवान के 65 वर्षीय पुत्र मणी मोहन पासवान है एवं वह पेशे से मजदूर थे।

इधर,मृतक के बेटे सुशील प्रसाद ने बताया कि वह गांव के ही गणेश सिंह का मकई का खेत मजदूरी पर पटाने गए थे । जहां खेत में पहले से 11 हजार तार टूटकर गिरा हुआ था । उस तार की चपेट में आने से एक सियार भी मर गया था। खेत पटाने के दौरान वह उसी विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गए।जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद जब गांव के एक ग्रामीण उधर गए तो उन्होंने देखा कि उन्हें वहां पर मृत अवस्था में पड़ा देखा।

जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को भी। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व चार बहन में चौथे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी गीता देवी,तीन पुत्र कृष्ण,सुशील,नारायण व दो पुत्री सोना एवं शकुंतला है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी गीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हथियार के साथ कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, घर पर छापेमारी कर पुलिस ने की कार्रवाई

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली पुलिस ने गुप्त सूचना पर रूस्तमपुर थाना अन्तर्गत सरफाबाद से कुख्यात अपराधी सोहन गोप उर्फ सोहन राय को गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान हथियार और कारतूस के साथ 2 वॉकी-टॉकी बरामद हुए हैं। पुलिस अधीक्षक हर किशोर राय के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर उक्त स्थल की घेराबन्दी कराई गई थी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी सोहन गोप उर्फ सोहन राय घर पर हथियार रखे हुए है। पुलिस को देखकर रायफल लेकर भागने लगा था, जिसे पुलिस बल ने पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधी रूस्तमपुर थाना क्षेत्र के सरफाबाद गांव निवासी स्व. चन्देश्वर राय के पुत्र है।

हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट आदि अपराधों में है आरोपी

सोहन गोप के पास से एक 315 बोर का लोडेड राइफल और एक मोबाइल भी बरामद हुआ। मिले रायफल को अनलोड करने पर 5 कारतूस बरामद हुए। बेडरूम की तलाशी लेने पर एक पीले रंग के बैग से 38 कारतूस बरामद हुए। 02 वॉकी-टॉकी, 02 फरसा और 01 तलवार भी बरामद हुआ। एसपी ने कहा कि उल्लेखनीय है कि सोहन गोप उर्फ सोहन राय वैशाली जिला का कुख्यात अपराधी रहा है। यह वर्ष 2002 से लगातार कई हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट आदि के जघन्य अपराधों में आरोपी रहा है।

मुजफ्फरपुर में दमकल विभाग की नई पहल

कंट्रोल रूप के संपर्क में होंगे दमकल कर्मी, मौके पर जल्दी पहुंचेगी गाड़ी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में इन 7 दिनों में लगभग 5 दर्जन घर जल कर राख हो गया है। गर्म हवा की वजह से आग लगी घटना बढ़ने की बात कही जा रही है। इसको लेकर जिला अग्निशमन टीम लगातार जिले शहरी इलाके और ग्रामीण इलाके में लोगों को आग से बचाव को लेकर जागरूक कर रही है।

जिला अग्निशमन अब आगलगी की घटना स्थल पर कम से कम समय दमकल की टीम को पहुंचाने की कोशिश में जुट गई है। इसको लेकर अग्निशमन अधिकारी ने एक लिस्ट तैयार की है। इसमें दमकल गाड़ी पर तैनात कर्मी का संपर्क नंबर लिखा हुआ। किसी इलाके में आग लगी की घटना घटने पर उस इलाके में तैनात दमकल गाड़ी के कर्मी को फोन पर सूचना दी जायेगी ।जिसके बाद तैयार टीम मौके पर कम समय में आग पर काबू पाने की कोशिश करेगी।

कम समय में पहुंचेगी टीम

जिला अग्निशमन विभाग के समादेष्टा त्रिलोक नाथ झा ने बताया लागातार आगलगी घटना को देखते हुए हमलोग ने एक नई पहल शुरू की है । जहां पहले आग की सूचना जिला कोट्रोल रूम मिला था ।फिर इलाके के थाने सूचना दी जाती थी। उसके बाद थाना अग्निशमन टीम सूचना देती। जिसके बाद टीम घटना स्थल के लिए निकलती थी।इस समय कम से कम पांच मिनट समय लगा जाता था। इतने देर आग काफी फैल जाती थी।अब हमलोग सभी दमकल गाड़ी पर तैनात कर्मी फोन नंबर एक लिस्ट बनकर रखे हुए। जिस इलाके से आग की सूचना मिलती है।वहा पर तैनात कर्मी फोन के मध्य से सूचना दे दी जाएगी।

खाने के लिए पैसे मांगे, जंजीर और रस्सी से बांधकर पीटा

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ जिले के बेला थाना क्षेत्र के चांदी राजवाड़ा गांव में मंदबुद्धि युवक से दरिंदगी का मामला सामने आया है। महज खाने के लिए पैसा मांगने पर कुछ लोगों ने एक मंद बुद्धि युवक को सिर्फ बेरहमी से पीटा ही नहीं, बाइक के गर्म साइलेंसर में मुंह सटाकर जलाया भी। इससे भी जी नहीं भरा तो हाथ-पैर रस्सी और जंजीर से बांधकर लाठियां बरसाईं और मरा समझकर उसे छोड़कर फरार हो गए। युवक की पहचान चांदी राजवाड़ा गांव निवासी मोतिउर्र रहमान के 40 वर्षीय पुत्र रियाज अहमद उर्फ गुलेश के रूप में की गई है।

युवक को स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया है। यहां उसकी हालत नाजुक बनी है। बताया गया है कि पिटाई करने के बाद आरोपी उसे किसी चारपहिया वाहन अन्य जगह भी ले गए। वहां भी उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने बना लिया।

बाबुल ने समर्थकों को बुलवाकर कराई पिटाई : युवक के पड़ोसी खुर्शीद आलम ने बताया कि चांदी राजवाड़ा निवासी मोतिउर्र रहमान का पुत्र रियाज अहमद उर्फ गुलेश मंद बुद्धि है। परिहार के भिसवा बाजार के पास रियाज ने परसा निवासी पशु व्यवसायी बाबुल से रास्ते में खाना के लिए पैसे की मांग की थी। पशु व्यवसायी बाबुल ने उसे डांटना शुरू कर दिया। रियाज ने विरोध किया। बात बढ़ने पर बाबुल और रियाज में हाथापाई हो गई। तब बाबुल वहां से पशुओं को लेकर चला गया। पर, बाद में अपने समर्थकों को बुलाकर आया और रियाज को पकड़ लिया। इन लोगों ने लाठी-डंडे से उसे पीटना शुरू कर दिया। पूरे मामले में तीन वीडियो क्लिप सामने आया है।

एसपी बोले- वीडियो के आधार पर की जा रही पहचान : सीतामढ़ी एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले को लेकर बेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वीडियो क्लिप से आरोपियों की पहचान की जा रही है। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी : थानाध्यक्ष रामाशंकर कुमार ने कहा कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। युवक के छोटे भाई मो. शकील के आवेदन पर बेला थाने में परसा के पशु व्यवसायी बाबुल, चांदी राजवाड़ा के बकाउल्ला समेत अन्य को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

सन्नी हजारी के शांभवी चौधरी को देंगे टक्कर

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार सनी हजारी लोक सभा का चुनाव प्रत्याशी बनाए गए हैं। उनके पास 40 हजार व पत्नी के पास 28 हजार रुपए हैं। हालांकि उनके एसबीआई शाखा में 2.19 लाख रुपए व पत्नी के खाते में 1.14 लाख रुपए हैं। उनके पास दो लाख की एलआईसी पॉलिसी भी है। जिला निर्वाची पदाधिकारी के सामने पेश किए गए शपथ पत्र में उन्होंने कहा है कि वह एनआईटी पटना से बी टेक किया है। 33 वर्षीय सनी हजारी के पास 12 लाख का गहना है जबकि पत्नी के पास 18 लाख का गहना है। इसके पास कुल चल संपत्ति 63 लाख 58 हजार 185 रुपए है। जबकि पत्नी के पास 19 लाख 80 हजार 710 रुपए की संपत्ति है।

42 लाख की है गाड़ी: सनी हजारी के पास 42 लाख का चार चक्का वाहन है। इसके लिए उन्होंने एक्सिस बैंक से 16.75 लाख रुपए का लोन ले रखा है। वह परिवार के साथ पुस्तैनी पुराने मकान में ही रहते हैं। विरासत में संपत्ति नहीं मिली। कृषि व्यवसाय व जनप्रतिनिधि भत्ता से इनका जीवन यापन चलता है।

नहीं है कोई आपराधिक मुकदमा : सनी हजारी बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी के पुत्र है। इनपर अबतक कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है।

झारखंड हाई कोर्ट ने डीटीओ-एसएसपी से रांची में अवैध रूप से चल रहे डीजल ऑटो-टोटो का मांगा ब्यौरा

रांची – झारखंड हाई कोर्ट में जनवरी 2022 में राजधानी के बिरसा चौक पर ऑटो से महिला की हुई मौत मामले में दाखिल शिव शंकर शर्मा की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। कोर्ट ने मामले में ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी को प्रतिवादी बनाया है। कोर्ट ने उनसे पूछा कि रांची शहर में जो डीजल ऑटो और टोटो चल रहे हैं उनके पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, फिटनेस आदि की जांच के लिए क्या कार्रवाई हुई? ऑटो और टोटो चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच के लिए क्या

कार्रवाई की जाती है। कोर्ट ने इन सारे बिंदुओं पर तीन सप्ताह में ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी से जवाब मांगा है।

कोर्ट ने डीटीओ रांची एवं एसएसपी रांची को भी शपथ पत्र दाखिल कर शहर में अवैध रूप से चलने वाले डीजल ऑटो एवं टोटो के संबंध में जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सरकार के अधिवक्ता श्रीनू गणपती को फटकार लगाते हुए मौखिक कहा कि कोर्ट अभी तुरंत आपके साथ चलकर रांची शहर में बगैर ड्राइविंग लाइसेंस वाले चालक को डीजल ऑटो एवं टोटो को चलाते हुए दिखा सकती है। कोर्ट ने कहा कि रांची शहर में छोटे-छोटे बच्चे डीजल ऑटो और टोटो चलाते हैं। वे अचानक कहीं भी गाड़ी को मोड़ देते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना होती है। इनके पास कोई ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं होता है। कोर्ट ने मामले में डीएसपी ट्रैफिक द्वारा दाखिल शपथ पत्र पर असंतुष्टि जताई। साथ ही कहा कि शपथ पत्र में दी गई बातें हवा हवाई नहीं होनी चाहिए। धरातल पर ट्रैफिक सुधार के लिए काम हो रहा है यह दिखना चाहिए।

आर्म्स एक्ट के एक मामले में साक्ष्य के अभाव में जयनाथ साहू बरी

रांची – ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट मान्या टंडन की अदालत ने बुधवार को कुख्यात अपराधी जयनाथ साहू को आर्म्स एक्ट के मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। यह मामला 25 वर्ष पुराना है, जिसमें रांची के लापुंग थाना में वर्ष 1999 में जयनाथ साहू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पिछले वर्ष ही जयनाथ साहू ने रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था। जब उसने सरेंडर किया था, तब उसके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। पिछले एक वर्ष में साहू को कई मामलों में साक्ष्य के अभाव में रिहा किया जा चुका है।

निःशुल्क हृदय रोग संबंधी जांच शिविर 26 अप्रैल को लगेगा

रांची – सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल गांधीनगर में 26 अप्रैल को हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन होगा। शिविर सुबह 9 बजे से शुरू होगी। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों की जांच और चिकित्सीय सलाह देंगे। इस निःशुल्क हृदय संबंधित चिकित्सीय सलाह का राज्य के लोग लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने इलाज की रिपोर्ट के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाएं। सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी के निर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों और हितधारकों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा समय-समय पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक इलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

रांची – जिले के खरसीदाग ओपी क्षेत्र के रिंगरोड स्थित डहुटोली में मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। मृतक की पहचान सुजीत गंझू (18) और संदीप गंझू (17) के रूप में हुई है। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंती और दोनों को अस्पताल ले गये। लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।पुलिस ने शव को बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक भी जब्त कर ली। बताया जाता है कि सुजीत और संदीप बाइक से रिंगरोड होते हुए अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान डहुटोली में अज्ञात वाहन की अपनी चपेट में आकर दोनों की जान चली गयी। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुजीत मजदूरी करता था और संदीप 10वीं का छात्र था। ग्रामीणों के अनुसार गांव में लड़की की शादी थी। दोनों कुछ सामान लेने गये थे। वहां से लौटने के दौरान यह हादसा हो गया।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा

रांची – रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन सतर्क के तहत शराब के साथ एक आरोपित जीवन साह को गिरफ्तार किया है। आरोपित बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। इसके बैग से 12 शराब की बोतल बरामद की गई है। बुधवार को आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्टेशन चेकिंग दौरान एक संदिग्ध भारी बैग के साथ रांची स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या दो पर टहलते मिला। जांच करने पर उसके बैग से शराब बरामद किया गया। बरामद शराब की कीमत 8000 आंकी गई है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि शराब को बिहार ले जाकर अधिक दाम में बेचने का काम करता है । इसके बाद सहायक उपनिरीक्षक रवि शेखर शराब के साथ आरोपित को गिरफ्तार किया।

रांची में नाबालिग को कुल्हाड़ी से मारकर जख्मी करने का आरोपित भेजा गया जेल

रांची – राजधानी के कांके थाना क्षेत्र में नौ साल के नाबालिग को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से जख्मी करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपित विजय लोहार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नाबालिग को रिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग पर उसके पड़ोसी विजय लोहार ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से कई वार किया। इस हमले में नाबालिग गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना मंगलवार रात की है। कांके थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने बताया कि बच्चे के पिता के साथ आरोपित विजय लोहार का कई वर्षों से कुछ बातों को लेकर विवाद चल रहा था। विजय लोहार शराब के नशे में धुत होकर नाबालिग के पिता को जान से मारने के लिए हाथ में कुल्हाड़ी लेकर गया था लेकिन वह घर में नहीं थे। नशे में विजय ने नाबालिग पर ही हमला कर दिया। पुलिस में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आतंकी फैजान अंसारी की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई पूरी, फैसला तीन को

रांची – एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत में बुधवार को लोहरदगा से गिरफ्तार आतंकी संगठन आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी फैजान अंसारी उर्फ फैज की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत तीन मई को फैसला सुनाएगा। आरोपित ने मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए 20 मार्च को डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की थी। अदालत आरोपित की जमानत याचिका पिछले सप्ताह खारिज कर चुका है। एनआईए ने उसे 19 जुलाई, 2023 को गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में है। उस पर आतंकी संगठन आईएसआईएस के विदेशी संचालकों के संपर्क में रहने और भारत में हिंसक कार्रवाई की योजना बनाने का आरोप है।

वन क्षेत्र स्थित मतदान केंद्रों के आसपास सतर्क रहें वनरक्षी : रवि कुमार

रांची – राज्य के वन क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों पर सुगम ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चिह्नित वन क्षेत्र के मतदान केंद्रों के आसपास मतदान दिवस के दिन मानव एवं वन्यजीव टकराव को रोकने का भरसक प्रयास करें। इसके लिए संबंधित मतदान केंद्र के आसपास के निवासियों को भी सचेत करें कि किसी अनहोनी की संभावना नहीं बने और सुगमता से लोग अपने मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

रवि कुमार ने कहा कि समय रहते स्थिति का आकलन कर संबंधित जिला निर्वाचन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल के साथ वन क्षेत्रों में मादक पदार्थों और शराब इत्यादि की आवाजाही पर रोक लगाएं। साथ ही दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इस दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह एवं डॉ. नेहा अरोड़ा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एन के सिंह, मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी एसआर नटेश, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देवदास दत्ता, सिस्टम एनालिस्ट सैयद नासिर जमील सहित निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं राज्य के सभी जिलों के वन प्रमंडल पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

रांची में कृषि पाठ्यक्रम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

रांची – राज्य के 30 सरकारी स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हो रहे कृषि पाठ्यक्रम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला की बुधवार को रांची के झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में शुरुआत हुई। इस दो दिवसीय कार्यशाला में छह बुनियादी विद्यालय, 24 नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं ग्राम शिक्षा समिति के सदस्य शामिल हो रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य स्कूली शिक्षा में कृषि के महत्त्व और कृषि क्षेत्र की व्यावहारिकताओं की व्यापकता का विस्तार करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। कार्यशाला का नेतृत्व रामकृष्ण मिशन के संन्यासी सशाकानंद महाराज ने किया। कार्यशाला का संचालन जेसीईआरटी के प्रशासनिक उप निदेशक महीप सिंह, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के रिटायर्ड निदेशक आरपी सिंह रतन, गढ़वा कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. अशोक कुमार, व्यावसायिक शिक्षा के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी स्वप्निल कुजूर ने किया।

एकाउंटेंट हत्याकांड के मुख्य आरोपित सहित नौ पर आरोप गठित

रांची – अपर न्यायायुक्त मनोज चंद्र झा की अदालत में बुधवार को बिल्डर सह जमीन कारोबारी कमल भूषण के एकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या के मुख्य आरोपित राहुल कुजूर सहित नौ आरोपितों पर बुधवार को आरोप गठित किया गया। अदालत में आरोप गठन के दौरान आरोपितों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया। अदालत ने आरोपितों पर लगे आरोप को पढ़कर सुनाया।

आरोपितों ने लगे आरोप को निराधार बताया। सभी ने कहा कि मामले में वह निर्दोष हैं। मामले में वह आगे ट्रायल फेस करना चाहते हैं। अदालत ने राहुल कुजूर, उसके पिता डब्लू कुजूर, उसकी मां सुशीला कुजूर, आशीष कुजूर, आकाश कुमार वर्मा उर्फ बालकटी, संदीप कुमार प्रसाद उर्फ धबुश, साहिल बाड़ा, सोनू कुमार उर्फ सोनू यादव और विवेक कुमार शर्मा उर्फ गुड्डू पर आरोप गठित किया। इसके बाद अदालत ने अभियोजन पक्ष को मामले में गवाही प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके लिए अदालत ने 20 मई की अगली तिथि निर्धारित की है।

इस हत्याकांड में कमल भूषण की बेटी सह राहुल कुजूर की पत्नी यामिनी कुमारी और मुख्य शूटर रोहित सिंह भी आरोपित हैं। दोनों जेल में है। दोनों पर अगले महीने आरोप तय किये जाने की संभावना है।

बिल्डर सह जमीन कारोबारी कमल भूषण की हत्या के बाद एकाउंटेंट संजय कुमार ही उनका सारा कारोबार देख रहा था। पांच जुलाई, 2023 को रातू रोड के काली मंदिर लेन में अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। घटनास्थल से संजय का घर मात्र 200 मीटर की दूरी पर था। घटना को लेकर सुखदेव नगर थाने में कांड संख्या 238/2022 दर्ज की गई थी।

SBI कार्ड ने ट्रैवेल के शौकीन लोगों के लिए %SBI कार्ड MILES% लॉन्च किया

रांची – भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड इश्यूअर SBI कार्ड ने ट्रैवेल पर आधारित अपने पहले ट्रैवेल-फ़ोकस कोर क्रेडिट कार्ड, %SBI MILES% के तीन वैरिएंट मुंबई में लॉन्च किए हैं। इस कार्ड का उद्देश्य हर तरह के यात्री के लिए भरपूर यात्रा लाभ मुहैया करवाना है, फिर चाहे वे सफ़र करने की चाह रखने वाले हों, लगातार उड़ान भरने वाले हों या फिर यात्रा करने के शौकीन हों। %SBI कार्ड MILES% आकर्षक फ़ीचर्स का ऑफ़र देता है जिनमें ट्रैवल क्रेडिट को एयर माइल्स और होटल पॉइंट्स में बदलने के साथ-साथ हर ट्रैवेल बुकिंग पर ऐक्सेलरेटेड रिवॉर्ड और एयरपोर्ट लाउंज ऐक्सेस शामिल हैं। यह कार्ड रीडेम्पशन के पूर्ण विकल्प के साथ कार्डहोल्डर्स को सशक्त बनाते हुए एयर विस्तारा, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, एयर फ़्रांस-चरू, एतिहाद एयरवेज़, एयर कनाडा, थाई एयरवेज़, क्वांटास एयरवेज़, ढ्ढ्रञ्ज होटल, ढ्ढ॥त्र होटल और रिज़ॉर्ट्स सहित 20 से ज़्यादा एयरलाइन और होटल ब्रैंड्स के साथ पार्टनर हैं, जिनमें ऐकॉर भी शामिल है।

महाराजा अग्रसेन भवन मे श्री हनुमान जयंती महोत्सव का हुआ आयोजन

रांची – श्री हनुमान जयंती के जन्मोत्सव के अवसर पर महाराजा अग्रसेन भवन मे रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल के सौजन्य से हनुमान जयंती महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। श्री हनुमान महोत्सव के पावन अवसर पर श्री हनुमान जी का अलौकिक नयनाभिराम श्रृंगार, अखंड ज्योत, सवामणि भोग, भजन कीर्तन, महाआरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य यजमान अंशुमान अग्रवाल सपत्नीक शैलवी जैन के साथ गणेश पूजन के साथ पूरे विधि विधान से पूजन कर पवन अखंड ज्योत प्रज्वलित कर सवामणि भोग का प्रसाद लगाया गया। वीर बजरंगबली को विभिन्न प्रकार के मेवा, मिष्ठान, फल, लड्डू आदि का भोग अर्पित किया गया। वीर हनुमान के जयकारों के बीच भक्तगण वीर बजरंगबली का दर्शन कर मंगलमय जीवन की कामना कर रहे थे। तथा भक्तों ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। तत्पश्चात श्री हनुमान मंडल रांची द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ कर भजनों की अमृत वर्षा की गई। पूरा दरबार भक्तिमय एवं हनुमानमय से गूंजायमान रहा। भजन गायक मनीष सोनी, श्रवण अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, निर्मल बुधिया ने अपने सुर मधुर भजनों के गंगा प्रवाहित कर श्री हनुमान जी के श्रीचरणों मे भजनों की लड़ी लगा दी।

झारखंड हाई कोर्ट ने विनोबा भावे विवि के वीसी और रजिस्ट्रार को जवाब के लिए दिया एक और मौका

रांची – झारखंड हाई कोर्ट की ओर से प्रमोशन के एक मामले में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर (वीसी) और रजिस्टर को दिये गये शोकॉज का जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। मामले में हाई कोर्ट ने बुधवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वीसी और रजिस्टर को जवाब दाखिल करने के लिए एक और मौका दिया है।

कोर्ट ने इन दोनों के अलावा जेपीएससी के सचिव से पूछा है कि याचिकाकर्ता को जो प्रमोशन मिलना है उसे अबतक क्यों नहीं दिया गया? कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उसे दिये जाने वाले प्रमोशन जल्द देने का निर्देश देते हुए मौखिक कहा कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वीसी और रजिस्ट्रार पर कड़ी कार्रवाई भी संभव है। इससे पहले सुनवाई के दौरान विनोबा भावे विश्वविद्यालय की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उसने याचिकाकर्ता के प्रमोशन से संबंधित दस्तावेज जेपीएससी को भेज दिया है। जेपीएससी की ओर से कहा गया कि उसे अब तक दस्तावेज नहीं मिले हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रोहित रंजन सिन्हा ने पैरवी की।

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में विनोबा भावे वीसी और रजिस्ट्रार को दिये गये शोकॉज पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए पूछा था कि याचिकाकर्ता के पक्ष में प्रोन्नति देने संबंध में जेपीएससी से सहमति मिलने के बाद भी अदालत के समक्ष शपथ पत्र में कार्य को छुपा कर शपथ पत्र क्यों दाखिल किया गया?

उल्लेखनीय है कि डॉ पवन कुमार सिंह विनोबा भावे विश्वविद्यालय के तहत मार्खम कॉलेज, हजारीबाग में पदस्थापित हैं। उन्होंने लेक्चरर सीनियर स्केल एवं रीडर के पद पर प्रोन्नति के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने रामटहल चौधरी से लिया आशीर्वाद

रांची। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने पूर्व सांसद रामटहल चौधरी से ओरमांझी स्थित उनके आवास पर मिलकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सुश्री सहाय के पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी साथ थे। इस क्रम में सुश्री सहाय ने श्री चौधरी से संसदीय राजनीति के अनुभवों के बारे में भी जाना। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी श्री चौधरी से बेटी यशस्विनी को हर संभव सहयोग देने का आग्रह किया। गौरतलब है कि पांच बार रांची संसदीय सीट से सांसद रहे भाजपा के रामटहल चौधरी ने पिछली बार भाजपा को अलविदा कह दिया था और निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। गत दिनों श्री चौधरी ने कांग्रेस का दामन थामा। इस अवसर पर अनवर अहमद अंसारी, सुरेश बैठा, अशोक गुप्ता, शंकर गुप्ता, सुरेश साहू, तुलसी खरवार, अनीता सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड हाई कोर्ट ने बीसीसीएल के चेयरमैन से पूछा,

धनबाद में बंद पड़ी खदानों में क्यों हो रहा अवैध खनन

रांची – झारखंड हाई कोर्ट ने बीसीसीएल, धनबाद में बंद पड़ी खदानों से अवैध खनन रोकने को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को की। कोर्ट ने बीसीसीएल के चेयरमैन को शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा है कि धनबाद क्षेत्र में बंद पड़ी खदानों से अवैध माइनिंग क्यों हो रही है? इस अवैध माइनिंग में कई लोगों की जान चली जाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की गई। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2022 में बीसीसीएल धनबाद के क्षेत्र में एक ही दिन में 23 लोगों की मौत अवैध खनन के दौरान हुई थी। ऐसी दुर्घटना में मृत लोगों के परिजन शव को लेकर भाग जाते हैं। मामले को लेकर न तो प्राथमिकी दर्ज होती है और न ही अवैध खनन में मरे लोगों के परिजनों को मुआवजा मिलता है। इसकी जांच होनी चाहिए कि बंद पड़े खदानों से अवैध माइनिंग क्यों हो रही है। बीसीसीएल को बंद पड़े खदानों से माइनिंग पर रोक के लिए कोई ठोस कदम उठाना चाहिए, ताकि माइनिंग के दौरान दुर्घटना में लोगों की जान बचायी जा सके।

संक्षिप्त समाचार

झांसी-कानपुर हाईवे पर ईको कार पलटी, बरात से लौटते समय हुआ हादसा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर देहात में पुखरायां कस्बा में झांसी-कानपुर हाईवे में बरात से लौट रही ईको कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। गजनेर थाना क्षेत्र के जरैला निवासी राकेश की बरात हमीरपुर कुरारा गई हुई थी। भोर पहर भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र पुखरायां बाईपास पटेल चौक के समीप झांसी कानपुर-हाईवे में बरातियों को लेकर लौट रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

इसमें सवार गजनेर जरैला निवासी कुंवरलाल (60), घाटमपुर नंदना के रघुनाथ (40), अकबरपुर मुरीदपुर के छोटेलाल (55), जरैला के रविशंकर, अक्षांश, रचित, कार्तिक , अर्जुन, चालक अकबरपुर नसरपुर निवासी सुशील घायल हो गए। उनको इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया।

दुल्हन के लिए दुल्हे पक्ष ने नहीं निभाई ये रस्म, दुल्हा पुलिस हिरासत में

कुशीनगर , एजेंसी। कुशीनगर के अहिरौली थाना क्षेत्र के गांव मोतीपाकड़ में मंगलवार की रात आई बारात बगैर शादी के वापस लौट गई। शादी नहीं होने का कारण दुल्हे पक्ष की तरफ से दुल्हन के लिए कपड़ा, जेवर नहीं लाने के बात पर शुरू हुआ विवाद बताया जा रहा है। इस दौरान घरातियों और बरातियों में हाथापाई भी हुई, जिसके बाद बराती दूल्हे को छोड़ कर भाग गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में लेकर थाने गई है।

मोतिपाकड़ निवासी सुरेश गौड़ की पुत्री पुजा की शादी पिपरा डिबनी निवासी स्वर्गीय रामरेखा गौड़ के पुत्र हरिकृष्ण गौड़ के साथ तय हुई थी। मंगलवार को लड़का पक्ष बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचा। हिंदू रीति रिवाज के साथ विधि-विधान पूर्वक द्वारपूजा, जयमाल का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शादी से ठीक पहले डाल में कपड़ा न लाने के कारण वर पक्ष और वधू पक्ष में कहा सुनी होने लगी। बात बढ़ी तो हाथा पाई भी हो गई। इसी दौरान बाराती मौके से फरार हो गए। रात भर वधू पक्ष के लोग दुल्हे को बैठाए रखे। सूबह लड़की के पिता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अहिरौली बाजार पुलिस मौके पर पहुंचकर दुल्हे को थाने लेकर चली गई।

बिना प्रदूषण विभाग की एनओसी लिए चल रहे 250 उद्योग

गोरखपुर , एजेंसी। आमी नदी के पानी को जहरीला बनाने से बचाने के लिए सीईटीपी (कॉमन एंफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) लगाने के लिए किए गए सर्वे में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पता चला है कि आमी के किनारे करीब 300 नए उद्योग धंधे लग गए हैं, लेकिन उनमें से करीब 250 ऐसे हैं, जिन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र ही नहीं लिया है, जबकि उद्योगों के संचालन के लिए यह जरूरी है।

अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि बिजली निगम ने भी इन कंपनियों से पीसीबी की एनओसी नहीं मांगी, जबकि बिजली कनेक्शन देने से पहले यह जमा करना होता है।

गीडा क्षेत्र से होकर राप्ती नदी में मिलने वाली आमी नदी का पानी बेहद जहरीला हो गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए लड़ रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं की पहल पर इस नदी में गीडा क्षेत्र के अड़िलापार में चार एमएलडी का सीईटीपी लगाया जाना है। शासन स्तर से इसकी मंजूरी मिल चुकी है। यह मामला लंबे समय तक राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) में भी रहा है। पिछले महीने जब सीईटीपी लगाने से पहले रिवाइज एस्टीमेट के लिए सर्वे कराया गया, तब पता लगा कि यहां तो बिना पीसीबी के एनओसी के ही करीब 250 उद्योग संचालित हो रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि इन उद्योगों से आमी नदी में प्रदूषण बढ़ रहा है। हालांकि उद्योगों के संचालकों का दावा है कि उनके काम धंधों से प्रदूषण का कोई वास्ता नहीं है। इस मुद्दे पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 300 कंपनियों को नोटिस भेजा तो पता लगा कि 250 कंपनी बिना एनओसी के चलाई जा रही हैं।

पश्चिम से पूरब तक राजनीति के केंद्र में रहा है गन्ना, उद्योग ने बदली सियासत

लखनऊ , एजेंसी। गन्ना किसान राजनीति का बड़ा मुद्दा रहा है। पश्चिम से लेकर पूरब तक गन्ना राजनीति के केंद्र में रहा है। समय से भुगतान, बकाये पर ब्याज, गन्ना मूल्य और चीनी मिलों की मनमानी से उपजी नाराजगी का असर गन्ना बेल्ट की राजनीति पर साफ दिखता है। पिछले छह सालों में गन्ने से लेकर चीनी उत्पादन तक को पारदर्शी बनाने के लिए उठाए गए कदमों ने यहां की राजनीति पर भी असर डाला।

किसानों को मेहनत का सही दाम मिले और चीनी मिलें भी फायदे में चलें, इसे ध्यान में रखकर कई फैसले लिए गए। एथेनॉल इंडस्ट्री ने तो गन्ना किसानों और चीनी मिलों के लिए 'टॉनिक' का काम किया है। एथेनॉल से मिलों का मुनाफा बढ़ा। इसका परिणाम यह हुआ कि किसानों को जल्द भुगतान होने लगा। इस बीच किसानों की मांग पर 20 रुपये रेट बढ़ाए गए। मुनाफा बढ़ने की वजह से ही गन्ने का रकबा भी बढ़ गया। या यूं कहें कि पश्चिम में जैसे-जैसे गन्ना मजबूत हुआ, भाजपा भी मजबूत होती गई। गन्ना किसानों की नाराजगी सुरेश राणा को भारी पड़ी थी। वजह थी शामली में चीनी मिल का देरी से भुगतान करना। हालांकि, अब भुगतान समय से हो रहा है। आज देश में चीनी उत्पादन में यूपी ने महाराष्ट्र को पीछे छोड़ दिया है। छह साल में रिकॉर्ड 682 लाख टन से ज्यादा चीनी उत्पादन किया गया।

गन्ना बकाये को तकरीबन हर चुनाव में मुद्दा बनाया जाता रहा है। किसान आंदोलित होते थे और सरकार तरह-तरह की सफाई देती थी। वर्ष 2018 से गन्ने के पूरे अर्थशास्त्र को डिजिटल करने की शुरुआत की गई। नतीजतन सहकारी केंद्रों में गन्ना बेचने के लिए जरूरी पर्ची लेने के लिए जो मारामारी मची रहती थी, अब वह नहीं है। चीनी मिलों की घटतौली पर अंकुश लगा। किसान को केवल गन्ना पैदा करना है। मार्केटिंग यानी बेचने की जिम्मेदारी सरकार ने ले ली। एक खेत में कितना गन्ना होगा और कब बेचा जाएगा, सब कुछ एप पर ही आ रहा है। करीब 48 लाख किसान एप से जुड़े हैं। उनके पास गन्ने के उत्पादन से लेकर पैसा ट्रांसफर तक का डाटा होता है।

गन्ना चीनी के अलावा तमाम कीमती उत्पादों का जरिया है। शोध में पाया गया है कि गन्ने के 82 फीसदी हिस्से से तमाम उत्पाद और केमिकल बन सकते हैं। इससे चीनी का हिस्सा केवल 18 फीसदी रह जाएगा। इस दिशा में प्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय काम किए हैं। पिछले सात साल में एथेनॉल बनाने में सबसे ज्यादा प्रोत्साहन दिया गया। गन्ने से ब्यूटाइल एल्डिहाइड जैसे कीमती केमिकल उत्पाद बन सकते हैं।

गन्ना ऐसी फसल है, जो कटते ही सूखनी शुरू हो जाती है। जितनी जल्दी गन्ना चीनी मिल पहुंचेगा, उतना ही ज्यादा शीरा मिलेगा। ज्यादा शीरा यानी ज्यादा चीनी और ज्यादा मुनाफा। उधर, किसान का खेत भी जल्द खाली हो जाएगा और गेहूं समय से बोया जा सकेगा। जल्दी गन्ना बिकने से किसानों को 7 फीसदी वजन ज्यादा मिला।

पहले गन्ने के खेतों की नपाई और उत्पादन के अनुमान का काम मैनुअल था। 2018 के बाद इसे पूरी तरह डिजिटाइज किया गया। कागजी खेल पर लगाम कसी। हैंडहेल्ड डिवाइस की मदद से हर खेत की डिजिटल नापजोख और अनुमानित उत्पादन का डाटा तैयार हो रहा है। पहले गन्ने की तौल चीनी मिलें करती थीं। अब किसानों को अपना गन्ना केवल केंद्र तक लाना होता है। वहां डिजिटल तौल के साथ मिल में गन्ना पहुंचाने की तारीख सब मोबाइल एप में मिल जाती है। इस वजह से पहले मिलों में गन्ना बेचने के लिए पर्ची की जो मारामारी रहती थी, वह अब खत्म हो गई है।

फर्जी लेनदेन हुआ बंद

25 साल पहले पर्ची का काम सहकारी समितियों से लेकर चीनी मिलों को दिया गया। इसका जमकर दुरुपयोग हुआ। गन्ना माफिया पैदा हो गए। अब ये काम चीनी मिलों से लेकर पुनः सहकारी समितियों को दे दिया गया। इसका असर यह हुआ कि 14 लाख नए किसान सदस्य बने। इससे फर्जी लेनदेन बंद हो गए।

ब्रिटिश शासन ने 1932 में शुगर कंट्रोल एक्ट लागू किया। इसके तहत केवल लाइसेंसधारी ही चीनी मिल लगा सकते थे। इसके पीछे केवल ब्रिटिश उद्योगपति और अंग्रेजों के कृपापात्र भारतीयों को ही लाभ देने की नीति थी। एकाधिकार के दुष्परिणाम सामने आए। गन्ने का उत्पादन तो बढ़ा, पर मनमानी भी बढ़ गई। वे मनमाने दाम पर गन्ना खरीदते थे। मनमर्जी से पेमेंट करते थे। 1954 में उत्तर प्रदेश शासन ने गन्ना क्रय अधिनियम पारित किया। इसमें प्रावधान किया गया कि मिल में गन्ना सप्लाई के 14 दिन के अंदर भुगतान कर दिया जाएगा। वरना 12 फीसदी ब्याज दिया जाएगा। भुगतान नहीं करने पर मिल के चीनी स्टॉक को जब्त कर लिया जाएगा। उसे बेचकर पैसा किसानों को देने का अधिकार राज्य सरकार को दिया गया। अगर ये रकम भी पर्याप्त न हो तो चीनी मिल की संपत्ति तक बेचने का प्रावधान किया गया।

मैं 1998 में लोकसभा पहुंचा और कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। संसद की खाद्य मंत्रालय की स्थायी समिति ने भी चीनी मिल लाइसेंस प्रणाली से मुक्त करने की सिफारिश की। वाजपेयी सरकार ने इसे लागू किया और चीनी उद्योग लाइसेंस से मुक्त हो गया। इसमें एक प्रावधान जोड़ दिया कि 15 किलोमीटर के दायरे में दूसरी मिल नहीं लग पाएगी। 2500 टन से बड़ी मिल होगी तो क्षेत्रफल दोगुना हो जाएगा।

पहले चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक महाराष्ट्र था। पिछले तीन साल से उत्तर प्रदेश नंबर वन है। पहले महाराष्ट्र से चीनी की औसत रिकवरी 12 फीसदी और यूपी की 10 फीसदी थी। महाराष्ट्र में जहां चीनी की रिकवरी घट गई, वहीं यूपी में बढ़कर 12 फीसदी हो गई। पंजाब और हरियाणा में चीनी की रिकवरी 9-10 फीसदी है। पिछले दस वर्ष से चल रही गन्ना बकाये के भुगतान की समस्या का समाधान जल्द निकाला जाए। रिकवरी के अनुपात में गन्ना मूल्य भी बढ़े।

अवैध संबंधों में आड़े आने पर साले की हत्या, जीजा ने पहले कराई शॉपिंग, फिर सिर में मार दी गोली

बरेली , एजेंसी। बरेली में अमन पटेल हत्याकांड का खुलासा कर पुलिस ने उसके बहनोई विकास व उसके दोस्त अभिषेक श्रीवास्तव को जेल भेज दिया है। करीबी रिश्तेदार की युवती से विकास के संबंध हो गए थे। अमन इसका विरोध कर रहा था। इसलिए सुनियोजित तरीके से उसे गोली मार दी गई।

बिथरी थाना प्रभारी संजय तोमर ने बताया कि अमन के ताऊ की बेटी वर्षा की शादी भुता थाने के गांव इस्माइलपुर निवासी विकास के साथ हुई है। चार महीने पहले वर्षा ने बच्चे को जन्म दिया था। वर्षा की तीमारदारी के लिए रिश्तेदार युवती विकास के घर गई थी। इसी बीच विकास ने उस युवती से संबंध बना लिए। युवती घर लौट आई और मोबाइल के जरिये विकास के संपर्क में रही।

इन अवैध संबंधों की जानकारी जब अमन को हुई तो उसने विरोध या। परिवार को जानकारी होने पर रिश्तेदारी में विकास के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी। विकास ने अमन को रास्ते से हटाने की योजना बना ली थी। बिथरी थाना क्षेत्र में रविवार रात उसने गोली मारकर अमन की हत्या कर दी थी।

अपनी बातों में ही फंस गया विकास

इंस्पेक्टर संजय सिंह के मुताबिक बरेली में खरीदारी करने के दौरान अमन के साथ चार लोगों के होने की पुष्टि हुई। सचिन और विक्रांत ने जो बयान और मौजूदगी बताई वह सर्विलांस, सीसीटीवी आदि से पूरी तरह सही पाई गई। विकास का पहला बयान ही उलझा हुआ था। उसने कहा था कि कपड़ों की खरीद कराने के बाद वह अपने कमरे पर चला आया था पर लोकेशन के हिसाब से वह गलत बोल रहा था।

पुलिस ने उसे इस तरह जाने दिया जैसे उस पर शक ही न हो। अंतिम संस्कार के बाद दोबारा उसे पकड़ा तो उसने अमन की हत्या को खनन के धंधे और प्रेमप्रसंग की ओर मोड़कर खुद को पाकसाफ दिखाने की कोशिश की। पुलिस ने जब उसे उसका कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन दिखाई तो उसने गुनाह स्वीकार कर लिया। उसके पास से खून से सनी शर्ट, हत्या में प्रयुक्त तमंचा व एक खोखा कारतूस बरामद किया।

पहले भरोसे में लेकर की खरीदारी, फिर गोली मारी

आरोपी विकास पटेल ने पुलिस को बताया कि पिछले साल फरवरी में उसने अमन की चचेरी बहन से प्रेम विवाह किया था। शुरू में परिवार के लोग नाराज थे लेकिन बाद में दोनों परिवारों में आनाजाना शुरू हो गया। बताया कि पत्नी के प्रसव के दौरान रिश्तेदार युवती से संबंध हो गए थे। उसने योजना बनाकर सोमवार शाम अमन को बरेली बुलाया और उसके साथ होटल पर खाना खाया।

अमन के दोस्त सचिन व विक्रांत भी कपड़ों की खरीदारी करने बरेली आए थे, उनके परिवार में कोई शादी थी। तब उनके साथ घूमकर सभी ने खरीददारी की। रात करीब साढ़े नौ बजे अमन से कहा कि अब आप लोग घर जाओ, वह संजय नगर में अपने कमरे पर जा रहा है। सचिन और विक्रांत के साथ अमन बाइक से लालपुर मोड़ आया, जहां अमन की बाइक खड़ी थी। वहां से सचिन व विक्रांत अपनी बाइक से चले गए।

सिर में मारी थी गोली – विकास के मुताबिक अमन वहां से अकेला ही घर को निकला तो विकास ने फोन किया। कहा कि उसे किस्त जमा करने के लिए रुपये की जरूरत है, उसे भी घर चलना है। थोड़ा रुक जाओ। विकास अपने दोस्त बदायूं के मोहल्ला शहबाजपुर निवासी अभिषेक श्रीवास्तव के साथ बाइक से वहां आया और अमन की बाइक पर पीछे बैठकर गांव के लिए चल दिया।

एसएन के चिकित्सकों का कमाल

एसिड पीने से सिकुड़ गई थी युवक की खाने की नली, 9 घंटे चला ऑपरेशन; मिली सफलता

आगरा , एजेंसी। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोसर्जरी विभाग ने एसिड पीने की वजह से सिकुड़ी हुई खाने की नली का जटिल ऑपरेशन सफलता पूर्वक किया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि 27 वर्षीय युवक ने ढाई वर्ष पूर्व एसिड पी लिया था। जिससे खाने की नली और पेट में सिकुड़न आ गई थी।

मरीज की नली को एंडोस्कोपी करके बार बार चौड़ा करने के बावजूद मुंह से पानी भी नहीं पी पा रहा था। वह सिर्फ पेट में डाली गई नली से लिक्विड ले रहा था, जिसकी वजह से वह अपना कोई काम भी नहीं कर पा रहा था। जांचों के बाद गैस्ट्रोसर्जरी टीम ने सर्जरी कर बड़ी आंत को छाती से होते हुए गले में लाया गया और खाने की नली के साथ जोड़ा गया। इस बड़ी आंत को पेट के साथ और पेट को छोटी आंत व छोटी आंत को बड़ी आंत के साथ जोड़ा गया। नौ घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद टीम का सफलता मिली। सर्जरी में गैस्ट्रोसर्जरी टीम के सहायक प्रो. डॉ. प्रतिक शाह, सहायक प्रो. डॉ. विक्रम सिंह सोढा, डॉ. ऋषभ और डॉ. निखिल (रेजिडेंट) और एनेस्थीसिया टीम डॉ. नरेंद्र और उनकी टीम रही।

ऑपरेशन के बाद पांच दिन रखा आईसीयू में– ऑपरेशन के बाद मरीज पांच दिन आईसीयू में रहा, जिसमे आईसीयू इंचार्ज डॉ. अतिहर्ष अग्रवाल और उनकी टीम का मरीज को बिना कोई कम्प्लीकेशन रिकवरी कराने में काफी योगदान रहा। मरीज अब मुंह से सब खा पी सकता है। मरीज को ऑपरेशन के दस दिन बाद छुट्टी कर दी गई।

जगह-जगह जाम...सीपी भी फंसे, डीसीपी की लोगों से अपील, कहा- ट्रैफिक वॉलंटियर बन करें पुलिस की मदद

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में नामांकन जुलूसों की वजह से लगने वाले जाम से लोगों को बचाने के ट्रैफिक पुलिस के दावे हवा हो गए। मंगलवार को तमाम सियासी दलों के प्रत्याशियों ने जब गाजे बाजे के साथ नामांकन जुलूस निकाला तो वैकल्पिक रास्तों पर वाहनों का लोड बढ़ गया और कचहरी और आसपास के क्षेत्र व वीआईपी रोड पर जाम लग गया। खराब रणनीति और प्रभावी निगरानी न होने से हालात और बिगड़ते चले गए।

नतीजतन, लालइमली, ग्वालटोली रोड भी जाम के जद में आ गई। इस दौरान पुलिस ऑफिस से कमांड जा रहे पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार व उनका काफिला भी जाम में फंस गया। जाम न खुलता देख उनकी गाड़ी को लंबी दूरी तय करते हुए दूसरे रास्ते से भेजा गया। वहीं, ज्यादातर फोर्स के चुनाव के चलते दूसरे राज्यों में जाने की वजह से ट्रैफिक पुलिस ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं।

लोगों से अपील की है कि ट्रैफिक वॉलंटियर बन जाम खुलवाने में मदद करें। नामांकन के चलते लागू किए गए डायवर्जन की वजह से मंगलवार को वैकल्पिक रास्तों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। इस बीच एमजी, हडर्ड और सीलिंग हाउस स्कूल की छुट्टी हो गई। सड़क पर अभिभावकों गाड़ियां और स्कूली वाहन पार्क होने से जाम के हालात बन गए।

पुलिस कमिश्नर की गाड़ी फिर जाम में फंस गई– दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ऑफिस से कामकाज निपटाने के बाद कमांड की ओर चल दिए। हालांकि दफ्तर से निकलते ही उनके काफिले को जाम का सामना करना पड़ गया। इस वजह से पुलिस ऑफिस से हडर्ड होकर कमांड जाने के बजाय उनका काफिला नवीन मार्केट से चुन्नीगंज होते हुए गया। हालांकि चुन्नीगंज चौराहा पार करते ही पुलिस कमिश्नर की गाड़ी फिर जाम में फंस गई।

ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी दौड़े, लेकिन हालात नहीं सुधरे– जाम देख एस्कॉर्ट में तैनात पुलिस कर्मियों ने रास्ता खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस कमिश्नर के जाम में फंसे होने की खबर पाकर आसपास तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी दौड़े लेकिन हालात नहीं सुधर सके। अंत में दस से बारह मिनट का सफर सीपी की गाड़ी ने जाम में रेंगते हुए करीब 40 मिनट में पूरा किया और वह करीब 2:07 बजे कमांड पहुंचे।

रैना मार्केट चौराहे से एडीजी आवास तक लगा रहा जाम

सेंट्रल जोन स्थित रैना मार्केट पर जाम से निपटने के इंतजाम किए गए थे लेकिन जब ट्रैफिक लोड बढ़ा तो इंतजाम नाकाफी साबित हुए। दरअसल, हुआ यूं कि अकबरपुर से सपा प्रत्याशी राजाराम पाल का जुलूस आया। इससे चौराहा और सड़क पूरी तरह से जाम हो गई। दूसरी तरफ से ट्रैफिक निकाला गया तो उस तरफ भी पेट्रोल पंप तक जाम लग गया। लोगों की गलियों से निकलने की कोशिश की वजह से जाम बढ़ता ही चला गया।

दो-चार घंटे का समय निकालें, जाम खुलवाने में मदद करें

शहर में लगातार लग रहे जाम को देखते हुए फिलहाल ट्रैफिक पुलिस ने हाथ खड़े कर दिए है। डीसीपी ट्रैफिक आरती सिंह ने दोपहर बाद मीडिया में अपील की है कि चुनाव के चलते शहर का अधिकांश फोर्स दूसरे जिलों में ड्यूटी पर गया है। इसकी वजह से शहर में ट्रैफिक कंट्रोल करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील कि है कि ट्रैफिक नियमों का पूरी तरह से पालन करें। साथ ही अपने समय से दो-चार घंटे का समय निकालें और जाम खुलवाने में ट्रैफिक पुलिसकर्मी की मदद करें। ट्रैफिक व्यवस्थित करने के लिए पुलिस वॉलंटियर बनकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए कहा है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस लाइन का हेल्पलाइन नंबर 9305104387 जारी किया।

अखिलेश यादव भाजपा पर हुए हमलावर, बोले-बीजेपी वालों ने बनाया अपराधियों-भ्रष्टाचारियों का गोदाम

अलीगढ़ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 23 अप्रैल को भाजपा पर हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों से बहुत सावधान रहने की जरूरत है। झूठ व लूट की इनकी पहचान बनी है। इन्होंने अपराधियों व भ्रष्टाचारियों का सबसे बड़ा गोदाम बनवा लिया है, जितने भी भ्रष्टाचारी व अपराधी थे, सभी इनके गोदाम में पहुंच गए हैं।

सपा अध्यक्ष 23 अप्रैल को यहां नुमाइश मैदान के कोहिनूर मंच पर सपा-कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन प्रत्याशी चौ.बिजेंद्र सिंह के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता से बाहर जाने वाले हैं, उनके भाषणों में चुनाव के परिणाम का रुझान दिखने लगा है। दरअसल, ये उनके मन की बात है। हम उनसे कहना चाहते हैं कि अब समय आ गया है कि संविधान की बात हो। ये जो गारंटी देते फिर रहे हैं। ये गारंटी उसी तरह की है, जैसे कोरोना में थाली ताली बजवाई थी। ये लोगों को गारंटी नहीं, घंटी दे दी है। जाओ बजाते रहो। इनकी गारंटी जुमले से दस साल लंबी है। दस साल पहले जुमला था और अब गारंटी आई है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये चुनाव संविधान बचाने

का चुनाव है। आपका एक वोट न केवल बिजेंद्र सिंह को जिताएगा, बल्कि संविधान को बचाने का काम करेगा। आप लोकतंत्र बचाना चाहते हो कि नहीं। ये लोग जो बड़े-बड़े नारे दे रहे हैं। क्या पता कल हमारा आपका वोट डालने का अधिकार छीन लें। हम संविधान को बचाने के लिए निकले हैं। याद रखना ये 2024 का चुनाव संविधान मंथन का भी चुनाव है। सावधान रहें और मतदान के लिए बूथ की चौकीदारी भी करें। चौकीदारी नहीं की तो बीजेपी वाले धोखा दे सकते हैं।

चार सौ पार नहीं चार सौ हार– सपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि ये तो चार सौ पार का नारा दे रहे हैं। मगर ये नाराजगी का सामना नहीं कर पाएंगे। इसलिए चार सौ पार नहीं चार सौ हारेंगे ये लोग।

इलेक्ट्रोरल बांड ने बजा दिया बैंड– सपा अध्यक्ष ने इलेक्ट्रोरल बांड का मुद्दा उछालते हुए कहा कि इनका बैंड बजा दिया है। बोलती बंद कर दी है। कोई एक हजार करोड़ रुपये का चंदा देगा, खुद कल्पना करिये। सोचिए कैसे लिया होगा चंदा। न जाने कितना लिया होगा चंदा। किसी से एक हजार करोड़, किसी से छह सौ और किसी से चार सौ करोड़ रुपये दिए। इन्होंने उद्यमियों को भगवा कर दिया। उद्यमियों का पंद्रह लाख करोड़ का कर्जा भी माफ कर दिया। मगर किसानों का कर्ज माफ नहीं किया।

सरकार बनी तो एमएसपी और कर्ज माफ करने का वादा किया– सपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा-इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। आप लोग सरकार बनवाने जा रहे हैं और हम किसानों को एमएसपी कानून लाकर देंगे और कर्जा भी माफ करेंगे।

जनता मांग रही हिसाब, सांसद जी हाजिर हों

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी बात की शुरुआत करते हुए कहा कि गरमी बहुत है। हमारा पंडाल भी कमजोर है। मगर आपका जोश उत्साह दिखाई दे रहा है। दस साल कोई छोटा मोटा समय नहीं होता है। दस साल बहुत लंबा समय होता है। जिन्हें मौका दिया गया, जीत करके गए, दिल्ली में भी सरकार, यूपी में भी सरकार और जनता की तरफ से आवाज आ रही है कि सांसद जी हाजिर हों, दस साल का हिसाब किताब दें।

मंच पर पूर्व सांसद व प्रत्याशी चौ.बिजेंद्र सिंह, हाथरस प्रत्याशी जसवीर वाल्मीकि, पूर्व विधायक जफर आलम, वीरेश यादव, ठा.राकेश सिंह, अज्जू इशहाक, जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर, महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी, मनोज यादव, सुमंत किशोर सिंह, गुंजन चौधरी, अमर सिंह यादव, गिरीश यादव, अशोक यादव, रंजीत चौधरी, काशिफ आब्दी, डीआर यादव, अजय चौधरी, आमिर आबिद, इसरार सोलंकी, बादशाह खान, विनोद सविता, जस्सू शेरवानी आदि लोग मौजूद रहे।

देरी से मिला मैदान, सुबह तक तैयारियां

जिस मैदान पर सपा की सभा हुई। उस पर सोमवार को पीएम मोदी का हेलीपैड बना था। इसके चलते शाम पांच बजे के बाद मैदान व मंच सपा को मिला। आयोजन होने तक मंच के सामने पंडाल बनाया जाता रहा। माइक से खुद प्रत्याशी व संचालक बार बार पंडाल बनाने वालों से जल्दी का अनुरोध करते रहे।

जब बिजेंद्र-अज्जू ने लगाए ठुमके

सपा अध्यक्ष की जनसभा में उनके आगमन के इंतजार में सपा के गायक कलाकारों के गीतों पर प्रत्याशी बिजेंद्र व पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक ठुमके लगाने लगे। हुआ यूं कि सपा अध्यक्ष का इंतजार हो रहा था। मंच पर भाषणबाजी के बीच में पार्टी के गायक कलाकार गीत सुना रहे थे। इसी दौरान बिजेंद्र मंच पर ठुमके लगाने लगे तो उनके साथ अज्जू इशहाक भी झूम उठे। हालांकि यह चंद पल ही हुआ। मगर इसकी खूब चर्चाएं होती रहीं।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर विशेष

पवन पुत्र हनुमान के जन्म की कहानी

लेखक वृषकेतु पांडेय,अयोध्या

ज्योतिषियों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 1 करोड़ 85 लाख 58 हजार 116 वर्ष पहले चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 06ः03 बजे हुआ था।

वाल्मीकि रचित रामायण (मतान्तर से) के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि (छोटी दीपावली) मंगलवार के दिन हनुमान का जन्म हुआ था।

हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है। पहली हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को अर्थात ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक मार्च या अप्रैल के बीच और दूसरी कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी अर्थात नरक चतुर्दशी को अर्थात सितंबर-अक्टूबर के बीच। इसके अलावा तमिलनाडु व केरल में हनुमान जयंती मार्गशीर्ष माह की अमावस्या को तथा उड़ीसा में वैशाख महीने के पहले दिन मनाई जाती है। आखिर सही क्या है?

चैत्र पूर्णिमा को मेष लग्न और चित्रा नक्षत्र में प्रातः 6ः03 बजे हनुमानजी का जन्म एक गुफा में हुआ था। मतलब यह कि चैत्र माह में उनका जन्म हुआ था। फिर चतुर्दशी क्यों मनाते हैं? वाल्मिकी रचित रामायण के अनुसार हनुमानजी का जन्म कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मंगलवार के दिन, स्वाति नक्षत्र और मेष लग्न में हुआ था।

हनुमान जी जन्म को लेकर मतभेद

एक तिथि को विजय अभिनन्दन महोत्सव के रूप में जबकि दूसरी तिथि को जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। पहली तिथि के अनुसार इस दिन हनुमानजी सूर्य को फल समझ कर खाने के लिए दौड़े थे, उसी दिन राहु भी सूर्य को अपना ग्रास बनाने के लिए आया हुआ था लेकिन हनुमानजी को देखकर सूर्यदेव ने उन्हें दूसरा राहु समझ लिया। इस दिन चैत्र माह की पूर्णिमा थी जबकि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को उनका जन्म हुआ हुआ था। एक अन्य मान्यता के अनुसार माता सीता ने हनुमानजी की भक्ति और समर्पण को देखकर उनको अमरता का वरदान दिया था। यह दिन नरक चतुर्दशी का दिन था। हालांकि वाल्मिकीजी ने जो लिखा है उसे सही माना जा सकता है।

हनुमान जी की माता अंजनि के पूर्व जन्म की कहानी :

कहते हैं कि माता अंजनि पूर्व जन्म में देवराज इंद्र के दरबार में अप्सरा पुंजिकस्थला थीं। 'बालपन में वो अत्यंत सुंदर और स्वभाव से चंचल थी एक बार अपनी चंचलता में ही उन्होंने तपस्या करते एक तेजस्वी ऋषि के साथ अभद्रता कर दी थी।

गुस्से में आकर ऋषि ने पुंजिकस्थला को श्राप दे दिया कि जा तू वानर की तरह स्वभाव वाली वानरी बन जा, ऋषि के श्राप को सुनकर पुंजिकस्थला ऋषि से क्षमा याचना मांगने लगी, तब ऋषि ने कहा कि तुम्हारा वह रूप भी परम तेजस्वी होगा।

तुमसे एक ऐसे पुत्र का जन्म होगा जिसकी कीर्ति और यश से तुम्हारा नाम युगों-युगों तक अमर हो जाएगा, अंजनि को वीर पुत्र का आशीर्वाद मिला।

श्री हनुमानजी की बाल्यावस्था : ऋषि के श्राप से त्रेता युग मे अंजना मे नारी वानर के रूप मे धरती पे जन्म लेना पडा इंद्र जिनके हाथ में पृथ्वी के सृजन की कमान है, स्वर्ग में स्थित इंद्र के दरबार (महल) में हजारों अप्सरा (सेविकाएं) थीं, जिनमें से एक थीं अंजना (अप्सरा पुंजिकस्थला) अंजना की सेवा से प्रसन्न होकर इंद्र ने उन्हें मनचाहा वरदान मांगने को कहा, अंजना ने हिचकिचाते हुए उनसे कहा कि उन पर एक तपस्वी साधु का श्राप है, अगर हो सके तो उन्हें उससे मुक्ति दिलवा दें। इंद्र ने उनसे कहा कि वह उस श्राप के बारे में बताएं, क्या पता वह उस श्राप से उन्हें मुक्ति दिलवा दें।

अंजना ने उन्हें अपनी कहानी सुनानी शुरू की, अंजना ने कहा 'बालपन में जब मैं खेल रही थी तो मैंने एक वानर को तपस्या करते देखा, मेरे लिए यह एक बड़ी आश्चर्य वाली घटना थी, इसलिए मैंने उस तपस्वी वानर पर फल फेंकने शुरू कर दिए, बस यही मेरी गलती थी क्योंकि वह कोई आम वानर नहीं बल्कि एक तपस्वी साधु थे। मैंने उनकी तपस्या भंग कर दी और क्रोधित होकर उन्होंने मुझे श्राप दे दिया कि जब भी मुझे किसी से प्रेम होगा तो मैं वानर बन जाऊंगी। मेरे बहुत गिड़गिड़ाने और माफी मांगने पर उस साधु ने कहा कि मेरा चेहरा वानर होने के बावजूद उस व्यक्ति का प्रेम मेरी तरफ कम नहीं होगा'। अपनी कहानी सुनाने के बाद अंजना ने कहा कि अगर इंद्र देव उन्हें इस श्राप से मुक्ति दिलवा सकें तो वह उनकी बहुत आभारी होंगी। इंद्र देव ने उन्हें कहा कि इस श्राप से मुक्ति पाने के लिए अंजना को धरती पर जाकर वास करना होगा, जहां वह अपने पति से मिलेंगी। शिव के अवतार को जन्म देने के बाद अंजना को इस श्राप से मुक्ति मिल जाएगी।

इंद्र की बात मानकर अंजना धरती पर आई और केसरी से विवाह - इंद्र की बात मानकर अंजना धरती पर चली आई, एक शाप के कारण उन्हें नारी वानर के रूप मे धरती पे जन्म लेना पड़ा। उस शाप का प्रभाव शिव के अन्श को जन्म देने के बाद ही समाप्त होना था। और एक शिकारन के तौर पर जीवन यापन करने लगीं। जंगल में उन्होंने एक बड़े बलशाली युवक को शेर से लड़ते देखा और उसके प्रति आकर्षित होने लगीं, जैसे ही उस व्यक्ति की नजरें अंजना पर पड़ीं, अंजना का चेहरा वानर जैसा हो गया। अंजना जोर-जोर से रोने लगीं, जब वह युवक उनके पास आया और उनकी पीड़ा का कारण पूछा तो अंजना ने अपना चेहरा छिपाते हुए उसे बताया कि वह बदसूरत हो गई हैं। अंजना ने उस बलशाली युवक को दूर से देखा था लेकिन जब उसने उस व्यक्ति को अपने समीप देखा तो पाया कि उसका चेहरा भी वानर जैसा था।

अपना परिचय बताते हुए उस व्यक्ति ने कहा कि वह कोई और नहीं वानर राज केसरी हैं जो जब चाहें इंसानी रूप में आ सकते हैं। अंजना का वानर जैसा चेहरा उन दोनों को प्रेम करने से नहीं रोक सका और जंगल में केसरी और अंजना ने विवाह कर लिया।

केसरी एक शक्तिशाली वानर थे जिन्होंने एक बार एक भयंकर हाथी को मारा था। उस हाथी ने कई बार असहाय साधु-संतों को विभिन्न प्रकार से कष्ट पँहुचाया था। तभी से उनका नाम केसरी पड गया, ÷केसरी÷ का अर्थ होता है सिंह। उन्हे ÷कुंजर सुदान÷(हाथी को मारने वाला) के नाम से भी जाना जाता है।

पंपा सरोवर :अंजना और मतंग ऋषि - पुराणों में कथा है कि केसरी और अंजना ने विवाह कर लिया पर संतान सुख से वंचित थे । अंजना अपनी इस पीड़ा को लेकर मतंग ऋषि के पास गईं, तब मंतग ऋषि ने उनसे कहा-पप्पा (कई लोग इसे पंपा सरोवर भी कहते हैं) सरोवर के पूर्व में नरसिंह आश्रम है, उसकी दक्षिण दिशा में नारायण पर्वत पर स्वामी तीर्थ है वहाँ जाकर उसमें स्नान करके, बारह वर्ष तक तप एवं उपवास करने पर तुम्हें पुत्र सुख की प्राप्ति होगी।

अंजना को पवन देव का वरदान :मतंग रामायण कालीन एक ऋषि थे, जो शबरी के गुरु थे। अंजना ने मतंग ऋषि एवं अपने पति केसरी से आज्ञा लेकर तप किया था बारह वर्ष तक केवल वायु पर ही जीवित रही, एक बार अंजना ने ÷शुचिस्नान÷ करके सुंदर वस्त्राभूषण धारण किए। तब वायु देवता ने अंजना की तपस्या से प्रसन्न होकर उस समय पवन देव ने उसके कर्णरन्ध्र में प्रवेश कर उसे वरदान दिया, कि तेरे यहां सूर्य, अग्नि एवं सुवर्ण के समान तेजस्वी, वेद-वेदांगों का मर्मज्ञ, विश्वन्द्य महाबली पुत्र होगा।

अंजना को भगवान शिव का वरदान :अंजना ने मतंग ऋषि एवं अपने पति केसरी से आज्ञा लेकर नारायण पर्वत पर स्वामी तीर्थ के पास, अपने आराध्य शिव की तपस्या में मग्न थीं । शिव की आराधना कर रही थीं तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें वरदान मांगने को कहा, अंजना ने शिव को कहा कि साधु के श्राप से मुक्ति पाने के लिए उन्हें शिव के अवतार को जन्म देना है, इसलिए शिव बालक के रूप में उनकी कोख से जन्म लें।

(कर्नाटक राज्य के दो जिले कोप्पल और बेल्लारी में रामायण काल का प्रसिद्ध किष्किंधा)

'तथास्तु' कहकर शिव अंतर्धयान हो गए। इस घटना के बाद एक दिन अंजना शिव की आराधना कर रही थीं और दूसरी तरफ अयोध्या में, इक्ष्वाकु वंशी महाराज अज के पुत्र और अयोध्या के महाराज दशरथ, अपनी तीन रानियों के कौशल्या, सुमित्रा और कैकेयी साथ पुत्र रत्न की प्राप्ति के लिए, श्रृंगी ऋषि को बुलाकर %पुत्र कामेष्टि यज्ञ% के साथ यज्ञ कर रहे थे।

यज्ञ की पूर्णाहुति पर स्वयं अग्नि देव ने प्रकट होकर श्रृंगी को खीर का एक स्वर्ण पात्र (कटोरी) दिया और कहा ÷ऋषिवर! यह खीर राजा की तीनों रानियों को खिला दो। राजा की इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।÷ जिसे तीनों रानियों को खिलाना था लेकिन इस दौरान एक चमत्कारिक घटना हुई, एक पक्षी उस खीर की कटोरी में थोड़ा सा खीर अपने पंजों में फंसाकर ले गया और तपस्या में लीन अंजना के हाथ में गिरा दिया। अंजना ने शिव का प्रसाद समझकर उसे ग्रहण कर लिया।

हनुमान जी का जन्म त्रेता युग मे अंजना के पुत्र के रूप मे, चैत्र शुक्ल की पूर्णिमा की महानिशा में हुआ।

अन्य कथा अनुसार हनुमान अवतार :सामान्यतः लंकादहन के संबंध में यही माना जाता है कि सीता की खोज करते हुए लंका पहुंचे और रावण के पुत्र सहित अनेक राक्षसों का अंत कर दिया। तब रावण के पुत्र मेघनाद ने श्री हनुमान को ब्रह्मास्त्र छोड़कर काबू किया और रावण ने श्री हनुमान की पूंछ में आग लगाने का दण्ड दिया। तब उसी जलती पूंछ से श्री हनुमान ने लंका में आग लगा रावण का दंभ चूर किया। किंतु पुराणों में लंकादहन के पीछे भी एक ओर रोचक कथा जुड़ी है, जिसके कारण श्री हनुमान ने पूंछ से लंका में आग लगाई।

श्री हनुमान शिव अवतार है। शिव से ही जुड़ा है यह रोचक प्रसंग। एक बार माता पार्वती की इच्छा पर शिव ने कुबेर से सोने का सुंदर महल का निर्माण करवाया। किंतु रावण इस महल की सुंदरता पर मोहित हो गया। वह ब्राह्मण का वेश रखकर शिव के पास गया। उसने महल में प्रवेश के लिए शिव-पार्वती से पूजा कराकर दक्षिणा के रूप में वह महल ही मांग लिया। भक्त को पहचान शिव ने प्रसन्न होकर वह महल दान दे दिया।दान में महल प्राप्त करने के बाद रावण के मन में विचार आया कि यह महल असल में माता पार्वती के कहने पर बनाया गया। इसलिए उनकी सहमति के बिना यह शुभ नहीं होगा। तब उसने शिवजी से माता पार्वती को भी मांग लिया और भोलेभंडारी शिव ने इसे भी स्वीकार कर लिया। जब रावण उस सोने के महल सहित मां पार्वती को ले जाना लगा। तब अचंभित और दुखी माता पार्वती ने विष्णु को स्मरण किया और उन्होंने आकर माता की रक्षा की।

जब माता पार्वती अप्रसन्न हो गई तो शिव ने अपनी गलती को मानते हुए मां पार्वती को वचन दिया कि त्रेतायुग में मैं वानर रूप हनुमान का अवतार लूंगा उस समय तुम मेरी पूंछ बन जाना। जब मैं माता सीता की खोज में इसी सोने के महल यानी लंका जाऊंगा तो तुम पूंछ के रूप में लंका को आग लगाकर रावण को दण्डित करना।

हनुमानजी के कुछ नाम एवं उनका अर्थ : हनुमानजी को मारुति, बजरंगबली इत्यादि नामों से भी जानते हैं। मरुत शब्द से ही मारुति शब्द की उत्पत्ति हुई है। महाभारत में हनुमानजी का उल्लेख मारुतात्मज के नाम से किया गया है। हनुमानजी का अन्य एक नाम है, बजरंगबली। बजरंगबली यह शब्द व्रजांगबली के अपभ्रंश से बना है। जिनमें वज्र के समान कठोर अस्त्र का सामना करनेकी शक्ति है, वे व्रजांगबली है। जिस प्रकार लक्ष्मण से लखन, कृष्ण से किशन ऐसे सरल नाम लोगों ने अपभ्रंश कर उपयोगमें लाए, उसी प्रकार व्रजांगबली का अपभ्रंश बजरंगबली हो गया।

वृषकेतु पांडेय जी के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी

हनुमान जी की प्रसिद्धि कथा

अंजना के पुत्र होने के कारण ही हनुमान जी को अंजनेय नाम से भी जाना जाता है जिसका अर्थ होता है अंजना द्वारा उत्पन्न । माता श्री अंजनी और कपिराज श्री केसरी हनुमानजी को अतिशय प्रेम करते थे।श्री हनुमानजी को सुलाकर वो फल-फूल लेने गये थे इसी समय बाल हनुमान भूख एवं अपनी माता की अनुपस्थिति में भूख के कारण आक्रन्द करने लगे। इसी दौरान उनकी नजर क्षितिज पर पड़ी। सूर्योदय हो रहा था। बाल हनुमान को लगा की यह कोई लाल फल है। (तेज और पराक्रम के लिए कोई अवस्था नहीं होती) ।यहां पर तो श्री हनुमान जी के रुप में माताश्री अंजनी के गर्भ से प्रत्यक्ष शिवशंकर अपने ग्यारहवें रुद्र में लीला कर रहे थे और श्री पवनदेव ने उनके उड़ने की शक्ति भी प्रदान की थी। जब शिशु हनुमान को भूख लगी तो वे उगते हुये सूर्य को फल समझकर उसे पकड़ने आकाश में उड़ने लगे। उस लाल फल को लेने के लिए हनुमानजी वायुवेग से आकाश में उड़ने लगे। उनको देखकर देव, दानव सभी विस्मयतापूर्वक कहने लगे कि बाल्यावस्था में एसे पराक्रम दिखाने वाला यौवनकाल में क्या नहीं करेगा। उधर भगवान सूर्य ने उन्हें अबोध शिशु समझकर अपने तेज से नहीं जलने दिया। जिस समय हनुमान सूर्य को पकड़ने के लिये लपके, उसी समय राहु सूर्य पर ग्रहण लगाना चाहता था ।हनुमानजी ने सूर्य के ऊपरी भाग में जब राहु का स्पर्श किया तो वह भयभीत होकर वहाँ से भाग गया। उसने इन्द्र के पास जाकर शिकायत की देवराज! आपने मुझे अपनी क्षुधा शान्त करने के साधन के रूप में सूर्य और चन्द्र दिये थे। आज अमावस्या के दिन जब मैं सूर्य को ग्रस्त करने गया तब देखा कि दूसरा राहु सूर्य को पकड़ने जा रहा है। राहु की बात सुनकर इन्द्र घबरा गये और उसे साथ लेकर सूर्य की ओर चल पड़े। राहु को देखकर हनुमानजी सूर्य को छोड़ राहु पर झपटे। राहु ने इन्द्र को रक्षा के लिये पुकारा तो उन्होंने हनुमानजी पर वज्रायुध से प्रहार किया जिससे वे एक पर्वत पर गिरे और उनकी बायीं ठुड्डी टूट गई। हनुमान की यह दशा देखकर वायुदेव को क्रोध आया। उन्होंने उसी क्षण अपनी गति रोक दिया। इससे संसार की कोई भी प्राणी साँस न ले सकी और सब पीड़ा से तड़पने लगे। तब सारे सुर, असुर, यक्ष, किन्नर आदि ब्रह्मा जी की शरण में गये। ब्रह्मा उन सबको लेकर वायुदेव के पास गये। वे मूर्छित हनुमान को गोद में लिये उदास बैठे थे। जब ब्रह्माजी ने उन्हें सचेत किया तो वायुदेव ने अपनी गति का संचार करके सभी प्राणियों की पीड़ा दूर की। तभी श्री ब्रह्माजी ने श्री हनुमानजी को वरदान दिया कि इस बालक को कभी ब्रह्मशाप नहीं लगेगा, कभी भी उनका एक भी अंग शस्तर नहीं होगा, ब्रह्माजीने अन्य देवताओं से भी कहा कि इस बालक को आप सभी वरदान दें तब देवराज इंन्द्रदेव ने हनुमानजी के गले में कमल की माला पहनाते हुए कहा की मेरे वज्रप्रहार के कारण इस बालक की हनु (दाढ़ी) टूट गई है इसीलिए इन कपिश्रेष्ठ का नाम आज से हनुमान रहेगा और मेरा वज्र भी इस बालक को नुकसान न पहुंचा सके ऐसा वज्र से कठोर होगा। श्री सूर्यदेव ने भी कहा कि इस बालक को में अपना तेज प्रदान करता हूं और मैं इसको शस्त्र-समर्थ मर्मज्ञ बनाता हुं ।

हनुमानजी की विशेषताएं

अनेक संतों ने समाज में हनुमानजी की उपासना को प्रचलित किया है। ऐसे हनुमान जी के संदर्भ में समर्थ रामदास स्वामी कहते हैं, 'हनुमानजी हमारे देवता हैं ।' हनुमानजी शक्ति, युक्ति एवं भक्ति का प्रतीक हैं। इसलिए समर्थ रामदासस् वामी ने हनुमानजी की उपासना की प्रथा आरंभ की। महाराष्ट्र में उनके द्वारा स्थापित ग्यारह मारुति प्रसिद्ध हैं। साथ ही संत तुलसीदास ने उत्तर भारत में मारुति के अनेक मंदिर स्थापित किए तथा उनकी उपासना दृढ की। दक्षिण भारत में मध्वाचार्य को मारुति का अवतार माना जाता है। इनके साथ ही अन्य कई संतों ने अपनी विविध रचनाओं द्वारा समाज के समक्ष मारुति का आदर्श रखा है।

1. शक्तिमानता

हनुमानजी सर्वशक्तिमान देवता हैं। जन्म लेते ही हनुमानजी ने सूर्यको निगलनेके लिए उडान भरी। इससे यह स्पष्ट होता है कि, वायुपुत्र अर्थात वायुतत्त्वसे उत्पन्न हनुमानजी, सूर्यपर अर्थात तेजतत्त्वपर विजय प्राप्त करनेमें सक्षम थे। पृथ्वी, आप, तेज, वायु एवं आकाश तत्त्वोंमेंसे तेजतत्त्वकी तुलनामें वायुतत्त्व अधिक सूक्ष्म है अर्थात अधिक शक्तिमान है। सर्व देवताओंमें केवल हनुमानजीको ही अनिष्ट शक्तियां कष्ट नहीं दे सकतीं। लंकामें लाखों राक्षस थे, तब भी वे हनुमानजीका कुछ नहीं बिगाड पाएं। इससे हम हनुमानजीकी शक्तिका अनुमान लगा सकते हैं।

1. भूतों के स्वामी

हनुमानजी भूतों के स्वामी माने जाते हैं। किसी को भूत बाधा हो, तो उस व्यक्ति को हनुमानजी के मंदिर ले जाते हैं। साथ ही हनुमानजी से संबंधित स्तोत्र जैसे हनुमत्कवच, भीमरूपी स्तोत्र अथवा हनुमानचालीसा का पाठ करनेके लिए कहते हैं ।

2. भक्ति

साधना में जिज्ञासु, मुमुक्षु, साधक, शिष्य एवं भक्त ऐसे उन्नति के चरण होते हैं। इसमें भक्त यह अंतिम चरण है। भक्त अर्थात वह जो भगवानसे विभक्त नहीं है। हनुमानजी भगवान श्रीराम से पूर्णतया एकरूप हैं। जब भी नवविधा भक्ति में से दास्य भक्ति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण देना होता है, तब हनुमानजी का उदाहरण दिया जाता है। वे अपने प्रभु राम के लिए प्राण अर्पण करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं । प्रभु श्रीराम की सेवा की तुलना में उन्हें सब कुछ कौडी के मोल लगता है। हनुमान सेवक एवं सैनिक का एक सुंदर सम्मिश्रण हैं। स्वयं सर्वशक्तिमान होते हुए भी वे, अपने-आपको श्रीरामजीका दास कहलवाते थ। उनकी भावना थी कि उनकी शक्ति भी श्रीरामजी की ही शक्ति है। मान अर्थात शक्ति एवं भक्तिका संगम।

3. मनोविज्ञान में निपुण एवं राजनीति में कुशल

अनेक प्रसंगों में सुग्रीव इत्यादि वानर ही नहीं, वरन् राम भी हनुमानजी से परामर्श करते थे। लंका में प्रथम ही भेंट में हनुमानजी ने सीता के मन में अपने प्रति विश्वास निर्माण किया। इन प्रसंगों से हनुमानजी की बुद्धिमानता एवं मनोविज्ञान में निपुणता स्पष्ट होती है। लंकादहन कर हनुमानजी ने रावण की प्रजा में रावणके सामर्थ्य के प्रति अविश्वास उत्पन्न किया। इस बातसे उनकी राजनीति-कुशलता स्पष्ट होती है।

4. जितेंद्रिय

सीता को ढूंढने जब हनुमानजी रावण के अंतःपुर में गए, तो उस समय की उनकी मनः स्थिति थी, उनके उच्च चरित्र का सूचक है। इस संदर्भ में वे स्वयं कहते हैं, 'सर्व रावण पत्नियों को निःशंक लेटे हुए मैंने देखा; परंतु उन्हें देखने से मेरे मन में विकार उत्पन्न नहीं हुआ।'

वाल्मीकि रामायण, सुंदरकांड 11.42-43

इंद्रियजीत होने के कारण हनुमानजी रावणपुत्र इंद्रजीत को भी पराजित कर सके। तभी से इंद्रियों पर विजय पाने हेतु हनुमानजी की उपासना बतायी गई।

5. भक्तों की इच्छा पूर्ण करने वाले

हनुमानजी को इच्छा पूर्ण करने वाले देवता मानते हैं, इसलिए व्रत रखने वाले अनेक स्त्री-पुरुष हनुमानजी की मूर्ति की श्रद्धापूर्वक निर्धारित परिक्रमा करते हैं। कई लोगों को आश्चर्य होता है कि, जब किसी कन्या का विवाह निश्चित न हो रहा हो, तो उसे ब्रह्मचारी हनुमानजी की उपासना करने के लिए कहा जाता है। वास्तव में अत्युच्च स्तर के देवताओं में 'ब्रह्मचारी' या 'विवाहित' जैसा कोई भेद नहीं होता। ऐसा अंतर मानव-निर्मित है। मनोविज्ञान के आधार पर कुछ लोगों की यह गलत धारणा होती है कि, सुंदर, बलवान पुरुष से विवाह की कामना से कन्याएं हनुमानजी की उपासना करती हैं। परंतु वास्तविक कारण कुछ इस प्रकार है। लगभग 30 प्रतिशत व्यक्तियों का विवाह भूतबाधा, जादू-टोना इत्यादि अनिष्ट शक्तियों के प्रभावके कारण नहीं हो पाता। हनुमानजी की उपासना करने से ये कष्ट दूर हो जाते हैं एवं उनका विवाह संभव हो जाता है।

6. हनुमान जन्मोत्सव कैसे मनाया जाता है ?

हनुमान जयंती का उत्सव कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के दिन संपूर्ण उत्तर भारत में विविध स्थानों पर धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन प्रातः 4 बजे से ही भक्तजन स्नान कर हनुमान जी के देवालयों में दर्शन के लिए आने लगते हैं। प्रातः 5 बजे से देवालयों में पूजा विधि आरंभ होती हैं । हनुमानजी की मूर्ति को पंचामृत स्नान करवा कर उनका विधिवत पूजन किया जाता है। सुबह 6 बजे तक अर्थात हनुमान जन्म के समय तक हनुमान जन्म की कथा, भजन, कीर्तन आदि का आयोजन किया जाता है। हनुमानजी की मूर्ति को हिंडोले में रख हिंडोला गीत गाया जाता है। हनुमानजी की मूर्ति हाथ में लेकर देवालय की परिक्रमा करते हैं। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में कुछ जगह यज्ञ का आयोजन भी करते हैं। तत्पश्चात हनुमानजी की आरती उतारी जाती है। आरती के उपरांत कुछ स्थानों पर सौंठ अर्थात सूखे अदरक का चूर्ण एवं पीसी हुई चीनी तथा सूखे नारियल का चूरा मिलाकर उस मिश्रणको या कुछ स्थानों पर छुहारा, बादाम, काजू, सूखा अंगूर एवं मिश्री, इस पंचखाद्य को प्रसाद के रूप में बांटते हैं । कुछ स्थानों पर पोहे तथा चने की भीगी हुई दाल में दही, शक्कर, मिर्ची के टुकडे, निम्ब का अचार मिलाकर गोपाल काला बनाकर प्रसाद के रूप में बाटते है। कुछ जगह महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है।

संपादकीय

बेखौफ बंदी और जेलों में खूनी संघर्ष

पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों के बीच खूनी संघर्ष में दो की मौत से एक बार फिर जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। शुक्रवार की रात को कुछ कैदियों ने दो कैदियों पर हमला कर उन्हें धारदार हथियार से मार डाला। जेल प्रशासन का कहना है कि जिन कैदियों के बीच हिंसक झड़प हुई, उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध नहीं था। उनके बीच आपसी रंजिश थी, जो खूनी संघर्ष में परिणत हो गई। यानी इस बात की जानकारी जेल प्रशासन को थी कि कुछ कैदियों में कहासुनी की वजह से तनाव बना हुआ था। विचित्र है कि प्रशासन ने उस विवाद को सुलझाने का प्रयास नहीं किया। खुद पुलिस महानिरीक्षक ने माना है कि अगर समय रहते इस विवाद को सुलझा लिया गया होता, तो दो कैदियों की मौत नहीं होती। इस घटना के बाद भी फिर वही सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कैदियों को धारदार चीजें कैसे हाथ लग गईं, जिससे उन्होंने दो कैदियों की जान ले ली, जबकि जेलों में ऐसी हर चीज को बंदियों से दूर रखा जाता है, जिनसे वे किसी पर हमला या खुदकुशी कर सकते हों। पंजाब की जेलों में कैदियों के रखरखाव को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कई लोग तो यहां तक कह चुके हैं कि वहां की कई जेलें अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुकी हैं। संगरूर जेल पर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। कुछ साल पहले वहां से एक कुख्यात गिरोह के अपराधी के अपने जन्मदिन पर केक काटने और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने के बाद तो खासा विवाद हुआ था। ऐसे ही मामले बठिंडा, कपूरथला और पटियाला की जेलों से भी दर्ज हुए थे, जब अपराधियों को सोशल मीडिया पर सक्रिय देखा या फोन पर बाहर के लागों से बात करते, किसी साजिश को अंजाम देते पाया गया। हालांकि जेल में कैदियों के बीच हिंसक झड़प का मामला केवल पंजाब तक सीमित नहीं है। दिल्ली की अति सुरक्षित और चाकचौबंद मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में भी ऐसी कई घटनाएं हाल के कुछ महीनों में देखी जा चुकी हैं। तिहाड़ में तो कुख्यात आपराधिक गिरोहों के बीच खूनी संघर्ष देखा गया। ऐसी घटनाएं होने की खबरें देश के दूसरे प्रदेशों की जेलों से भी आ जाती हैं। पठानकोट सैन्य अड्डे पर हुए आतंकी हमले के बाद तो सेना ने भी अपनी जांच के बाद चिंता जताई थी कि पंजाब की जेलों में बैठे अपराधी बाहरी लोगों से संपर्क में रहते और मादक पदार्थों की तस्करी आदि में संलिप्त हैं। तब सभी जेलों में औचक निरीक्षण किया और जेलों के प्रशासन को मुस्तैद रहने को कहा गया था। मगर स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं देखा गया। आरोप लगते रहे हैं कि जेलों के प्रशासन से जुड़े लोग ही अपराधियों को मोबाइल फोन आदि उपलब्ध कराते हैं। जेलों को एक प्रकार के सुधारगृह के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाता रहा है, ताकि अपराधियों को गलत रास्ते से निकाल कर सही रास्ते पर लाया जा सके। मगर जेलें अगर यातनागृह और दबंग अपराधियों की सुरक्षित शरणस्थली का रूप लेती जा रही हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जेल प्रशासन और अपराधियों के बीच अगर किसी तरह का गठजोड़ बनता है, तो यह ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

इन गर्मियों में आम को मत भूल जाइए!

ऋतुओं के देश भारत की विशेषता है कि यहां पर हर ऋतु के अनुकूल फल प्रकृति उपलब्ध कराती है। गर्मी में आवश्यकता के अनुरूप रसीले फलों की प्रचुरता रहती है। इन्हीं रसीले फलों के बीच सजता है फलों का राजा रसीला आम। आम आम और खास सभी का फल है।

आम का वैज्ञानिक नाम मैंजीफेरा इण्डिका एल है। आम की गणना भारत के प्रचीनतम फलों में की जाती है। इस बात का पर्याप्त प्रमाण मिलता है कि आम के विषय में लोगों को छः हजार वर्ष से इसकी उपजाई जाने वाली प्रजातियों के विषय में जानकारी थी।

भारत में आम का महत्व केवल एक स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक फल के रूप में ही नहीं किया जाता अपितु प्राचीनकाल से ही आम का वृक्ष भारतीय संस्कृति, धर्म, सौंदर्य, शैक्षिक एवं आर्थिक जीवन से जुड़ा रहा है। धार्मिक ग्रंथों में आम ब्रहम का रूपांतर माना जाता है। आम की पत्तियां धार्मिक कामों, पुण्य और सरस्वती एवं शिव की पूजा अर्जना और सूखी टहनियां हवन की पवित्र अग्नि को प्रज्जवलित करने के लिए प्रयोग में लायी जाती हैं। वाल्मीकि रामायण, रामचरित मानस, महाकवि कालिदास द्वारा विरचित मेघदूत आदि अनेक धार्मिक ग्रंथो में कई स्थानों पर इसका उल्लेख मिलता है। आम के प्रदत्त महत्व का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राचीन कलात्मक कृतियों अजंता-एलोरा की गुफाओं और बौद्धस्तम्भों में चित्रकारी में महत्व दिया गया है।

मध्यकालीन युग में भी आम की लोकप्रियता का उल्लेख मिलता है। मुगल बादशाह अकबर ने बिहार के दरभंगा में आम का एक बाग लगवाया था जिसमें एक लाख वृक्ष लगाये गये थे। वह एक लाख बाग के नाम से अभी भी जाना जाता है। आइने अकबरी नामक ग्रंथ में आम की किस्मों तथा उनके गुणों का विस्तृत वर्णन मिलता है।

आम की खेती लगभग पूरे भारत में की जाती है। उत्तर प्रदेश आम का सर्वाधिक उत्पादक प्रान्त है। भारत में सभी फलों के अंतर्गत क्षेत्रफल का लगभग 42 प्रतिशत योगदान आम का ही है। उत्तर प्रदेश का मलिहाबाद क्षेत्र आम के लिए विख्यात है। यहां के आम विदेशों के लिए भेजे जाते हैं। यह आम अमेरिका से दुबई तक जाते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार से भी अधिक किस्में उपजाई जाती हैं। परन्तु उत्तर प्रदेश में वर्तमान में उपजाई जाने वाली कुछ मुख्य किस्में बम्बई, लंगड़ा, गौरजीत, ब्राइड ऑफ राशा, दशहरी, सफेदा, लखनऊ सफेदा, सफेदा जौहरी (मलिहाबाद), हुस्न आरा रातौल (मध्यऋतु), समर बहिश्त, चौसा फजरी, तैमूरिया सहित कई प्रकार की किस्में हैं। आम की फसल में बनारसी लंगड़े की कहानी तो कुछ और ही है।

आम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक गुणों से भी भरपूर होता है। कच्चे आम में विटामिन-सी का बाहुल्य होता है तथा पके फल में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में होता है। आम कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा, खनिज लवणों का एक अच्छा स्रोत है।

फल प्रसंस्करण द्वारा कच्चे तथा पक्के दोनों ही आमों को फसल के बाद खाने के लिए संरक्षित किया जाता है। कच्चे आम को सुखाकर मचूर, पना, खटाई, अचार, मुरब्बा आदि बनाया जाता है। कच्चे आम की फांकों को नमक की सहायता से संरक्षित करके न केवल देश में प्रयोग किया जाता है वरन् विदेशों तक को निर्यात किया जाता है।

पके फलों को खाने के अलावा डिब्बों में फांकों व गूदों के रूप में कैंनिंग करके जूस, नेक्टर, स्कवैश, जैम, चटनी, अमावट, सिरका, वाइन आदि बनाने में किया जाता है। आम का फल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माना गया है।

भांग से पड़ सकता है पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर असर

अपने तरह के एक बड़े अध्ययन में दावा किया गया है कि भांग का सेवन करने वाले पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है क्योंकि इससे उनके शुक्राणुओं का आकार प्रभावित होता है।

शैफील्ड और मैनचेस्टर विश्वविद्यालयों के एक अनुसंधान दल ने यह पता लगाने की कोशिश की कि जीवनशैली से जुड़े कारक शुक्राणुओं के आकार को किस तरह प्रभावित करते हैं।

उन्होंने पाया कि गर्मी के महीनों में स्खलित वीर्य के शुक्राणुओं का आकार अच्छा नहीं था लेकिन जिन पुरुषों की यौन गतिविधि 6 दिन से अधिक समय बाद हुई, उनके शुक्राणुओं का आकार बेहतर था। स्मोकिंग, शराब पीने और नशीले पदार्थों के सेवन का भी असर शुक्राणुओं पर देखा गया। ब्रिटेन के करीब 14 प्रजनन केंद्रों में आए 2,249 लोगों से बातचीत के आधार पर किए गए इस अध्ययन के नतीजे ह्यूमन रीप्रॉडक्शन जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। शैफील्ड विश्वविद्यालय में एंड्रोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एलन पेसी ने कहा, हमारे आंकड़े सुझाव देते हैं कि भांग का सेवन करने वाले अगर परिवार शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उनको इसका उपयोग बंद कर देना चाहिए। प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि असामान्य आकार की वजह से शुक्राणु कम असरदार हो जाते हैं।

गर्मी में तरावट देने वाला सेहतमंद फल संतरा

मीठा रस भरा संतरा बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी अच्छा लगता है। इसका वानस्पतिक नाम चित्तुस रेतिकुलाता ब्लेंकों है। यह आरेकासी परिवार का सदस्य है। संतरे का वृक्ष मध्यम आकार का झाड़ीनुमा तथा कांटेदार वृक्ष होता है। यह उष्ण कटिबंधीय वातावरण में उगता है। इसके पत्ते, छोटे, गोल-बेलनाकार तथा छोटे डंठलवाले होते हैं। कच्चा फल हरा होता है जबकि पकने पर पीला, नारंगी, मीठा एवं रसवाला हो जाता है। इसका फल एक चिकने व सख्त छिलके के अंदर सुरक्षित रहता है। रस और गूदा विभिन्न फाड़ियों के रूप में पतली सी झिल्ली में होता है।

यों तो संतरा एक मौसमी फल है परन्तु यह सारे देश में

आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसकी पैदावार नागपुर, असम में सिलहट और उत्तर प्रदेश के पहाड़ी भागों में अधिक होती है। नागपुर का संतरा अपने स्वाद के लिए बहुत प्रसिद्ध है। कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी विभिन्न किस्में पैदा करके इसे विभिन्न जलवायु के अनुकूल बना लिया है।

संतरा बहुत उपयोगी फल है। गर्मी में तो इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है क्योंकि इससे उष्णता शांत होती है। आयुर्वेद के अनुसार संतरा वातनाशक, तृषाशामक, दाह, ज्वर एवं हृदय विकार को दूर करने वाला होता है। यह मुंह की दुर्गंध दूर करता है। इससे कब्ज भी दूर होती है। इसमें लगभग 87.4 प्रतिशत पानी, 10.5 प्रतिशत कार्बिनक पदार्थ, 0.1 प्रतिशत प्रोटीन और 0.3 प्रतिशत वसा होता है। यह फल विटामिन सी का भंडार होता है।

गर्मियों में बार-बार प्यास लगने पर पके संतरे का ताजा फाड़ियों को चूसने से प्यास शांत होती है। जी मिचलाने और उल्टी होने पर भी संतरे की ताजा फाड़ियों को चूसना लाभकर होता है। बुखार में जब रोगी को बेचैनी होती है, बार-बार प्यास लगती है, मुंह सूख जाता है तो रोगी को मीठे संतरे की फाड़ियों चूसने को दें। इससे रोगी तृप्त एवं शांत होता है। बुखार एवं खांसी में आराम के लिए मीठे संतरे के गूदे में शक्कर या चीनी डालकर गर्म करके रोगी को खिलाएं। परन्तु ध्यान रखें कि संतरा मीठा ही हो क्योंकि खट्टे संतरे के ज्यादा सेवन से कफ विकार हो जाता है।

पायरिया के कारण यदि मसूढ़े फूल जाएं तथा उनमें सड़न के कारण दुर्गंध व रक्त आने लगे तो रोगी को प्रतिदिन संतरे का ताजा रस दिया जाना चाहिए। साथ ही संतरे के छिलकों को बारीक पीसकर दंत मंजन में मिला लें फिर इस मंजन से धीरे-धीरे मसूढ़ों की मालिश करें। इससे रोगी को लाभ होगा।

छोटे शिशुओं को यदि ताजा संतरे का रस थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पिलाया जाए तो उनका शरीर तंदुरुस्त रहता है तथा रक्त शुद्ध रहता है। इससे उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं तथा उनका पूर्ण विकास होता है। खाज-खुजली होने पर भी संतरे का रस पीने से राहत मिलती है। साथ ही प्रभावित स्थान पर ताजा संतरे का छिलका रगड़ना चाहिए। इसके छिलके से आंखें भी साफ हो जाती हैं।

गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन संतरे का सेवन करना चाहिए इससे मां तथा गर्भस्थ शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। गर्भवती महिलाओं को होने वाले वमन तथा अतिसार के लिए संतरे के छिलके के चूर्ण की कुछ मात्रा देकर संतरे का रस पिलाएं।

यदि शिशुओं के पेट में कृमि हो जाएं तो संतरे के छिलकों को चार कप पानी में चौथाई शेष रहने तक उबालें, फिर छान कर उसमें थोड़ी सी हींग मिलाकर एक चम्मच शिशु को नियमित रूप से सुबह-शाम पिलाएं। इससे पेट के कृमि शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे। प्रतिदिन प्रातःकाल निराहार एक-दो रसीले संतरे खाने से मंदाग्नि की शिकायत दूर होती है।

खुशबू से उपचार करने की पद्धति एरोमाथेरेपी

अक्सर तकलीफ देह बीमारियों का उपचार भी तकलीफदेह ढंग से होता है पर ऐरोमाथेरेपी आपको सुई और कड़वी दवाइयों के झंझट से निजात दिला सकती है। ऐरोमा का अर्थ है खुशबू तथा थेरेपी से अभिप्राय उपचार से है। ऐरोमाथेरेपी उपचार की वह पद्धति है जिसमें खुशबू के द्वारा अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

ऐरोमाथेरेपी जड़ी-बूटियों व पौधों की उपचार पद्धति है। इसमें रोगों के निदान के लिए पौधों के तनों, जड़ों, फूलों, पत्तों आदि से निकाले गए अर्क जिसे ऐसेन्शियल आयल कहते हैं का प्रयोग किया जाता है। सभी प्रकार की त्वचा और बालों में प्रयोग हो सकने वाले ये तेल बिल्कुल चिपचिपे नहीं होते।

ऐसेन्शियल आयल्स का प्रयोग व्यवसायों में भी होता है। लगभग तीन सौ किस्म के ऐसेन्शियल आयल्स को त्वचा संबंधी या अन्य उत्पाद बनाने वाले उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है। घर

पर ही छोटी मोटी बीमारियों के निदान के लिए दस-पन्द्रह प्रकार के तेल ही मुख्य होते हैं। प्रत्येक ऐसिन्शियल आयल की खुशबू का अहसास ही इलाज होता है। प्रत्येक खुशबू से सीधे हमारा मस्तिष्क प्रभावित होता है, हर तेल में एक विशेष प्रकार की उपचारिक शक्ति होती है, जिसके द्वारा पूर्ण रूप से पवित्र व प्राकृतिक उपचार होता है।

घर में प्रयोग किए जा सकने वाले तेल विभिन्न प्रकार से इस्तेमाल किए जा सकते हैं जैसे मालिश में, नहाने के पानी में या भाप के पानी में आदि। शरीर से दूषित पदार्थों के निष्कासन में ये तेल बहुत उपयोगी होते हैं जैसे एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टिरयिल, एंटीफंगस, एंटी न्यूरालाजिक, एंटी डिपरेसेन्ट, रक्टी, रूमेटिक, डियोडराइजिंग आदि।

ऐसेन्शियल आयल को भाप विधि के द्वारा निकाला जाता है। जैसे लैवे.डर के लगभग एक सौ किलो पौधे से लगभग तीन किलो तेल प्राप्त किया जा सकता है। इसी प्रकार लगभग साठ हजार गुलाब के फूलों से प्राप्त तेल लगभग एक आऊंस होगा। इन ऐसेन्शियल तेलों का प्रयोग सदैव बेस आयल के साथ मिलाकर किया जाता है, विभिन्न प्रकार के तेलों को बेस आयल के रूप में लिया जा सकता है जैसे वेजीटेबल आयल, ऐप्रीकाट आयल मीठा बादाम तेल आदि। ऐसोन्शियल आयल की मात्रा के अनुसार बेस आयल की मात्रा भी बदलती रहती है। जैसे 1 बूंद ऐसेन्शियन आयल में एक मिली बेस आयल, चार से दस बूंद में दस मिली बेस आयल और छह से पन्द्रह बूंद में पन्द्रह मिली बेस आयल का प्रयोग किया जाता है। मालिश और ऐरोमाथेरेपी में घनिष्ठ संबंध है। त्वचा द्वारा ऐसेन्शियल आयल के शीघ्र अवशोषण हेतु मसाज बहुत जरूरी है चूंकि एक्यूप्रेशर व रिफ्लेक्सीलॉजी का भी ऐरोमाथेरेपी से संबंध है, इसलिए मालिश करते समय बिन्दुओं के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी में अनेक ऐसी छोटी-छोटी बीमारियां होती हैं, जिनके समाधान के लिए ऐरोमाथेरेपी उपयोगी साबित हो सकती है। जैसे- पेट के ऊपरी भाग में दर्द की स्थिति में तीन बूंदें पिपरमेन्ट आयल, दो बूंदें क्लोव आयल तथा एक बूंद यूकेलिप्टस आयल के मिश्रण में एक चम्मच वेजीटेबल आयल मिलाकर मालिश करने से लाभ होता है। दर्द यदि पेट के निचले हिस्से में हो तो दो बूंद जिरेनियम आयल, दो बूंद रोजमेरी आयल व एक बूंद जिंजर आयल में एक चम्मच वेजीटेबल आयल डालकर दर्द वाले भाग पर हल्के हाथ की मालिश की जा सकती है। गर्मियों में नकसीर फूटना या नाक से खून आना एक आम समस्या है। इसके लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं और एक टिशु पेपर पर एक बूंद साइप्रस आयल, एक बूंद लेवेन्डर आयल, दो बूंद लेमन आयल व एक बूंद रोज आयल डालकर सूंघने से राहत मिलेगी। छोटे-मोटे साधारण घाव व फोड़े फुन्सियों के उपचार के लिए दो बूंद लैवेन्डर आयल, एक बूंद कैमोमाइल आयल व एक बूंद टी ट्री आयल के मिश्रण को एक कप गुनगने पानी में मिला कर दिन में दो बार घाव को धोएं। घाव या फुन्सी को धूल-मिट्टी से जरूर बचाएं।

गुदा का फिशर होने पर दो लीटर गुनगुने पानी में पांच बूंदें लेवेण्डर, दो बूंदें जिरोनियम व दो बूंदें लेमन आयल डालकर गुदा वाले भाग को धोएं। उसके बाद ये सभी ऐसेन्शियल आयल ऐलीवीराजेल में मिलाकर प्रभावित भाग के चारों ओर मालिश करें। घर में भारी सामान उठाते समय, नृत्य या व्यायाम करते समय हाथ या पैरों की मांसपेशियां खिंच जाने से हाथ या पैर में मोच आ सकती है। ऐसी स्थिति में किसी भी बेस आयल की तीस मि0ग्रा0 मात्रा लेकर उसमें पांच बूंद ब्लैक पेपर आयल, पन्द्रह बूंद यूकेलिप्टस आयल, पांच बूंद जिंजर आयल व नट मेग आयल मिलाकर दिन में तीन बार मालिश करें।

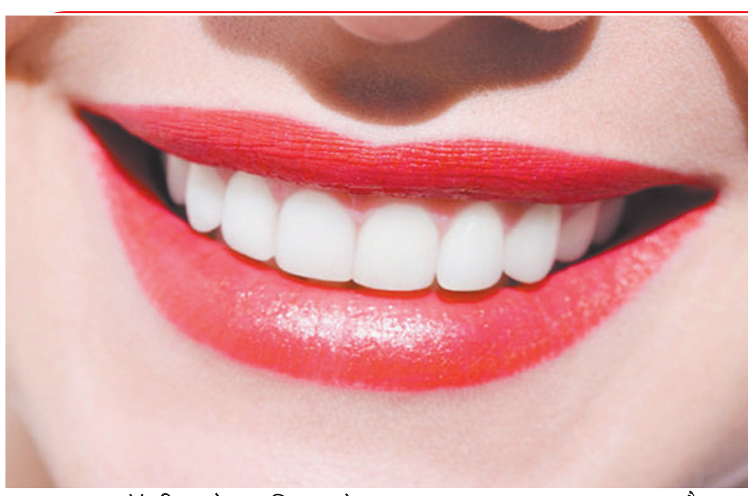

पीले या धब्बे युक्त दांतों से कैसे निजात पाएं

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, रैड वाइन तथा हल्दी और मसालों से भरपूर हमारे भारतीय भोजन के लम्बे समय तक सेवन की वजह से कई लोगों के दांत पीले पड़ जाते हैं या उन पर दाग-धब्बे पडने लगते हैं। धूम्रपान करने वाले जान लें कि नियमित धूम्रपान से दांतों के इनैमल (दांत की ऊपरी परत) पर दाग पड़ जाते हैं और मसूढ़ों को भी क्षति पहुंचती है। यदि आप सफेद दांत चाहते हैं तो आपके पास कई विकल्प हैं।

दांतों को सफेद करने वाले तत्वों से भरपूर टूथपेस्ट, जैल एवं हल्के एप्लीकेटर सरलता से उपलब्ध हैं परन्तु यदि आप अधिक सुधार चाहते हैं तो अपने डैंटिस्ट से ट्रीटमैंट ले सकते हैं। डैंटल ऑफिस प्रोसीकार्स के परिणाम तेजी से मिलते हैं जो टूथ ब्लीचिंग की सबसे सुरक्षित विधि है। मसूढ़ों तथा दांतों की संवेदनशीलता को सरलता से गाढ़े पैरोक्साइड जैल, पोटाशियम नाइट्रेट तथा फ्लोराइड डीसैंसिटाइजर के इस्तेमाल से नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आपके दांतों की रंगत कुदरती रूप से खराब है तो आपके लिए बढ़िया उपाय बांड़िंग रेसिन्स तथा टूथ विनीर्स हैं। इन उत्पादों को आसपास के दांतों जैसी रंगत देकर दांतों को एक समान बनाया जा सकता है।

कैविटीज तथा खंडित दांत

कई लोगों के दांतों में कैविटीज हो जाती हैं जिनका उपचार भी करवाया जाता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया दांतों की सतह पर एक परत तैयार करते रहते हैं। यही परत प्लाक बन जाती है जो शूगर को एसिड में बदल देती है। इससे इनैमल को क्षति पहुंचती है और दांतों में कैविटीज बन जाती हैं। दांतों को और नुक्सान पहुंचने से बचाने के लिए डैंटिस्ट प्लाक को हटा देते हैं और कैविटी वाली जगह पर फिलिंग कर देते हैं।

अगर आप दांतों में कई सारी कैविटीज भरवा चुके हैं तो हो सकता है कि अब तक आपका मुंह धातु से भर चुका हो क्योंकि पहले अधिकतर डैंटिस्ट्स चांदी या सोने को फिलिंग के लिए इस्तेमाल किया करते थे। धातु की इन फिलिंग्स का एक नुक्सान है कि ये सफेद दांतों के बीच साफ दिखाई देते हैं। अच्छी बात है कि अब कम्पोजिट, सैरेमिक तथा एक्रेलिक फिलिंग मैटीरियल आने लगे हैं जो देखने में अच्छे लगते हैं। कम्पोजिट रेसिन्स का इस्तेमाल कटे-फटे दांतों के इलाज में बांड़िंग मैटीरियल के तौर पर होता है। सैरेमिक का इस्तेमाल टूथ क्राऊन प्रोडक्शन के लिए किया जाता है क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है। क्राऊन्स उन दांतों के लिए जरूरी हैं जिन्हें गम्भीर क्षति पहुंची हो।

टेढ़े-मेढ़े एवं अंतर वाले दांत

कितना भी आप दांतों का ख्याल रखें। बढ़ती उम्र के साथ दांत अपनी जगह से हिलने लगते हैं। दांत टेढ़े-मेढ़े हों या उनमें अंतर होने से मुस्कराहट अच्छी नहीं लगती। ऐसे दांतों के इलाज में बांड़िग का इस्तेमाल करके खाली जगह को भरा जा सकता है या असमान दांतों को एक समान बना कर मुस्कराहट को सुंदर बनाया जा सकता है। इसके लिए पोर्सलिन विनीर का भी प्रयोग किया जाता है।

कई लोग उभरे दांतों को सीधा करने के लिए ब्रेसस लगवाते थे। पुराने ब्रेसस आज भी आर्थोडोंटिस्ट्स एवं डैटिंस्ट्स के पास मिल जाते हैं परन्तु अब यही ब्रेसिस कई तरह के रंगों तथा पारदर्शी भी आते हैं। दांतों को सीधा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे नए ब्रेसिस को दांतों के अंदर की तरफ पहना जा सकता है। अब ऐसी एक्रिलिक ट्रे भी आती हैं जो दांतों को धीरे-धीरे सीधा कर देती हैं। इन्हें उस समय पहना जा सकता है जब आप अपने दैनिक कामों में व्यस्त न हों।

क्षय होते या टूटे दांत

यदि आपके दांत इस कदर खराब हो चुके हैं कि उनका इलाज सम्भव नहीं है तो भी आपके पास विकल्प हैं। टूटे दांत या अत्यधिक क्षतिग्रस्त दांतों के स्थान पर नकली दांत या डैंचर्स लगवाए जा सकते हैं। यदि आपके दांतों की खराबी मसूढ़ों तक पहुंच चुकी है तो आपके लिए नकली दांत ही स्थायी हल साबित होंगे जो देखने में भी बेहद सुंदर होते हैं।

डैंचर्स अधिक किफायती हैं तथा इन दिनों इम्प्लांट का सहारा देकर उन्हें अधिक आरामदेह बनाया जा सकता है।

ये हैं दांतों के लिए बढ़िया

पनीर – पनीर थूक के स्राव को बढ़ाता है और इसे एक एंटी कैविटी एजैंट कहा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार पनीर प्लॉक एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी सहायता करता है।

सेब – फाइबर से भरपूर यह फल आपके दांतों के लिए एक प्राकृतिक क्लींजर का काम करता है। साथ ही यह शूगर के प्रभावों को कम करने में भी सहायक होता है क्योंकि इसमें जल की मात्रा अधिक होती है।

गाजर –यह विटामिन ए का सर्वश्रेष्ठ स्रोत है। यह दांतों पर एनेमल के निर्माण में सहायता करती है और इस तरह दांतों को स्टेनिंग तथा सैंसिटिविटी से बचाती है।

दूध –शूगर स्वीटन्ड फूड्स के सेवन के बाद एक गिलास दूध पीने से मुंह में एसिड के स्तर को कम किया जा सकता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बढ़ते बच्चों के दांतों को ताकतवर बनाने में सहायता करता है। प्लॉक बैक्टीरिया द्वारा पैदा किए जाने वाले एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी दूध बहुत सहायक है परन्तु दूध पीने के बाद अपने मुंह को अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है।

मैं मुंबई छोड़ने ही वाली थी, जब मीठा खट्टा प्यार हमारा का ऑफर आया

एक्ट्रेस आर्ची सचदेवा टीवी शो मीठा खट्टा प्यार हमारा में सांची का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह किरदार निभाना उनकी किस्मत में था। एक्ट्रेस मुंबई छोड़ने वाली थी, जब उन्हें सांची का रोल ऑफर हुआ। आर्ची ने बताया मैं मीठा खट्टा प्यार हमारा का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हूं। जब मैं जनवरी में मुंबई पहुंची, तो मैंने सांची के किरदार के लिए नहीं, बल्कि किसी दूसरे रोल के लिए ऑडिशन दिया। कई ऑडिशन के बावजूद, चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं और मैंने मुंबई छोड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, किस्मत मेरे साथ थी, और मुझे सांची के रोल के लिए चुना गया था, और शायद यह किरदार निभाना मेरी किस्मत में था। सांची मॉडर्न और स्मार्ट लड़की है, वह वही हासिल करना चाहती है जिस पर उसने अपना दिल और नजरें जमा रखी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा में प्रेरणा सिंह और अविनाश मिश्रा भी हैं।

द लीजेंड ऑफ हनुमान में रावण की आवाज बने शरद केलकर

हनुमान जयंती के अवसर पर द लीजेंड ऑफ हनुमान के निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा की। शो में रावण की आवाज देने वाले अभिनेता शरद केलकर ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए बेहद निजी रही है। शरद ने कहा, द लीजेंड ऑफ हनुमान के नए सीजन में राक्षस रावण को आवाज देना मेरे लिए बेहद अलग जर्नी रही है। यह शो पौराणिक कथाओं पर आधारित है और इसके माध्यम से मैंने खुद कई स्तर की कहानियों की खोज की है, जिसने मुझे और अधिक जानने के लिए प्रेरित किया है। एक्टर ने आगे कहा, मेरा मानना है कि हमारे दर्शकों को भी वैसा ही महसूस हुआ जैसा उन्होंने हमें लगातार समर्थन दिखाया है। मैं डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर द लीजेंड ऑफ हनुमान के नए सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने का इंतजार नहीं कर सकता। ग्राफिक इंडिया के सह-संस्थापक और सीईओ और नए सीज़न के निर्माता और कार्यकारी निर्माता शरद देवराजन ने कहा, भगवान हनुमान की वीरता दुनिया के लिए बहुत मायने रखती है, और लाखों लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली इस कालजयी किंवदंती के चित्रण में उस ताकत को साझा करना हमारा व्यक्तिगत मिशन रहा है।

करीना कपूर ने दिया बड़ा हिंट, सिंघम अगेन में होगा बहुत कुछ खास

रोहित शेट्टी की आगामी फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा जोरों पर है। इस मूवी में अजय देवगन, करीना कपूर, अर्जुन कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ सहित कई बेहतरीन कलाकारों की टोली है। वहीं, अब बॉलीवुड की बेबो यानी करीना ने आगामी फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में कुछ दिलचस्प संकेत दिए हैं। अभिनेत्री के बयान ने फैंस के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। सिंघम 2 के लगभग 10 साल बाद करीना कपूर फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ मुख्य महिला के रूप में लौटने वाली हैं। एक बातचीत के दौरान, उन्होंने सिंघम फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग में अपने किरदार और अन्य बॉलीवुड कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में कुछ विवरण दिए। जब करीना से अन्य ए-लिस्टर्स के साथ स्क्रीन साझा करने में उनकी भागीदारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, मुझे यकीन है कि यह फिल्म के आश्चर्य का हिस्सा है जिसे आप लोगों के लिए देखना दिलचस्प होगा, और मुझे लगता है कि हम सभी को एक फ्रेम में एक साथ लाने के लिए रोहित शेट्टी से बेहतर कोई नहीं है। यह निश्चित रूप से होने वाला है। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए करीना ने इस बात पर जोर दिया, फिल्म में इमोशन, एक्शन है और उसके ऊपर, मेरी एक प्यारी भूमिका है जो फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भले ही आप एवेंजर्स जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों को देखें, वहां हमेशा एक भावनात्मक संबंध होता है। सिंघम अगेन में वह भावना है जो मेरे किरदार से आती है। इसलिए, क्रू करने के बाद और विशेष रूप से दर्शकों के लिए, मुझे इस फिल्म में देखना एक अभिनेता के रूप में 360 डिग्री का बदलाव होगा।

किराए के कपड़े पहनते हैं बॉलीवुड सेलेब्स

अक्सर लोगों के मन में ये सवाल आता है कि बॉलीवुड में ज्यादातर लोग इतने मंहगे और स्टाइलिश कपड़े कैसे पहनते हैं। ऐसा बहुत ही रेयर होता है, जब वो अपने कपड़े रिपीट करते हों। ऐसे में आयुष्मान खुराना ने बॉलीवुड की पोल खोल दी है। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि ट्रेंड के साथ बने रहने के लिए बॉलीवुड सेलेब्स कपड़े खरीदते नहीं हैं, बल्कि रेंट पर लेते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि उन्हें दिलजीत दोसांझ का ड्रेसिंग स्टाइल बहुत पसंद है। बॉलीवुड सेलेब्स के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा- पूरा बॉलीवुड रेंट पर है। आपको क्या लगता है, हम इतने कपड़े खरीदते हैं? हम स्टाइलिश हायर करते हैं, वो कपड़े मंगवाते हैं, और फिर वापस कर देते हैं। हम इतने सारे कपड़े कहां से लेंगे।

चमकीला के बाद अच्छे प्रोजेक्ट के इंतजार में हैं परिणीति

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित ये फिल्म अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत कौर के जीवन पर आधारित है। फिल्म में परिणीति ने अमरजोत का किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हाल ही में फ्लॉप फिल्मों की वजह से कम काम मिलने को लेकर खुलकर बात की है। उन्हें उम्मीद है कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिभा को पहचाना जाएगा और उन्हें ऑफर आएंगे। परिणीति चोपड़ा ने एक बातचीत में कहा कि वह समान अवसर चाहती हैं। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं वहां मौजूद सभी निर्माताओं से अवसर चाहती हूं। बड़े निर्माता, बड़े स्टूडियो प्रमुख और बड़े निर्देशक अगर हमारी प्रतिभा को पहचानते हैं। अगर हमारी कड़ी मेहनत दिखती है, तो बस हमें वह अवसर दीजिए। क्योंकि जब तक हमें वह मौका नहीं मिलेगा, तब तक हम खुद को साबित नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, अगर आज मेरे पास चमकीला नहीं होती, तो मुझे कभी पता नहीं चलता या दुनिया को कभी पता नहीं चलता कि मैं लाइव गा सकती हूं। मैं अपना वजन बढ़ा सकती हूं और मैं अच्छा अभिनय कर सकती हूं। मैं अभी भी वही पुरानी स्थिति में हूं। परिणीति ने कहा, कभी-कभी गलत कारणों से आपको अच्छे अवसर नहीं मिलते हैं। मैं निर्देशकों के पास गई और उन्होंने कहा, मैं पिछली तीन फिल्मों से तुम्हारे साथ काम करना चाहता था। मगर मुझे नहीं पता था कि तुम काम करना चाहते हो या नहीं। परिणीति ने कहा, मैं बस यही चाहती हूं कि चमकीला के बाद अब यह बंद हो जाए। मैं आशा करती हूं कि यह मेरे लिए सही साबित हो। मुझे उम्मीद है कि अगर मैं अच्छा काम करूंगी, तो मुझे अच्छा काम मिलेगा। अब मैं इसी की तलाश में हूं। मैं किसी खास प्रोजेक्ट का इंतजार नहीं कर रही, सिर्फ अच्छे काम की तलाश में हूं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित नेटफ्लिक्स की अमर सिंह चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने पहली बार दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन साझा की है। दर्शकों को ये फिल्म बेहद पसंद आई है। इससे पहले वह 2023 में अक्षय कुमार के साथ मिशन रानीगंज में नजर आई थीं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी।

हैदराबाद में होगी दिव्या खोसला स्टारर फिल्म हीरो हीरोइन की शूटिंग

एक्ट्रेस दिव्या खोसला अपकमिंग फिल्म हीरो हीरोइन के जरिए तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में 35 लोकेशन पर की जाएगी। इन लोकेशन्स में आउटडोर-इनडोर सेटिंग्स के साथ-साथ असली लोकेशन भी शामिल हैं। सुरेश कृष्णा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक्टर परेश रावल भी निर्देशक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा, हीरो हीरोइन के साथ, हमारा मकसद सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना और नयापन लाना है। सुरेश कृष्णा और मैंने कई घंटों तक विचार-मंथन किए, और यह सुनिश्चित किया कि हर सांस्कृतिक बारीकियों को सही ढंग से चित्रित किया जाए। उन्होंने कहा, फिल्म में डांस सीक्वेंस एक ग्लैमरस प्रोजेक्ट होगा, जो हैदराबाद की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। हीरो हीरोइन की शूटिंग 10 जून से शुरू होने वाली है।

टीवी में कमबैक करना चाहती हैं दिव्यांका

दिव्यांका त्रिपाठी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी सीरीज अदृश्यम को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में दिव्यांका ने टीवी में वापसी करने की इच्छा जाहिर की है। दिव्यांका ने बताया कि अगर उन्हें अच्छे किरदार ऑफर होते हैं तो वह टीवी में जरूर वापसी करेंगी। अभिनेत्री ने कहा कि टीवी ने ही उन्हें जन्म दिया है और वह कभी भी टीवी को भूल नहीं सकती हैं। दिव्यांका ने यह भी बताया है कि उन्हें अभी भी कई सीरियल्स ऑफर हो रहे हैं, लेकिन किसी भी किरदार में दम नहीं दिख रहा है।

जूनियर एनटीआर-प्रशांत नील की फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

आरआरआर के बाद जनियर एनटीआर की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। इस फिल्म के बाद उनके विदेशी फैंस की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फिलहाल, इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म देवरा को लेकर चर्चा में हैं। कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस बीच उनके एक और प्रोजेक्ट पर बड़ा अपडेट आया है।

फिल्म को लेकर आया ये अपडेट

देवरा के बाद जूनियर एनटीआर प्रशांत नील के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केजीएफ और सलार की तरह इस फिल्म को भी बड़े स्केल पर बनाया जाएगा। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि यह प्रोजेक्ट इस साल अगस्त के महीने से शुरू हो सकता है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म को दो भाग में रिलीज किया जाएगा। इससे पहले के कई रिपोर्ट में बताया गया था कि फिल्म अप्रैल में शुरू हो जाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका।

देवरा को लेकर चर्चा में जूनियर एनटीआर

फिलहाल, आरआरआर अभिनेता देवारा-पार्ट 1 और वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। देवरा में जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के कलाकारों में प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको भी शामिल हैं। फिल्म देवरा को भारी भरकम बजट में बनाया जा रहा है। मेकर्स का दावा है कि लोगों को फिल्म का वीएफएक्स हैरान कर देगा। इस 10 अक्तूबर को रिलीज करने की तैयारी है।

संक्षिप्त समाचार

आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी भारतीय बिजनेस स्कूलों के लिए वैश्विक मान्यता का मार्ग प्रशस्त करती है

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ 23 अप्रैल 2024 को 2024 यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) भारतीय संगोष्ठी की सफलतापूर्वक मेजबानी की गई। थीम सीमाओं से परे- ईएफएमडी वैश्विक मान्यता के माध्यम से भारतीय बिजनेस स्कूलों की दृश्यता को बढ़ाना, संगोष्ठी में वैश्विक प्रबंधन शिक्षा समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं और विशेषज्ञों को बुलाया गया। प्रबंधन शिक्षा और मान्यता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श में शामिल होना। अपने स्वागत भाषण में, आईआईएम लखनऊ की प्रभारी निदेशक प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने कहा।वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती प्रमुखता के बीच 2024 ईएफएमडी संगोष्ठी की मेजबानी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।प्रो. शुक्ला ने इस विकास पथ को आगे बढ़ाने में भारतीय बिजनेस स्कूलों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी में चर्चा के लिए अपनी आशा व्यक्त की, जो एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करते हुए एक विविध और विश्व स्तर पर जुड़े समुदाय को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। भारतीय व्यापार परिषद की स्थापना के साथ संगोष्ठी ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।ईएफएमडी ग्लोबल नेटवर्क एशिया के विशेष सलाहकार निशित जैन ने कार्यक्रम के दौरान जोर दिया,एक सहयोगी थिंक टैंक के रूप में कार्य करते हुए, हमारा ध्यान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गणना के क्षेत्र में प्रगति में तेजी लाने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना है। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन और प्रबंधन विकास के क्षेत्र में यूरोप का सबसे बड़ा नेटवर्क एसोसिएशन है।

सीताराम जिंदल को राष्ट्रपति ने पद्म भूषण पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली एजेंसी। परोपकार और स्वास्थ्य सेवा के दूरदर्शी अग्रदूत डॉ. सीताराम जिंदल को सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति ने प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह समारोह समाज में डॉ. जिंदल के असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया। 12 सितंबर 1932 को हरियाणा के शांत गांव नलवा में जन्मे डॉ. सीताराम जिंदल की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। जिंदल एल्युमीनियम लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी उद्यमशीलता कौशल ने भारत की सबसे बड़े एल्युमीनियम एक्सट्रूजन निर्माता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिंदल कारोबार से परे तक सोचते हैं। उनका योगदान एस जिंदल चैरिटेबल फाउंडेशन, कई ट्रस्टों, अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना तक फैला हुआ है, जो मानव मात्र की सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण की बानगी है। डॉ. जिंदल की शैक्षणिक गतिविधियां उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय ले गईं, जहां उन्होंने 1957 में स्नातक की डिग्री हासिल की, उसके बाद प्राकृतिक चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनके कॉलेज के दिनों के दौरान उन्होंने उपवास, एनीमा और योग के माध्यम से पेट की तपेदिक की लाइलाज स्थिति पर काबू पाया।

200 रुपये के पार पहुंचेगा एम्मफोर्स ऑटोटेक का शेयर, 98 रुपये है आईपीओ में शेयर का दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ पर पहले ही दिन 21 गुना से ज्यादा दांव लग गया है। कंपनी का आईपीओ 23 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है और यह 25 अप्रैल 2024 तक ओपन रहेगा। एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर अभी से ग्रे मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 110 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम तगड़े फायदा का इशारा कर रहा है।

पहले ही दिन 200 रुपये के ऊपर जा सकते हैं शेयर

एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ का प्राइस बैंड 93 से 98 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर 110 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। 98 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी के शेयर 208 रुपये की रेंज में बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, जिन निवेशकों को आईपीओ में एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर मिलेंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन ही 113 पर्सेंट के करीब फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल 2024 को बाजार में लिस्ट होंगे। एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्क्ष्म प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

एम्मफोर्स ऑटोटेक का आईपीओ पहले ही दिन 21.73 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा पहले ही दिन 29.34 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 31.60 गुना दांव लग गया है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 1.03 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 117,600 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा।

जर्मनी में हैं 700,000 वैकेंसीज, भारतीयों के लिए गोल्डन चांस

नईदिल्ली, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश लेबर शॉर्टेज और बुढ़ाती आबादी की दोहरी समस्या से जूझ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक इस समय देश में 700,000 वैकेंसीज हैं और 2035 तक 70 लाख स्किल्ड वर्कर्स की कमी होगी। ऐसे में भारतीयों के पास इस मौके का फायदा उठाने का शानदार मौका है। जर्मनी की यूनिवर्सिटीज में इस समय करीब 43,000 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं जो छात्रों की कुल आबादी का करीब 14 फीसदी हैं। जर्मनी इन लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए नियमों में बदलाव कर रहा है ताकि देश में लेबर शॉर्टेज की समस्या दूर की जा सके। जर्मनी अभी अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है।

गर्मी में चुनावों के कारण इस साल चीनी की रिकॉर्ड खपत, गन्ना किसानों को समय पर मिल सकता है भुगतान

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से देश में इस साल चीनी की खपत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। अधिक खपत से न सिर्फ चीनी उत्पादक कंपनियों का मार्जिन बढ़ेगा बल्कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी। हालांकि, चीनी की मांग बढ़ने से घरेलू बाजार में इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लि. के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाइकनवरे ने कहा, गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से चीनी की मांग में असामान्य वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे इस साल चीनी की कुल खपत बढ़कर रिकॉर्ड 2.9 करोड़ टन पहुंच सकती है। 30 सितंबर को समाप्त विपणन वर्ष 2022-23 में कुल खपत 2.78 करोड़ टन रही थी।

बलरामपुर चीनी मिल्स की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरावगी ने कहा, देश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। इस बीच हो रही सियासी रैलियों में लाखों की भीड़ जुटने से आइसक्रीम और शीतल पेय की खपत बढ़ गई है, जिससे चीनी की मांग औसत से ज्यादा है।

75 लाख टन खपत का अनुमान

मुंबई स्थित एक डीलर ने बताया, मार्च के मध्य से जून तक गर्मी के महीनों में कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम की मांग बढ़ जाती है। इससे देश में अप्रैल-जून के दौरान चीनी की खपत बढ़कर 75 लाख टन पहुंच सकती है। यह सालाना आधार पर 5 फीसदी ज्यादा है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा, सरकार ने पिछले साल की तुलना में अप्रैल के लिए अधिक कोटा आवंटित किया है। लेकिन, थोक उपभोक्ताओं की मजबूत मांग से एक पखवाड़े में चीनी के दाम करीब तीन फीसदी बढ़ गए हैं।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने डिजिटल हेल्थ पर पाठ्यक्रम शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। देश में अग्रणी स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान विश्वविद्यालय आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, जयपुर ने डिजिटल हेल्थकेयर सिस्टम में दिलचस्पी रखने वाले इच्छुक पेशेवरों के लिए डिजिटल हेल्थ पर अपना पहला सर्टिफिकेट कोर्स लॉन्च किया है। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने का उद्देश्य डिजिटल हेल्थ की दुनिया में हाल के दौर में हुए इनोवेशंस की समझ के साथ स्वास्थ्य पेशेवरों की पीढ़ी को विकसित करना है, ताकि वे स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, सामर्थ्य और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य प्रणालियों के बेहतर परफॉर्मेंस में योगदान दे सकें।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोडानी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, ''आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी अपनी स्थापना के बाद से, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रबंधन संबंधी प्रक्रियाओं में सुधार के उद्देश्य से लगातार काम कर रहा है। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल हेल्थकेयर ईकोसिस्टम के बीच मौजूदा फासले को ध्यान में रखते हुए आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने डिजिटल हेल्थ से जुड़े इनोवेशंस के साथ हेल्थ प्रोफेशनल्स को विकसित करने की जरूरत को समझा है। इस तरह बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तक लोगों की पहुंच को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। इसलिए हमारी विशेषज्ञता ने हमारे पूर्व छात्रों के विविध नेटवर्क और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा कार्य पेशेवरों के लिए अत्याधुनिक टैक्नोलॉजी से युक्त इस पाठ्यक्रम को तैयार करने का निर्णय लिया है। मैं सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूं और अपनी टीम को उनके प्रयासों और इस लॉन्च की शानदार सफलता के लिए बधाई देता हूं।''

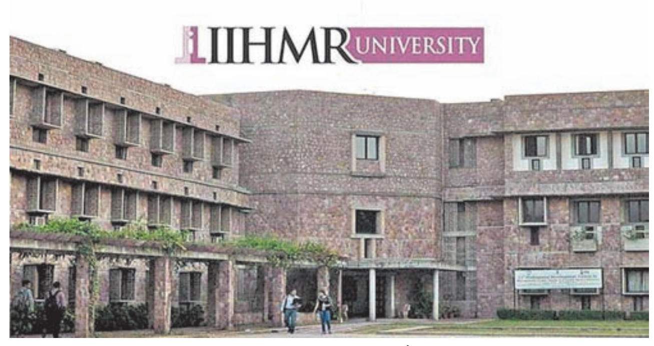

स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ के सलाहकार बोर्ड द्वारा अनुमोदित, 6 महीने तक चलने वाला इमर्सिव प्रोग्राम आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के समर्पित संकाय सदस्यों द्वारा डिजाइन और संकल्पित किया गया है। पाठ्यक्रम को इस तरह तैयार किया गया है कि दूरस्थ इलाकों में रहने वाले विद्यार्थी भी इसका लाभ ले सकें। इस लिहाज से इसे ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा। हालाँकि यूनिवर्सिटी के कैम्पस में विचार-विमर्श में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। इस भव्य लॉन्च के माध्यम से, स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ ने स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सभी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल होने का प्रयास किया है। साथ ही, देश की स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के सरकार के एजेंडे में अपनी तरफ से योगदान देने की दिशा में भी कदम उठाए हैं।

पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए संकाय सदस्य और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. स्वप्निल गढ़वे ने बताया कि यह इमर्सिव सर्टिफिकेट कोर्स छात्रों को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायता करेगा। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य देखभाल सिस्टम के साथ डिजिटल टैक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल के लिए आवश्यक कौशल से भी लैस करेगा। कुशलतापूर्वक तैयार किए गए इस पाठ्यक्रम को कामकाजी पेशेवरों के लिए उपयुक्त ट्रेनिंग प्रणाली के लिहाज से संचालित किया जाएगा। इसमें व्याख्यान और चर्चा, केस चर्चा/विश्लेषण, प्रोजेक्ट कार्य, टर्म पेपर और असाइनमेंट को भी शामिल किया गया है। ऑनलाइन मोड में संचालित होने के कारण छात्रों को संकाय सदस्यों और साथियों के साथ विचारोत्तेजक चर्चा में शामिल होने के लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा, जो छात्रों को विकास और उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करेगा।

नेस्ले इंडिया के 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' ने डेयरी किसानों के लिये स्थायी भविष्य का रास्ता दिखाया

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' के साथ जिम्मेदारी से सोर्सिंग करने और डेयरी फार्म्स से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिये अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखा रही है। बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी पशुओं से मिलने वाली खाद को शुद्ध बायोगैस में बदल देती है और इस प्रकार डेयरी फार्म्स का कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाता है। बचे हुए घोल का इस्तेमाल प्राकृतिक उर्वरक के रूप में होता है और इससे कृषि की पुनरुत्पादक पद्धति में योगदान मिलता है। इस पहल के तहत नेस्ले इंडिया पंजाब और हरियाणा के 24 जिलों में लगभग 70 बड़े बायोडाइजेस्टर्स और 3000 से ज्यादा छोटे बायोडाइजेस्टर्स स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

छोटे डेयरी फार्म्स में पशुओं से मिलने वाली खाद को खुला छोड़ दिया जाता है और इससे जीएचजी का उत्सर्जन होता है। इस खाद को बायोडाइजेस्टर्स में डालने से उसका माइक्रोबियल ब्रेकडाउन होता है और बायोगैस बनती है। छोटे बायोडाइजेस्टर्स जो बायोगैस बनाते हैं, वह एलपीजी और ईंधन की लकड़ी की जगह ले सकती है। इससे किसानों की सेहत को धुएं से होने वाला खतरा कम होगा और उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। इन फायदों के अलावा,बड़े बायोडाइजेस्टर्स 100त्न नवीकरण योग्य बिजली भी बना सकते हैं और इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव होगा। बायोडाइजेस्टर्स की बची हुई खाद को जैव उर्वरक में बदलकर खेतों और किचन गार्डन्स में इस्तेमाल किया जाता है।

एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड ने लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी और कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली एजेंसी। एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड (बीएसई 531035) अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस में हो रहे डेवलपमेंट को अपडेट करते हुए प्रसन्न व्यक्त करते है (द्व) कंपनी ने लगभग 30 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ लोनावाला में लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी का अधिग्रहण, और (द्वद्व) कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण भारत के सबसे संपन्न राज्य पंजाब के दिल, चंडीगढ़ की सैटेलाइट सिटी, मोहाली में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित सबसे बड़े मॉल में लगभग 470 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ किया, जो अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस के विस्तार के लिए अपने स्ट्रॉन्ग कमिटमेंट को दर्शाते हुए विकास की संभावना वाले बिज़नेस एरियाज़ में अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहा है।

एराया लाइफस्पेसेज़ अपने डिज़ाइनर, लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए स्थानों के चयन, तेजी से बढ़ते इत्मीनान युक्त टूरिज़्म मार्केट की गहन समझ और जल्दी समझने वाले ट्रैवलर्स की जरूरतों को पूरा करने हेतु एक स्ट्रेटिजिक अप्रोच को दर्शाता है।

डेस्टिनेशन लोनावाला

पश्चिमी घाट की हरी-भरी हरियाली के बीच और मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के पास सुविधाजनक स्थान पर स्थित, लोनावाला वीकेन्ड की छुट्टियों और अवकाश ट्रिप्स के लिए एक पॉप्युलर डेस्टिनेशन है। शांत वातावरण, सुखद जलवायु और मनोरंजक गतिविधियों की रेंज इसे लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। पूर्वकालीन स्थान पर स्थित लग्ज़री कॉटेज में एराया लाइफस्पेस का इन्वेस्टमेंट इसे अर्बन निवासियों की डिमांड पूरा करने की अनुमति देता है जो दूर की यात्रा किए बिना शहर के जीवन से एक शानदार छुट्टी बिताना चाहते हैं।

यह सुनिश्चित करके कि लोनावला में उसकी बुटीक स्टेकेशन प्रॉपर्टी करंट मिड ईयर तक तैयार होकर शुरू हो जाएगी, एराया लाइफस्पेसेज़ इक्सेप्शनल डेस्टिनेशंस का पता लगाने हेतु उत्सुक यात्रियों की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। चाहे गेस्ट्स प्रकृति के बीच एक शांत विश्राम की तलाश में हों या एक आरामदायक शहरी पलायन की, एराया लाइफस्पेसेज़ की संपत्तियों को उनकी प्राथमिकताओं और इच्छाओं के अनुरूप अनफॉरगेटेबल एक्सपीरियंस देने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। भारत में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री का मार्केट साइज़ 2024 में 247.31 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, और 2029 तक 475.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पूर्वानुमानित अवधि (2024-2029) के दौरान 13.96त्न की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

कमर्शियल और रिटेल स्पेसज़ में एराया लाइफस्पेसेज़ का इन्वेस्टमेंट 17,415 स्क्वेयर फीट का अधिग्रहण करना है, जिसमें पंजाब के मोहाली में सबसे बड़े मॉल द सीपी 67 मॉल के प्रमुख स्थानों को हल्दीराम, बर्गर किंग, डोमिनोज, पिज्जाहट और भी बहुत कुछ सहित प्रतिष्ठित डोमेस्टिक और अंतर्राष्ट्रीय क्यूएसआर चेन/ ब्रांड्स को लीज़ पर देने की तैयारी है। ये क्यूएसआर ब्रांड मॉल और अन्य रिटेल एनवायरनमेंट में विज़िटर्स के लिए ओवरऑल शॉपिंग और डाइनिंग एक्सपीरियंस का एक अभिन्न अंग बनने के लिए विकसित हुए हैं।

एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने मध्यप्रदेश में वहनीय आजीविका हासिल करने में कर रहा है मदद

एक्सिस बैंक फाउंडेशन की समाज प्रगति सहयोग के साथ साझेदारी के माध्यम से 100,000 से अधिक परिवार सशक्त हुए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) ने इस साल पृथ्वी दिवस पर, समाज प्रगति सहयोग (एसपीएस) के साथ भागीदारी में, मध्य प्रदेश में वहनीय सामुदायिक विकास और आजीविका को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। एबीएफ और एसपीएस ने 2011 से महिलाओं के नेतृत्व वाले समूहों को सशक्त बनाने और घरेलू आय में सुधार पर ध्यान देने के साथ, मध्य प्रदेश के देवास और खरगोन जिलों में 100,000 से अधिक ग्रामीण परिवारों के लिए पारिस्थितिक और आर्थिक लचीलेपन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

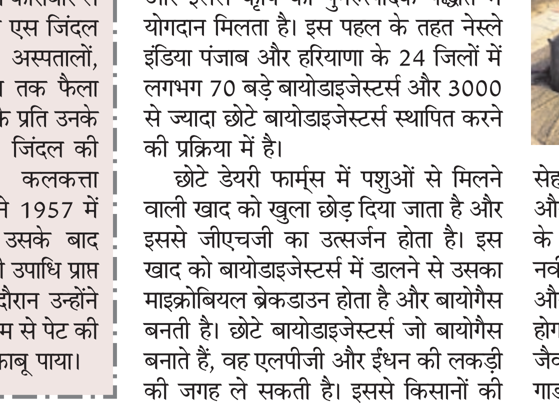

इस कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन - मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण, वहनीय कृषि पद्धतियों और घरेलू आय में सुधार के लिए स्थानीय संस्थानों को मज़बूत करने के साथ-साथ फसलों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह साझेदारी लक्षित पहलों के माध्यम से सूखा से प्रभावित होने वाले क्षेत्र की गंभीर चुनौतियों का समाधान करती है, जो वहनीय कृषि, वाटरशेड के विकास और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर केंद्रित है। वहनीय आजीविका कार्यक्रम के तहत न केवल सामुदाय की क्षमता बढ़ाई गई, बल्कि सचेत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से पूरे साल पानी की उपलब्धता और मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार किया गया। एक्सिस बैंक फाउंडेशन की कार्यकारी ट्रस्टी और मुख्य कार्यकारी, ध्रुवी शाह ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, दीर्घकालिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, समाज प्रगति सहयोग के साथ हमारा गठजोड़, मध्य प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में सहायक रहा है। हमारे गठजोड़ और साझेदारी का लक्ष्य है, आत्मनिर्भरता पैदा करना। एसपीएस के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम इस साल पृथ्वी दिवस पर वंचित समुदायों तक पहुंचने और समुदायों, गैर-लाभकारी संगठनों तथा सरकार को एकजुट कर उनका समर्थन करने के अपने मिशन की दिशा में काम करना चाहते हैं। हम वहनीय विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लक्ष्य के साथ पर्यावरण और लोग दोनों के पोषण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टाटा मोटर्स ने मैजिक के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कॉमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे पसंदीदा टाटा मैजिक वैन के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ाने के लिए नया वैरिएंट मैजिक बाई-फ्यूल भी लॉन्च किया।अंतिम गंतव्य तक परिवहन की सुविधा प्रदान करने में विश्वसनीय, दक्ष और किफायती होने के लिए मशहूर, 10 सीटर टाटा मैटिक यात्रियों और ऑपरेटर्स के लिए एकदम उपयुक्त पसंद है।टाटा मैजिक की स्लीक डिजाइन, सुरक्षा और यात्रियों का आराम पिछले इतने सालों से जारी इसकी निरंतर सफलता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

इंडस ऐपस्टोर ने 10 भारतीय भाषाओं में वॉयस सर्च फीचर लॉन्च किया

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस, फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने आज यह घोषणा की है कि उनका वॉयस सर्च फीचर अब अंग्रेज़ी के अलावा 10 भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा। यह इनोवेटिव फीचर यूज़र के अनुभव में सुधार लाता है, जिससे यूज़र अपनी पसंद की भाषा में वॉयस सर्च से ऐप्स ढूंढ सकते हैं। वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करती है। वॉयस सर्च विभिन्न प्रकार के उच्चारणों और स्पीच पैटर्न को समझ लेता है, जिससे सर्च के उचित परिणाम मिलते हैं। भारत में इंटरनेट चलाने वालों में करीब 75 प्रतिशत लोग अपनी स्थानीय भाषा बोलते हैं। इस आंकड़ें से पता चलता है कि ऐप्स खोजने और उनका इस्तेमाल करने में आने वाली भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना कितना ज़रूरी है। क्षेत्रीय भाषाओं में पारंपरिक टेक्स्ट आधारित खोज में कई तरह की मुश्किलें होती हैं, जैसे विशेष कीबोर्ड की ज़रूरत और मुश्किल अक्षर लिखना। इससे आसानी से संचार नहीं हो पाता है। इंडस ऐपस्टोर की वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी से यूज़र को बेहतरीन अनुभव मिलता है। इससे वे आसानी से वॉयस सर्च बटन को टैप करके अपनी स्थानीय भाषा में पसंदीदा ऐप को खोज सकते हैं। यह इंडस ऐपस्टोर मिशन के साथ जुड़ा हुआ है, जो सभी लोगों को शामिल करने और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले फीचर के माध्यम से यूज़र को सशक्त बनाना है। यह विभिन्न साक्षरता स्तरों और अपनी पसंद की भाषा के अनुसार काम करता है। इसके अलावा, यह नया फीचर, ऐप डेवलपर्स के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे ऐप इंस्टॉल करने की संख्या को बढ़ाने में भी मदद करता है। लॉन्च पर बोलते हुए, इंडस ऐपस्टोर के सह-संस्थापक और सीपीओ आकाश डोंगरे ने कहा, नए वॉयस सर्च फीचर के ज़रिए हमने सभी प्रकार के लोगो के लिए और आसानी से इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप स्टोर को बनाने का प्रयास किया है। 82त्न स्मार्टफोन यूज़र वॉयस-एक्टिवेटिड टेक्नोलॉजी इस्तेमाल कर रहे हैं, और भारतीय भाषाओं को शामिल करने से छह- से साठ वर्ष के सभी आयु वर्ग के लोगों में टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है।

जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, स्पेन की महिला फुटबॉल टीम सर्वश्रेष्ठ टीम बनी

लॉरियस अवॉर्ड

मैड्रिड, एजेंसी। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली

स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। समारोह के दौरान स्पेनिश फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। 12 साल बाद फिर से यहां होना गर्व की बात है।

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुई स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी।

स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी।

उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी। लेकिन कुल मिलाकर यह एक तरह का मज़ा है। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के अनुसार, स्वीयाटेक पहली बार विश्व नंबर 1 पर पहुंचने के 749 दिन बाद मील के पत्थर तक पहुंच जाएंगी- ग्राफ, एवर्ट और सेलेस के बाद 100 सप्ताह तक पहुंचने वाली चौथी सबसे तेज खिलाड़ी।

स्पेन की राजधानी में पहुंचकर, स्वीयाटेक विश्व नंबर 1 के रूप में अपना 100वां सप्ताह मना रही है। पिछले साल मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद, वह चीन की वांग ज़ियू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

मार्कस स्टोइनिस ने रचा इतिहास

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

डि कॉक और केएल राहुल के आउट होने के बाद मार्कस स्टॉइनिस ने संभाला मोर्चा

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली क्विंटन डि कॉक (0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले युगांडा के मुख्य कोच बने अभय शर्मा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने तीन साल के अनुबंध पर भारत के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अभय शर्मा को अपनी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अभय शर्मा के पास खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अपने कार्यकाल के अलावा, उन्होंने पहले भारत ए और भारत अंडर-19 के लिए फील्डिंग कोच के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे हालिया कोचिंग भूमिका दिल्ली रणजी टीम के साथ थी। अपनी नियुक्ति पर 54 वर्षीय अभय शर्मा ने कहा, प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के समूह के साथ काम करने के इस अवसर के लिए मैं यूसीए का बहुत आभारी हूं। युगांडा में केवल कुछ दिनों के लिए रहने के बाद, यह पहले से ही मेरे दूसरे घर जैसा लगता है। मैं यहां टीम की आकांक्षाओं में योगदान देने के लिए हूं, जिसमें आगामी विश्व कप में दुनिया की शीर्ष टीमों को हराना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, मैं इस उभरती हुई टीम और युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने पर पूरा फोकस करूंगा।

युगांडा क्रिकेट ने पिछले 12 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र और खामियां हैं, जिन्हें सही करना होगा। लेकिन, हमने फिर भी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया है। अब सोचिए अगर हम अपनी कमियों को दूर कर लें तो नतीजे कितने बेहतर हो सकते हैं। यूसीए ने हमें पूरा समर्थन देने का वादा किया है और मैं टीम के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हूं।

शिवम दुबे ने तोड़ डाला धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं।

पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से

37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं।

वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है। यहां तक कि किसी ने 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1000 रन नहीं बनाए हैं। धोनी का स्ट्राइक रेट 138.98 का है, जबकि सुरेश रैना ने 138.91 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन पूरे किए थे।

लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी में टीम के मालिक पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

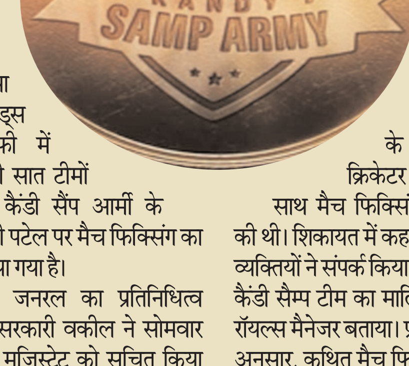

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने अदालत को सूचित किया है कि लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में खेलने वाली सात टीमों में से एक कैंडी सैंप आर्मी के मालिक योनी पटेल पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है।

अटॉर्नी जनरल का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील ने सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि योनी पटेल पर कोलंबो हाई कोर्ट में अपराध का आरोप लगाया गया है। उन पर श्रीलंका में सेंट्रल हिल्स के पल्लेकेले में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय सितारों की भागीदारी के साथ खेली गई लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी के दौरान एक क्रिकेटर पर फिक्सिंग में शामिल होने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया है। जांच श्रीलंका के सेवानिवृत्त राष्ट्रीय क्रिकेटर उपुल थरंगा की शिकायत पर शुरू की गई, जो खुद पटेल के स्वामित्व वाली टीम के खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के पूर्व सफेद गेंद कप्तान और क्रिकेट चयन समिति के वर्तमान अध्यक्ष थरंगा ने पंजाब रॉयल्स के लिए खेलने वाले न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर नील ब्रूम के साथ मैच फिक्सिंग की शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि उनसे दो व्यक्तियों ने संपर्क किया जिन्होंने खुद को कैंडी सैम्प टीम का मालिक और पंजाब रॉयल्स मैनेजर बताया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कथित मैच फिक्सरों में से एक ने खराब प्रदर्शन करने और मैच के नतीजों को फिक्स करने के लिए खिलाड़ियों से पैसे की पेशकश की थी। इसके बाद थरंगा ने तुरंत खेल से संबंधित भ्रष्टाचार को रोकने के लिए गठित श्रीलंका खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई को शिकायत की, जबकि ब्रूम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट और बाद में आईसीसी को रिपोर्ट की। एसआईयू की जांच में पता चला कि टीम मैनेजर ने ब्रूम को अपने कमरे में बुलाया और 10 से अधिक गेंदों का सामना करने के बाद 10 से कम रन बनाने के लिए कहा था।

टीम इंडिया की रेस...

शिवम दुबे की 51.83 की औसत वाली बल्लेबाजी पर भारी हार्दिक का स्पेशल 4 !

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएलः 2024 का आधा सफर पूरा हो चुका है, इस आधे सफर के बाद कई भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की बदौलत जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का सपना बुन रहे हैं. दो भारतीय खिलाडियों को लेकर सबसे ज्यादा हाइप क्रिएट हो रही है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं.

ये दो ऑलराउंडर हैं शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या. इन दोनों ही खिलाडियों के वर्ल्ड कप में जाने को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय भी रख रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आईपीएल के आधे सफर के बाद दुबे या पंड्या में किसका पलड़ा भारी है. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं. वहीं, हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की कमान संभाल रहे हैं. अब आंकड़ों के लिहाज से समझ लेते हैं दुबे और

पंड्या में किसका आईपीएल 2024 में दबदबा रहा है. शिवम दुबे ने अब तक 8 आईपीएल मैचों में कुल 311 रन बनाए हैं.

इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 66 नॉट आउट रहा है. उनका एवरेज 51.83 और स्ट्राइक रेट 169.95 का है. दुबे अब तक (23 अप्रैल) तक 22 छक्के जड़ चुके हैं, वो अपनी बिग हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं. दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं. पंड्या ने भी मौजूदा आईपीएल में अब तक दुबे के ही बराबर 8 मैच खेले हैं, पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया है. पंड्या ने 8 मैचों में महज 151 रन 21.57 के एवरेज से बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 142.45 का है. हालांकि हार्दिक पंड्या के साथ एक ही एडवांटेज है, जिसमें वो शिवम दुबे से आगे दिखते हैं.

प्रधानमंत्री सुनक के प्रयास लाए रंग, ब्रिटिश संसद ने रवांडा निर्वासन विधेयक को दी मंजूरी

लंदन, एजेंसी। कुछ प्रवासियों को रवांडा निर्वासित करने के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रयासों को अंततः सोमवार देर रात संसद की मंजूरी मिल गई। इससे कुछ घंटे पहले ही सुनक ने विश्वास जताया था कि जुलाई में रवांडा के प्रवासियों को ले जाने वाली निर्वासन उड़ान शुरू होंगी। सुनक ने मंगलवार को अपनी सरकार के उक्त विवादास्पद 'रवांडा सुरक्षा विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने का स्वागत किया और संकल्प जताया कि अवैध प्रवासियों को उड़ानों से अफ्रीकी देश निर्वासित करने के रास्ते में कोई अड़चन नहीं आएगी। उन्होंने विधेयक को ऐतिहासिक करार दिया और इसे वैश्विक पलायन को संभालने में बुनियादी बदलाव लाने वाला बताया।

उन्होंने एक बयान में कहा, ''इस ऐतिहासिक विधेयक का पारित होना न केवल एक कदम आगे बढ़ाना है बल्कि विस्थापन पर वैश्विक समीकरण में मूलभूत बदलाव करने वाला है। संसद में इस विधेयक को लेकर करीब दो महीने से गतिरोध बना हुआ था। लेकिन सोमवार आधी रात के बाद अंततः गतिरोध समाप्त हुआ और 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने 'हाउस ऑफ कॉमन्स की सर्वोचता को स्वीकार किया और अपने प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेकर विधेयक के कानून बनने का रास्ता साफ कर दिया। इससे पहले सुनक ने सोमवार सुबह एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स को छोटी नौकाओं में प्रवासियों के इंग्लिश चैनल पार करने की व्यवस्था को समाप्त करने के संबंध में उनके प्रमुख प्रस्तावों में आड़े आना बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा था कि जब तक इस विधेयक को स्वीकृति नहीं मिल जाती, तब तक संसद सत्र जारी रहेगा। विधेयक पर गतिरोध से उस योजना के कार्यान्वयन में नई बाधा पैदा हो गई थी जिसे कई अदालती फैसलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण लगातार अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। इन लोगों का कहना है कि यह कानून अवैध और अमानवीय है। प्रवासियों के पक्षधरों ने इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प जताया है। सुनक ने लंदन में सोमवार सुबह संवाददाताओं से कहा था, ''हमारे विरोधियों ने लगभग दो साल से उड़ानों को अवरुद्ध करने और नौकाओं के प्रवेश के लिए हर तरीके का इस्तेमाल किया है। लेकिन अब बहुत हुआ।

सरकार उन कुछ लोगों को रवांडा निर्वासित करने की योजना बना रही है जो अवैध रूप से ब्रिटेन में प्रवेश करते हैं ताकि उन प्रवासियों को रोका जा सके जो नावों में यात्रा कर इस उम्मीद में अपनी जान जोखिम में डालते हैं कि ब्रिटेन पहुंचने के बाद वे शरण का दावा कर पाएंगे। क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर टिम बेल ने कहा कि विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने के बावजूद अदालतों में चुनौतियों से निर्वासन उड़ानों में देरी हो सकती है। सुनक ने निर्वासन उड़ानों के लिए अपने राजनीतिक भविष्य को दांव पर लगा दिया है और इस साल के अंत में होने वाले चुनाव से पहले मतदाताओं को अपने संदेश में 'नावों को रोकने के संकल्प को प्रमुखता से रखा है। जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार इस साल के अंत में होने वाले आम चुनाव से पहले सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी विपक्षी लेबर पार्टी से बहुत पीछे है।

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

मॉस्को, एजेंसी। रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर

कहा, रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है। समाचार एजेंसी तास (टीएएसएस) के अनुसार, इवानोव को मई 2016 में उप रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। इस पद पर वह सशस्त्र बलों के लिए संपत्ति प्रबंधन, सेना की तैनाती, आवास और चिकित्सा सहायता के आयोजन के साथ-साथ राज्य रक्षा आदेश के तहत खरीद की देखरेख के प्रभारी थे।

मंत्री मोहम्मद औरंगजेब का दावा, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत विकास की दिशा में बढ़ रही है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के संघीय वित्त एवं राजस्व मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने

मंगलवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने मजबूत आर्थिक विकास और समेकित सामाजिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, औरंगजेब ने यहां एक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश और विदेश में ढेर सारी चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान ने समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और आर्थिक संकेतकों में सुधार के लिए उपाय किए हैं, जो अर्थव्यवस्था के लिए आशावादी दृष्टिकोण का संकेत है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि देखी गई है और पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। सकारात्मक भावनाएं बाजार के विश्वास को बहाल करने में मदद कर रही हैं। इसके अलावा, औरंगजेब ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीतियां पेश की जा रही हैं और देश इस संबंध में अन्य देशों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, देश में कृषि क्षेत्र में बंपर पैदावार के साथ उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे औद्योगिक क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि सरकार कर, ऊर्जा क्षेत्र के मंचों और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में सुधार सहित प्रमुख क्षेत्रों के परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, उन्होंने कहा कि उच्च विकास के लिए कर आधार को बढ़ाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में इजरायली सेना का नया कांड खुला! अस्पताल में खुदाई से निकली 200 लाशें

गाजा, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुए 200 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया है। गाजा शहर इजरायली सेना के कत्लेआम ने अमेरिका को भी भड़का रखा है। उसने उसकी एक बटालियन पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। इस बीच गाजा में आईडीएफ का नया कांड सामने आया है। हमास अधिकारियों का आरोप है कि खान यूनिस अस्पताल में खुदाई के दौरान 200 से अधिक लाशें मिली हैं। हमास ने इजरायल पर अस्पताल को सामूहिक कब्रगाह बनाने का आरोप लगाया है। शवों की बर्बरता पर संयुक्त राष्ट्र भी भड़क गया है। उसका कहना है कि शवों में कुछ के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के तन में कपड़े भी नहीं थे। हमास के अधिकारियों ने दावा किया कि सैकड़ों निर्दोषों को इजरायली बलों ने मारकर अस्पताल में दफना दिया। हमास ने यहां सामूहिक कब्र होने का दावा किया है। हालांकि इजरायली सेना ने हमास के आरोपों को निराधार बताया और इस दावे को झूठा बताया है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र में इजरायली बलों और हमास आतंकियों के बीच लड़ाई के बीच फिलिस्तीनियों ने खुद पहले भी शवों को उस स्थान पर दफनाया था। इज़राइल रक्षा बलों ने हमास के आरोप को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली बंधकों की तलाश कर रहे हमारे बलों ने नासिर अस्पताल के पास फिलिस्तीनियों द्वारा पहले दफनाए गए शवों की जांच की थी और जांच के बाद शवों को वहीं रख दिया था, जहां उन्हें दफनाया गया था। उधर, संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय ने दावा किया है कि अस्पताल में खुदाई के दौरान बरामद कुछ शवों के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के कपड़े उतारे हुए थे। आईडीएफ ने मामले में कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हाल के महीनों में नासिर अस्पताल के क्षेत्र में अपने ऑपरेशन के दौरान, उसके सैनिकों ने इजरायली बंधकों का पता लगाने के लिए अस्पताल के मैदान में फिलिस्तीनियों द्वारा दफनाई गई लाशों की जांच की थी।

किंग चार्ल्स ने ब्रिटिश भारतीय चिकित्सक को किया सम्मानित

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को शीर्ष शाही सम्मानों के एक सेट का अनावरण किया। इसमें भारतीय मूल के ब्रिटिश चिकित्सक लॉर्ड अजय कुमार कक्कड़ और संगीतकार एंड्रयू लॉयड वेबर को उनके नए 'नाइट कम्पेनियन ऑफ द मोस्ट नोबल ऑर्डर ऑफ द गार्टर' के रूप में पदोन्नत किया गया। कक्कड़ थ्रोम्बोसिस रिसर्च इंस्टीट्यूट, किंग्स हेल्थ पार्टनर्स और द किंग्स फंड के अध्यक्ष हैं। द किंग्स फंड धर्मार्थ स्वास्थ्य संगठन है। साल 2022 में रानी एलिजाबेथ द्वितीय ने कक्कड़ को नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑप द ब्रिटिश एम्पायर नियुक्त किया था।

सेना ने हिंसक झड़प में 12 मुस्लिम विद्रोही मार गिराए

मनीला, एजेंसी। दक्षिण फिलीपीन में एक हिंसक झड़प में सैनिकों ने मुस्लिम विद्रोही गुट के कमांडर और उसके 11 सदस्यों को मार गिराया। गुट पर पहले भी बम धमाके व उगाही करने के आरोप हैं। मागुइंदानाओ डेल सुर प्रांत के एक अंदरूनी इलाके में 'बंगसामोरो इस्लामिक फ्रीडम फाइटर्स' के संदिग्ध सदस्यों के साथ एक घंटे की झड़प में सात सैनिक भी घायल हुए हैं। ब्रिगेडियर जनरल जोस व्लादिमीर कगारा ने बताया, विद्रोही गुट का एक प्रमुख कमांडर, उसका भाई और 10 अन्य संदिग्ध विद्रोही मुठभेड़ में मारे गए।

भारतीय दूत हरीश जैन ने यूक्रेन के उप विदेश मंत्री एंड्री साइबिहा से मुलाकात की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में भारतीय राजदूत हरीश जैन ने मंगलवार को यूक्रेन के नव नियुक्त उप विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ बैठक की। जैन ने विदेश कार्यालय में उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। इस दौरान, दोनों नेताओं ने भारत-यूक्रेन के द्विपक्षीय संबंधों पर बात की। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए मुलाकात और बैठक की जानकारी दी।

उड़ान भरने के बाद बर्फ से जमी नदी में गिरा ईंधन ले जा रहा विमान, लगी आग, सवार दो लोगों की मौत

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक विमान जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एबीसी न्यूज ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के हवाले से बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। मंगलवार को डगलस सी-54 विमान जो कि ईंधन लेकर जा रहा था, वह अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 91 ईंधन परिवहन विमान जो कि अलास्का एयर फ्यूल संचालित करता है, वह सुबह लगभग 10 बजे तनाना नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने फेयरबैंक्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। अलास्का सार्वजनिक सुरक्षा विमान के अनुसार विमान नदी के किनारे एक खाड़ी में विमान फिसल गया, उसमें यहां आग लग गई। विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा। हालांकि एनटीएसबी ने कुछ एजेंट घटनास्थल पर भेजे हैं, जो कि मामले की जांच कर रहे हैं।

चीन ने मालदीव के संसदीय चुनाव में शानदार जीत के लिए मुइज्जू को दी बधाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मालदीव के संसदीय चुनाव में प्रंचड बहुमत हासिल करने वाली राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को सोमवार को बधाई दी और दोनों देशों के बीच व्यापक सामरिक सहयोग साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने की इच्छा जताई। मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीएनसी ने रविवार को हुए चुनाव में 93 में से 68 सीट पर जीत हासिल की जबकि उसके गठबंधन सहयोगियों मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) ने एक और मालदीव डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) ने दो सीट जीतीं। इस तरह पीएनसी और उसके सहयोगी दलों को संसद में दो तिहाई से अधिक बहुमत हासिल हुआ है और संविधान में संशोधन का अधिकार मिल गया है।

भारत समर्थक नेता के तौर पर देखे जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को केवल 15 सीट पर जीत मिली है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में पीएनसी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चीन सफल संसदीय चुनाव के लिए मालदीव को बधाई देता है और लोगों की पसंद का सम्मान करता है।

चीन के लिए जासूसी कर रहा था धुर दक्षिणपंथी नेता का सहयोगी, गिरफ्तारी के बाद भड़क गया ड्रैगन

बीजिंग, एजेंसी। दूसरे देशों की जासूसी करवाना चीन की आदत में शुमार है। कई बार दुनियाभर में चीन के जासूस पकड़े जाते हैं। वहीं चीन यह भी कोशिश करता है कि दूसरे दशों या अंतरराष्ट्रीय संगठनों के चुनावों को प्रभावित किया जाए। इसी तरह की हरकत चीन यूरोपीय यूनियन में भी कर रहा था। जर्मनी की पुलिस ने एक धुर दक्षिणपंथी नेता के सहयोगी को चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक जियान जी नाम का यह शख्स यूरोपीय संसद की गुप्त जानकारियां भी चीन के मंत्रालय में किसी कर्मचारी को भेजता था। जून महीने में ईयू को चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में यह बेहद गंभीर मामला सामने आया है। वहीं चीन ने इन आरोपों को शिरे से खारिज किया है और जर्मनी की गिरफ्तारी पर नाराजगी भी जाहिर की है। जर्मनी के प्रशासन ने यह क्लियर नहीं बताया है कि किस राजनेता के सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि मीडिया रिपोर्टस में मैक्सिमिलन क्राह का नाम लिया गया है जो कि दक्षिणपंथी नेता हैं।

आने वाले यूरोपीय पार्ल्यामेंट के इलेक्शन में मैक्सिमिलन क्राह को जर्मनी (द्बष्ठ) की पार्टी का विकल्प माना जा रहा है।

पुलिस ने जियान जी के अपार्टमेंट में छापा मारकर उसे गिरफ्तार किया था। आरोप यह भी है कि जर्मनी में चीन के विपक्ष से संबंधित लोगों की भी जियान जी जासूसी कर रहा था। बर्लिन की गृह मंत्री नैन्सी फीजर ने कहा कि जासूसी के आरोप बेहद गंभीर हैं। उन्होंने कहा, अगर यह क्लिर होता है कि यूरोपीय संसद में चीन की खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी का काम होता था तो यह यूरोप के लोकतंत्र पर बहुत बड़ा हमला है।

उन्होंने कहा, अगर कोई भी राजनेता किसी कर्मचारी की नियुक्ति करता है उसकी जिम्मेदारी बनती है कि उसकी ठीक तरह से जांच पड़ताल की जाए। उसके कहां से कैसे तार जुड़े हैं इसकी जानकारी होनी चाहिए। बता दें कि क्राह पर रूस के लिए काम करने के भी आरोप लग चुके हैं। बीते महीने एफबीआई ने भी उनसे पूछताछ की थी।

वहीं चीन के विदेश मंत्रालय ने किसी भी तरह की गिरफ्तारी की बात से इनकार किया है और कहा है कि ये केवल बीजिंग को बदनाम करने के हथकंडे हैं। चीन ने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते हैं कि चीन और यूरोप के बीच आपसी सहयोग और संबंध मजबूत हों। इसलिए यूरोपीय संसद को भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि जियान जी की गिरफ्तारी के बाद जर्मनी में तुरंत तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनपर भी जासूसी का ही आरोप है। यूके में हुई इन गिरफ्तारियों के लिए कहा गया कि वे जरूरी जानकारी बीजिंग को भेज रहे थे।

अमेरिकी संसद में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी, बाइडन जल्द कर सकते हैं हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। कई महीनों के इंतजार के बाद अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। अमेरिका के उच्च सदन में मंगलवार को 79 विधायकों ने इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया था, जबकि 18 इसके खिलाफ थे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यह विधेयक अमेरिकी संसद के निचले सदन-हाउज ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास हुआ था। तब रिपब्लिकन नेताओं ने अचानक से अपना रुख बदल लिया और यूक्रेन, इस्राइल एवं ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की ज्यादातर सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया। बता दें कि सीनेट ने चार विधेयकों को एक पैकेज में बदल दिया था। यूक्रेन को मिला सबसे बड़ा पैकेज इन पैकेजों में सबसे बड़ा हिस्सा 61 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन को प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 26 अरब डॉलर इस्राइल और दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता एवं तीसरा हिस्सा 8.12 अरब कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए रखा गया है। चौथे विधेयक को सदन में पिछले हफ्ते जोड़ा गया था। इसमें चीनी नियंत्रित सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध, जब्त की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन में स्थानांनतरित करने के उपाय और ईरान पर नए प्रतिबंध शामिल हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वादा किया था कि जैसे ही सदन में इसे पास किया जाएगा, वह इसपर हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदल देंगे। दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन प्रशासन पहले से ही यूक्रेन के लिए एक अरब की सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रही है। यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा अमेरिकाः अधिकारी अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी विरोधियों को यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। बताया गया कि नवंबर में चुनाव होने तक यूक्रेन को सहायता पैकेज की मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि यह राहत पैकेज अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने पेश किया था। इसके तहत यूक्रेन और इस्राइल के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी सहायता राशि भेजने का प्रस्ताव है।

ईरान -पाकिस्तान बैठक के बाद अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार को लेकर जारी की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ कारोबार करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के जोखिम की भी जानकारी होनी चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान की यात्रा के बारे में किए गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं व्यापक तौर पर यह कहना चाहता हूं कि हम ईरान के साथ कारोबार की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में सजग रहने की सलाह देते हैं।

पाकिस्तान सरकार को अपनी विदेश नीति के बारे में बेहतर पता होगा। ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान पाकिस्तान और ईरान ने आठ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उसकी मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाया, जिसमें चीन की तीन कंपनी भी शामिल हैं। पटेल ने कहा, ''प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये ऐसी संस्थाएं हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के उत्पादन और उनके प्रसार को बढ़ावा दे रही थीं।

ये बेलारूस में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से जुड़ी कंपनी हैं और हमने देखा है कि इन्होंने किस प्रकार से पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए जरूरी घटक और अन्य सामान मुहैया कराए। एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध है। राइडर ने कहा, ''वह क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार है।

2023 में ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी ब्लैक समर से भी भयंकर आग, 8.40 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र जलकर हुआ राख

सिडनी, एजेंसी। 2023 में ऑस्ट्रेलिया को जंगल की सबसे बड़ी आग का सामना करना पड़ा। एक दशक से अधिक समय में यह जंगल की आग का सबसे बड़ा मौसम था। यह आग 2019-20 की ब्लैक समर कही जाने वाली जंगल की आग से भी आठ गुना बड़ी आग थी। चार्ल्स डार्विन विश्वविद्यालय के रोहन फिशर जो सूचना प्रौद्योगिकी विकास शोधकर्ता हैं, की एक रिपोर्ट के अनुसार ब्लैक समर ने दक्षिण-पूर्व ऑस्ट्रेलिया में एक करोड़ हेक्टेयर का क्षेत्र जला डाला था। रोहन फिशर का कहना है कि मेरे शोध से पता चलता है कि 2023 की आग ने उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में आठ करोड़ 40 लाख हेक्टेयर से अधिक रेगिस्तान और सवाना को जला दिया। यह पूरे न्यू साउथ वेल्स से बड़ा है, या यूनाइटेड किंगडम के आकार से तीन गुना अधिक है। इन आग के पैमाने को समझना कठिन है। जिस गति से ये आग फैली वह भी अविश्वसनीय थी। सितंबर और अक्टूबर के कुछ ही हफ्तों में, उत्तरी क्षेत्र और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के बार्कली, तनामी और ग्रेट सैंडी रेगिस्तान में एक करोड़ 80 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि जल गई। मैंने इस महीने कैनबरा में अंतर्राष्ट्रीय अग्नि व्यवहार और ईंधन सम्मेलन में 2023 की आग पर यह शोध प्रस्तुत किया। मैंने इन आग के

पैमाने का वर्णन किया, वे क्यों घटित हुईं, और ऑस्ट्रेलिया के दूरस्थ लेकिन पारिस्थितिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा में मदद करने के लिए आग को कैसे बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। ऐसा क्यों हुआ? रोहन फिशर के अनुसार आग और बारिश का गहरा संबंध है। बारिश से घास में वृद्धि होती है और जब यह सूख जाती है, तो घास आग का ईंधन बन जाती है। उदाहरण के लिए, आप अधिक वर्षा वाले वर्षों के बाद अधिक आग का पैटर्न देख सकते हैं, जो उत्तरी क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों में आवधिक अंतराल पर दोहराया गया है। इस प्रकार, ला नीना रेगिस्तान में इन भीषण आग का प्रमुख चालक है। हालाँकि 2023 भीषण अग्नि वर्ष था, 2011 उससे भी बड़ा था। अकेले एनटी में, 2011 में साढ़े पांच करोड़ हेक्टेयर से अधिक जल गया, जबकि 2023 में चार करोड़ तीस लाख हेक्टेयर जल गया था।

जब ईंधन सूख जाता है और मौसम की स्थिति चरम पर होती है, तो सवाना और रेगिस्तानी इलाकों में बिजली गिरने से आग लगने की अधिक संभावना होती है। मीडिया और सोशल मीडिया पर कई तरह से सुझाव दिया गया है कि ये आग एक ''सामान्य चक्र का हिस्सा है, जलवायु परिवर्तन का परिणाम है, या बड़े पैमाने पर आगजनी का परिणाम है। यह सीधे सादे कारण रेगिस्तानी देश में अग्नि प्रबंधन की जटिलता और इतिहास को समझने में विफल रहते हैं। आग की इन घटनाओं का मुख्य कारण बहुत बड़ा ईंधन भार था। ये बढ़ते गीले मौसम प्राकृतिक चक्र का हिस्सा हैं। जबकि जलवायु परिवर्तन आग की स्थिति को और अधिक गंभीर बना सकता है, इस मामले में यह मुख्य कारण नहीं है। हालाँकि, इन आग का पैमाना ''सामान्य नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार... अमेठी में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

अमेठी, एजेंसी। कांग्रेस ने अब तक अमेठी लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। चर्चा है कि इस सीट पर वायनाड में वोटिंग होने के बाद कांग्रेस कोई फैसला लेगी। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के ही नाम का ऐलान यहां से होगा और देरी इसलिए की जा रही है ताकि वायनाड में वोटिंग के बाद वह अमेठी पर पूरा फोकस कर सकें। लेकिन इस बीच अमेठी में राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा के नाम के पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टरों में नारा लिखा है– अमेठी की जनता करे पुकार, रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार। इन पोस्टरों में निवेदक के तौर पर लिखा है– अमेठी की जनता। ये पोस्टर अमेठी के गौरीगंज में स्थित कांग्रेस के दफ्तर के बाहर लगाए गए हैं। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा खुद भी अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। उनका कहना था कि अमेठी की जनता चाहती है कि मैं वहां से चुनाव लड़ूं और संसद में उनका प्रतिनिधित्व करूं। वाड्रा ने कहा था कि अमेठी के लोग मानते हैं कि स्मृति इरानी को चुनकर उन्होंने गलती की थी और अब इसे सुधारने का मौका है। वाड्रा ने दावा किया था कि उनके पास अमेठी से तमाम लोगों के फोन आते हैं कि आप यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन आखिरी फैसला पार्टी को ही लेना है। गौरतलब है कि वाड्रा की इस दावेदारी और राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के कयासों को लेकर स्मृति इरानी ने तंज भी कसा था। उन्होंने अमेठी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस अब तक कैंडिडेट ही घोषित नहीं कर पाई है। इस बीच जीजा जी ने सीट पर दावेदारी कर दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था कि पहले बस में सफर करने के दौरान ऐसा होता था कि लोग रुमाल रखकर सीट पर कब्जा जता देते थे। अब जीजा जी ही दावेदारी कर रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी को पहले ही अमेठी सीट से चुनाव लड़ने के लिए रुमाल रख देना चाहिए।

इस महीने रेल यात्रियों ने तोड़ा रिकॉर्ड, 41 करोड़ से ज्यादा लोग कर चुके हैं यात्रा

नईदिल्ली, एजेंसी। यदि किसी आम भारतीय से पूछा जाए कि वे यात्रा के लिए किस तरह की सेवा पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं, तो उनका जवाब एक ही होगा– भारतीय रेल। जब लोगों के जेहन में यात्रा के लिए पहली पसंद चुनने का सवाल आए तो वे सिर्फ भारतीय रेल सेवा पर ही भरोसा करते हैं। लाखों की संख्या में लोग रोज ट्रेनों में यात्रा करते हैं। मगर इस महीने लोगों ने रेल से यात्रा करने का रिकॉर्ड ही बना दिया। अप्रैल महीने की 21 तारीख तक रेलवे ने 41 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपनी सेवा दी है। लोगों की भारी भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों का भी इंतजाम किया है। मगर ट्रेनों में लोगों की इतनी भीड़ रहती है जिसे मैनेज करना रेलवे के लिए मुश्किल भरा हो रहा है। भारतीय रेलवे ने अपने परिचालन और यात्री सेवाओं पर दबाव को रेखांकित करते हुए कहा है कि 21 अप्रैल तक 41 करोड़ से अधिक लोगों ने ट्रेन से यात्रा की। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, भारतीय रेलवे ने 1–21 अप्रैल के दौरान 41.16 करोड़ लोगों को यात्रा कराई। पिछले हफ्ते के शनिवार और रविवार– 20 और 21 अप्रैल को 3.38 करोड़ यात्रियों ने विभिन्न गंतव्यों के लिए ट्रेन यात्रा की। इससे पिछले सप्ताह में कुल 13.69 करोड़ यात्रियों ने रेल से सफर किया। भारतीय रेलवे ने पहले कहा है कि उसने रिकॉर्ड संख्या में अतिरिक्त ट्रेन यात्राएं संचालित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक होगा। अधिकारी ने कहा, रेलवे ने गर्मियों छुट्टियों के कारण ट्रेन यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि के मद्देनजर कई स्पेशल ट्रेन शुरू करके और स्टेशन पर सुविधाओं में सुधार करके विस्तृत उपाय किए हैं। जोनल रेलवे को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

संजय निरुपम की उम्मीदवारी से पहले महाराष्ट्र में घमासान ; राज ठाकरे की पार्टी का ऐतराज

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के बागी नेता संजय निरुपम की लोकसभा चुनाव में संभावित उम्मीदवारी को लेकर महायुति के घटक दलों की बीच ठन गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है मगर अभी महायुति में सीटों के बंटवारे पर आम सहमति नहीं बन पाई है। अभी तक शिवसेना और भाजपा ने मुंबई की छह में से तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया। इसी बीच ऐसी भी चर्चाएं तेज हैं कि संजय निरुपम शिवसेना में शामिल होंगे और उत्तर पश्चिम मुंबई सीट की दावेदारी करेंगे। मगर संजय निरुपम की संभावित उम्मीदवारी महायुति के अन्य घटक दल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के गले नहीं उतर रही है। बिना शर्त भाजपा को समर्थन देने वाली एमएनएस ने दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से संजय निरुपम के चुनाव लड़ने की चर्चा को लेकर सवाल उठाया है। महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एमएनएस के नेता मनीष धुरी ने साफ किया कि अगर शिंदे की शिवसेना उत्तर पश्चिम मुंबई से संजय निरुपम को उम्मीदवार बनाती है तो वह इसका विरोध करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी मिलने का समय दें, उनकी गलतफहमी करूंगा दूर- खरगे

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 की लड़ाई भाजपा और कांग्रेस में मुस्लिम लीग और मंगलसूत्र पर आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार चुनावी रैलियों में कांग्रेस पर महिलाओं का मंगलसूत्र तक छीनने और देश में मुस्लिम लीग लाने का आरोप लगा रहे हैं। पीएम मोदी के मुताबिक, कांग्रेस के मेनिफेस्टो में ऐसी कई बातें हैं, जो देश के लिए खतरा है। पीएम के इन आरोपों के जवाब में मंगलवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मां ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र ही कुर्बान कर दिया वो किसी का मंगलसूत्र क्या लेंगे। अब मामले में कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पास अगर समय है तो वे उनसे मिलकर कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र अच्छे से समझा सकते हैं ताकि उनकी गलतफहमी दूर हो।

इस महीने चुनावी रैलियों में पीएम मोदी ने अपने भाषणों में कई बार कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी के वादे आजादी से पहले मुस्लिम लीग के विचारों की याद दिलाते हैं। रविवार को राजस्थान की एक रैली में पीएम मोदी ने यह दावा करके नए विवाद को जन्म दे दिया कि कांग्रेस का इरादा लोगों की संपत्ति जब्त कर उसे

मुसलमानों में बांटना है। उन्होंने कहा था, वे आपका मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे।

अब पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। केरल के वायनाड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने सभी आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं, अगर वह मुझे समय दें, तो मैं अपना घोषणापत्र उन्हें समझाऊंगा। हम कहां कह रहे हैं कि यह केवल मुसलमानों के लिए है? हम सभी के लिए काम करने की बात कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमारा घोषणापत्र गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और सभी के लिए है। इस तरह की बातें सिर्फ समाज को बांटना चाहती हैं।

युवाओं और महिलाओं के लिए कांग्रेस के वादों का जिक्र करते हुए, खरगे ने कहा, युवा न्याय सभी के लिए है। नारी शक्ति सभी के लिए है। यह केवल मुसलमानों के लिए नहीं है, अनुसूचित जाति, जनजाति, गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए भी है। यह सभी के लिए है। यूपीए काल के दौरान, हमने लोगों को उनके मांगे बिना कुछ अधिकार दिए थे, उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी सोनिया गांधी ने दी थी और भाजपा ने तब इसका विरोध किया था।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि मनरेगा लाकर कांग्रेस देश में गरीबी ला रही है। हमने मनरेगा को एक अधिकार, शिक्षा को एक अधिकार, खाद्य सुरक्षा को एक अधिकार बनाया। इन चीजों को पीएम मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) भी नहीं छीन सकता। अमित शाह ऐसा करना चाहते हैं। ये यूपीए सरकार द्वारा लाए गए स्थायी अधिकार हैं।

पीएम पर निशाना साधा : प्रधान मंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए खड़गे ने कहा कि उन्होंने दुनिया और देश का दौरा किया है, लेकिन हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं किया है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी वहां गए, लोगों को सांत्वना दी और उनसे कहा, हिम्मत मत हारो। मैं वहां हूं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा पर आम चुनाव का असर, एडमिशन प्रोसेस में भी हो सकती है देर

जयपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव का असर राजस्थान यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों पर भी पड़ेगा। कॉलेजों का इस्तेमाल चुनाव कार्यों के लिए होने की वजह से सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा पर भी इसका असर होगा। दरअसल, चुनाव आयोग से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा राजस्थान यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों के कैंपस का उपयोग चुनाव कार्यों के लिए किया जा रहा है। इस वजह से उन कॉलेजों अकादमिक गतिविधियां ठप पड़ी हैं। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स तथा राजस्थान कॉलेज को चुनाव कार्यों के लिए अधिग्रहित कर लिया गया है, ऐसे में इन कॉलेजों में अकादमिक गतिविधियां ठप हो गई हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन इन कॉलेजों में परीक्षा के आयोजन की तैयारी नहीं कर पा रहा है। इससे न सिर्फ सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा के आयोजन में देर होगी, बल्कि यूनिवर्सिटी में होने वाले नए एडमिशन प्रोसेस पर भी पड़ेगा। यूनिवर्सिटी की ओर से फाइनल परीक्षा के लिए समुचित व्यवस्था नहीं की जा सकती है। नन कॉलेजिएट विद्यार्थियों के लिए फाइनल एग्जाम पहले मई में प्रस्तावित था।

जूते-चप्पल से हुआ बारातियों का स्वागत, घर के सामने जमकर हुई दूल्हे की पिटाई

जांजगीर-चांपा , एजेंसी। प्यार,शादी और धोखा यह शब्द हमने बहुत बार सुना है। लेकिन कई लोग इसका दुरुपयोग करने में पीछे नहीं हटते। आज तक हमने सुना है कि लोग प्यार करके शादी करने से मुकर जाते हैं फिर बाद में धोखा दे देते हैं। लेकिन एक ऐसा मामला सामने आया है जहां युवक युवती को धोखे में रखकर शादी के मंडप तक पहुंच गया। कोरबा में एक दूल्हे का स्वागत जूते-चप्पल के साथ किया गया। युवती के घर वालों ने दूल्हे राजा का स्वागत बारातियों के सामने पीट कर किया। दरअसल युवक का अफेयर पहले से ही गुजरात की रहने वाली लड़की के साथ चल रहा था। लेकिन युवक पहली गर्लफ्रेंड को धोखा देकर दूसरी गर्लफ्रेंड से शादी करने निकल गया। पहली गर्लफ्रेंड को इस बात की जानकारी लगी, तो उसने दूसरी गर्लफ्रेंड के घर वालों को इसकी सूचना दी। फिर क्या था दूसरी गर्लफ्रेंड की घर वालों ने दूल्हे का स्वागत जूते-चप्पल के साथ किया। दरअसल, पूरा मामला कोतवाली थाना की पुरानी बस्ती का है। जहां पर जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिसोड में रहने वाले दादूराम का विवाह कोरबा पुरानी बस्ती में तय हुआ था। गुजरात के निजी कंपनी में काम करने वाले दादूराम ने खुद को अच्छे पद पर काम करने की जानकारी भी दी थी। लड़की पक्ष के परिवार ने शादी की पूरी तैयारी कर रखी थी। लेकिन शादी के एक दिन ठीक पहले दादूराम की गुजरात में उपस्थित प्रेमिका के घरवालों को कुछ फोटो- वीडियो भेजें और अपने अफेयर के बारे में उन्हें जानकारी दी। इसके बाद लड़की के घर वालों ने लड़के को सबक सिखाने का निर्णय लिया और उन्होंने बारात का इंतजार किया। और जैसे ही दादू राम अपने परिवार और दोस्तों के साथ कोरबा बारात लेकर पहुंचा वैसे ही दूल्हे को घर के अंदर ले जाने के बाद लड़की के घर वालों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी। बताया जा रहा है कि मंडप में ही दूल्हे को जूते की माला पहनकर उसकी पिटाई की गई। इस घटना के बाद सभी बाराती वहां से फरार हो गए। लेकिन दूल्हा और उसके परिवार वाले फंस गए। इसके बाद लड़की के परिवार वालों ने दूल्हे को बंधक बना लिया।घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली टीआई पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

भाजपा-कांग्रेस के सामने रविंद्र सिंह भाटी बन गए बड़ी चुनौती

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर के छोटे से गांव दूधोड़ा के रहने वाले रविंद्र सिंह भाटी भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। सूबे की राजनीति में इस 26 वर्षीय नेता की खूब चर्चा है। दरअसल, भाटी राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से वर्तमान में निर्दलीय विधायक हैं और बाड़मेर संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। इस नौजवान को सुनने और देखने के लिए उसके रोड शो और सभाओं में हजारों की तादाद में लोग उमड़ रहे हैं। वैचारिक रूप से भाजपा के करीब रहे रविंद्र सिंह भाटी ने बाड़मेर लोकसभा सीट पर केंद्र सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दी है। यह पहली बार नहीं है जब भाटी ने भाजपा से अलग राह पकड़ी है। जब-जब उन्हें टिकट नहीं मिला उन्होंने अलग राह पकड़ी और जीतकर निकले। रविंद्र सिंह भाटी जब उच्च शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे तो उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में छात्र राजनीति में कदम रखा। स्नातक के बाद भाटी ने वकालत की पढ़ाई पूरी की। इससे नाराज भाटी ने निर्दलीय ताल ठोक दी और यूनिवर्सिटी के 57 साल के इतिहास में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में छात्रसंघ अध्यक्ष पद का चुनाव जीतने वाले पहले छात्र नेता बने। पिछले विधानसभा चुनाव में रविंद्र सिंह भाटी शिव सीट से निर्दलीय उठे थे। नतीजे चौंकाने वाले थे क्योंकि इस सीट से उन्होंने जीत दर्ज की। दिनोंदिन उनकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

राहुल गांधी के बाद सैम पित्रोदा बोले- अमेरिका में तो मरने के बाद सरकार के पास जाती है आधी दौलत

नईदिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने पिछले दिनों देश में संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराने और संपत्ति के पुनर्वितरण की बात कही थी। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने तीखा हमला बोला था और कहा था कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति लूटना चाहती है। यह विवाद अभी थमा भी नहीं था कि कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा का बयान नया बवाल खड़ा कर सकता है। अमेरिका में बोलते हुए ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने कहा, अमेरिका में विरासत पर टैक्स लगता है। यदि किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है तो उसकी 45 फीसदी संपदा ही बच्चों को मिलती है। इसके अलावा बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार के पास चली जाती है। सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून की बात करते हुए कहा, यह कानून कहता है कि आपने दौलत बनाई और उसका उपभोग किया। अब आप उसे छोड़कर जाएं तो उसका पूरा हिस्सा

बच्चों को ही न मिले, कुछ देश को भी मिले। यह अच्छा कानून लगता है। भारत में ऐसा नहीं है। यदि किसी के पास 10 अरब की दौलत है और उसकी मौत हो जाती है तो उसके बच्चों को पूरी संपदा मिलती है, पब्लिक के हाथ कुछ नहीं आता। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को डिबेट और चर्चा करनी चाहिए। मैं नहीं जानता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन जब हम संपदा के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम नई नीतियों की बात कर रहे हैं। ऐसी योजनाओं की बात कर रहे हैं, जो जनता के हित में हैं। हम ऐसी स्कीमों की बात नहीं करते, जो सिर्फ देश के सुपर अमीरों के लिए ही हों। यही नहीं राहुल गांधी की ओर से दिए बयान पर सवाल पूछा गया कि इसे पीएम नरेंद्र मोदी मुद्दा बना रहे हैं। इस पर सैम पित्रोदा ने कहा कि वह यह बात नहीं कह रहे हैं कि किसी की शर्ट लेकर दूसरे को दी जाएगी। यहां बात यह है कि कैसे संसाधनों का केंद्रीकरण होने से रोका जाए। बता दें कि कुछ सप्ताह पहले राहुल गांधी ने हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराएंगे। हम यह पता लगाएंगे कि देश में किसके पास कितनी दौलत है और उसका फिर नए सिरे से वितरण होगा। उनके इसी बयान को आधार बनाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की एक रैली में हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस आपकी दौलत उन लोगों को देना चाहती है, जिनके ज्यादा बच्चे हैं। वह चाहते हैं कि हमारी माताएं-बहनें अपने जेवर तक का हिसाब दें।

मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश पर कुर्बान हुआ, दादी ने युद्ध में दिया सोना- प्रियंका गांधी वाड्रा

अलीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मां का मंगलसूत्र इस देश को कुर्बान हुआ है। बेंगलुरु में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की आजादी के बाद से 55 साल तक कांग्रेस की सरकार रही लेकिन तब किसी ने किसी का सोना, मंगलसूत्र नहीं छीना।

हाल ही में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि देश की संपत्ति को लूटने को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझने वाली कांग्रेस की नजर अब महिलाओं के मंगलसूत्र पर है। अलीगढ़ और हाथरस लोकसभा सीटों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने पहुंचे मोदी ने सोमवार को कहा कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई पर है और आपकी संपत्ति पर है। कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी) का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी प्रॉपर्टी, धन, मकान है उसकी जांच कराएंगे। इतना ही नहीं इन संपत्तियों को सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। ये उनका मेनीफेस्टो कह रहा

है। हमारी माताओं बहनों के पास सोना होता है। मंगलसूत्र पर भी उनकी नजर है। अब पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, पिछले 2 दिनों से कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी आपसे आपका मंगलसूत्र और आपका सोना छीनना चाहती है। देश को आजाद हुए 70 साल हो गए और 55 साल कांग्रेस की सरकार रही। क्या किसी ने आपका सोना, मंगलसूत्र छीन लिया? युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी ने अपना सोना देश को दिया। मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश को कुर्बान हुआ है...सच्चाई यह है कि ये (भाजपा) लोग महिलाओं के संघर्ष को नहीं समझ सकते।

इससे पहले दिन में कर्नाटक के ही चित्रदुर्ग में सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ''देश के सबसे बड़े नेता ने नैतिकता छोड़ दी है, '' उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षियों की आवाज दबाकर, उनके बैंक खातों पर रोक लगाकर और दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डालकर विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। प्रियंका ने इस जिला मुख्यालय शहर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''एक जमाना था जब देश में एक नेता खड़ा होता था।

रेफर बच्चे को अस्पताल नहीं घर ले जाकर अपने नहाने-खाने में लगा एंबुलेंसकर्मी, गई जान

बरेली , एजेंसी। रेफर किए गए बुखारग्रस्त बच्चे को बरेली जिला अस्पताल से सैफई ले जाने की बजाय अपने घर जाकर 108 एंबुलेंस कर्मियों ने दो घंटे तक नहाने और खाना खाने में समय बर्बाद कर दिया। इससे बच्चे की जान चली गई। इस लापरवाही की गूंज जब शासन तक पहुंची तो दोनों कर्मचारियों को बर्खास्त करते हुए एंबुलेंस के स्टाफ को लखनऊ तलब किया गया है।

मंगलवार को शासन स्तर पर एबुलेंस में बच्चे के दम तोड़ने के मामले में संज्ञान लिया गया और बड़ी कार्रवाई की गई। शासन के निर्देश पर लखनऊ से ही 108, 102 एबुलेंस की कार्यदायी संस्था के द्वारा ईएमटी अमित कुमार और पायलट अनूप कुमार को बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा इन दोनों के अलावा स्थानीय स्टाफ को शासन तलब किया गया है। शासन की एबुलेंस कर्मियों पर हुई कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया है। एबुलेंस जिला प्रभारी सहित अधिकारियों से जबाव तलब किया गया है वहीं सीएमओ को भी शासन से जांच करने को निर्देशित किया गया है।

यह है मामला सोमवार को बदायूं जिले के बिनावर के गांव पुठी सहाय निवासी हरिनंदन के नौ माह के बेटे आशीष को बुखार आया तो परिजन उसको बरेली ले गए। चूंकि बदायूं के मुकाबले गांव से बरेली नजदीक था। इसलिए बरेली ले गए। बरेली प्राइवेट अस्पताल में दिखाने के बाद जिला अस्पताल ले गए वहां से गंभीर हालत होने पर बच्चे को सैफई के लिए रेफर कर दिया

गया। बच्चे आशीष के चाचा शिवनंदन ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एबुलेंस जिला अस्पताल पहुंची चालक अनूप और ईएमटी अमित एबुलेंस सैफई की जगह बरेली के नकटिया से पांच किलो मीटर दूर गांव मोहनपुर ठिरिया ले गया।

परिजनों के अनुसार नहाने और खाने में दोनों लग गए और दो घंटा बीत गए। इस बीच एबुलेंस में तड़प-तड़पकर बच्चे की मौत हो गई। चालक और पायलट घर से बाहर नहीं निकलकर आये। जब तक आये, तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। 102,108 एबुलेंस सेवा, प्रोग्राम मैनेजर बरेली, शिवम कुमार सोनी ने कहा कि बच्चे की मौत के मामले में शासन स्तर से ईएमटी और पायलट दोनों को बर्खास्त किया गया है।

गांधी सरनेम छोड़ दें राहुल, करानी चाहिए डीएनए जांच- विधायक पी वी अनवर

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया के बीच, राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर ने यह कहकर एक और विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। व्यवसायी से विधायक बने अनवर ने कहा कि कांग्रेस नेता 'चौथे दर्जे के नागरिक' बन गए हैं, जो गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं।

विजयन के खिलाफ गांधी के हालिया बयान से खफा अनवर ने सवाल किया कि नेहरू परिवार से संबंध रखने वाला कोई व्यक्ति इस तरह के बयान कैसे दे सकता है। अनवर ने यहां एलडीएफ स्थानीय समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में कहा, 'मेरी राय है कि राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं है।' गांधी ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता से पूछताछ क्यों नहीं और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप लगे हैं। वामपंथी नेताओं ने विजयन के खिलाफ दिए गए बयानों

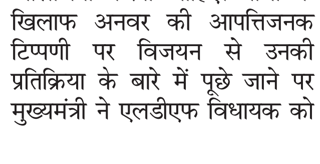

के लिए कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें विजयन के बजाय मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करनी चाहिए। गांधी के खिलाफ अनवर की आपत्तिजनक टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक को सही ठहराया और कहा कि कांग्रेस नेता आलोचना से परे व्यक्ति नहीं हैं।

विजयन ने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा, 'राहुल गांधी ने जो कहा है, उसका जवाब उन्हें मिलेगा। वह आलोचना से परे नहीं हैं।' विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का उनके द्वारा संदर्भ दिए जाने का भी बचाव किया और कहा कि यह टिप्पणी राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान गांधी द्वारा दिए गए कुछ बयानों के जवाब में की गई। उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी से भाजपा और उसके नियंत्रण वाली एजेंसियों को मदद मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का ऐसा आचरण पूरी तरह से बचकाना था और गांधी को केवल वही नहीं दोहराना चाहिए, जो राज्य में उनकी पार्टी के कुछ नेता उनसे कहते हैं। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इसलिए मैंने कहा कि उन्हें अपने पुराने नाम की ओर लौटना नहीं चाहिए।'

विजयन ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे सवाल किया गया था कि उनकी इस तरह की टिप्पणी कितनी उचित है, जबकि अतीत में वह इस तरह के व्यक्तिगत हमलों के खिलाफ रुख अपना चुके हैं। विजयन ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का संदर्भ दिया था।

विजयन ने कहा था कि उनके खिलाफ गांधी की टिप्पणियों से पता चलता है कि कांग्रेस नेता ने समय के साथ अपनी सार्वजनिक छवि में सुधार नहीं किया है। विजयन ने कहा, राहुल गांधी...आपका पुराना नाम है। किसी भी हाल में ऐसा नहीं होना चाहिए, जिसमें आप अब भी उस स्थिति से नहीं निकले हों।' उन्होंने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वी एस अच्युतानंदन की उस टिप्पणी का स्पष्ट जिक्र करते हुए यह कहा था, जिसमें उन्होंने एक दशक पहले गांधी को 'अमूल बेबी' कहा था।

सात्विक प्रो0 प्रा0 लि0 कोलकता, पं0 बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।